दिल्ली | बुधवार, 21 जनवरी, 2026
माघ कृष्ण पक्ष षष्ठी, पिंगल संवत्सर विक्रम संवत 2081,
| वर्ष :12 अंक :20 | मूल्य 3.00 रुपए | पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी

vishwakesari.com
दिल्ली

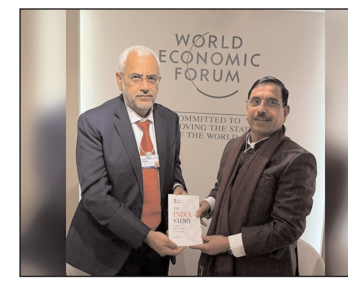

@ खेल मुंबई इंडियंस को लगा झटका...
@ विचार ट्रंप की रणनीति से यूरोपीय संघ...
@ व्यापार दावोस में केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी...

हम जैसे छोटे कार्यकर्ता को मिली बड़ी जिम्मेदारी, ये भाजपा में ही संभव: नितिन नबीन

संवाददाता ■ नई दिल्ली

नितिन नबीन ने मंगलवार को दिल्ली में पार्टी मुख्यालय पर राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर पदभार संभाला। उन्होंने कहा कि हम जैसे छोटे कार्यकर्ता को बड़ी जिम्मेदारी मिली है। मैं आप सबका आभार जताता हूं। छोटे कार्यकर्ताओं को भाजपा में ही बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा, 'आज सबसे पहले मैं आप सभी का दिल से धन्यवाद करता हूं। आपने मुझ जैसे एक आम कार्यकर्ता को पार्टी में इस सबसे ऊंचे पद तक पहुंचने का मौका दिया है और इसके लिए मैं आप सभी के सामने नतमस्तक हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आपका दिल से धन्यवाद, क्योंकि हम आम कार्यकर्ताओं के तौर पर हमेशा दूर से देखते रहे हैं कि आप देश की सेवा के लिए लगातार कैसे काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'मुझे याद है जब मैंने पहली बार गुजरात के आणंद में आपके साथ एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। उस समय मैं राष्ट्रीय महासचिव था और मैंने सद्भावना मिशन कार्यक्रम के दौरान आपको हर एक व्यक्ति की बात सुनते हुए देखा। कार्यक्रम खत्म होने के बाद जब आपने अपने ग्रीन रूम में हमसे बात की, तो आपने इतने इमोशन के साथ समझाया कि गुजरात से इतने सारे लोग क्यों आए थे। उस दिन, मैं समझा कि कोई इंसान तब महान बनता है जब वह लोगों की भावनाओं से जुड़ता है।

नितिन नबीन ने कहा कि आज मैं सर्वप्रथम आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं। भाजपा के विस्तार में योगदान देने वाले हमारे शीर्ष नेतृत्व ने मुझ जैसे साधारण कार्यकर्ता को पार्टी के सर्वोच्च पद तक पहुंचाने का अवसर दिया है, इसके लिए मैं आप सभी को प्रणाम करता हूं। मैं भाजपा के अपने सभी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों को दिल से बधाई देता हूं और पार्टी को इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं। मैं पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को नमन करता हूं।भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि मैं आज इस अवसर पर पार्टी के पूर्व के राष्ट्रीय अध्यक्षों का स्मरण करता हूं और यहां मौजूद पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों का अभिवादन करता हूं। 2006 में जब मैं पहली बार विधायक बना, तब से मैं देख रहा हूं कि राजनाथ सिंह ने किस प्रकार हर कार्यकर्ता से जुड़ने का प्रयास किया। नितिन गडकरी ने संगठन के हर मोर्चे को गढ़ने का काम किया। गृहमंत्री अमित शाह जब राष्ट्रीय अध्यक्ष थे, तब उन्होंने किस प्रकार हर कार्यकर्ता की चिंता की। मैं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों का बहुत-बहुत अभिनंदन करता हूं। उन्होंने पार्टी को यहां तक पहुंचाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है।

नितिन नबीन ने कहा, 'हाल ही में हमने देखा कि कैसे विपक्षी पार्टियों ने तमिलनाडु की एक पहाड़ी पर पवित्र कार्तिगई दीपम त्योहार को रोकने की कोशिश की। यह अकेला मामला नहीं है। विपक्ष ने दूसरी चीजों को रोकने की भी साजिश रची। हमने हाल ही में देखा कि कैसे एक जज पर महाभियोग चलाने की कोशिश की गई। आज, जब हम सोमनाथ की बात करते हैं और इस गौरव के त्योहार को मनाने की कोशिश करते हैं तो विपक्षी पार्टियों के लोगों को बेचैनी होती है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि हमारा मानना ??है कि ऐसी परंपराओं को रोकने की कोशिश करने वाली ताकतों का सामना करना जरूरी है। हमें यह पक्का करना होगा कि जो लोग राम सेतु के अस्तित्व से इनकार करते हैं और कार्तिगई दीपम त्योहार का विरोध करते हैं, उनकी भारतीय राजनीति में कोई जगह न हो।

विश्व आर्थिक मंच से ईयू अध्यक्ष का ऐलान, 'हम भारत संग ऐतिहासिक समझौते के करीब'

एजेंसी ■ दावोस

विश्व आर्थिक मंच से ईयू अध्यक्ष वॉन डेर लेयेन ने ऐलान किया कि ईयू भारत संग ऐतिहासिक समझौते को अंतिम रूप देने के करीब पहुंच गया है। मंगलवार को उन्होंने अपने संबोधन में अमेरिका को स्पष्ट संदेश देने की कोशिश की कि अब टैरिफ से बेखौफ होकर यूरोप नए साथियों संग साझेदारी के लिए तैयार है।

लेयेन ने बताया 'हमने बहुत देशों के साथ समझौते किए हैं' और अगले हफ्ते भारत जाएंगी। उन्होंने कहा, 'अभी भी काम करना बाकी है। हम एक ऐतिहासिक व्यापार समझौते के कगार पर हैं। कुछ इसे सभी समझौतों की जननी कहते हैं। ऐसा समझौता जो 2 अरब लोगों के लिए बाजार क्रिएट करेगा और ये वैश्विक जीडीपी का लगभग एक चौथाई हिस्सा है।

ईयू अध्यक्ष के मुताबिक, संभावित व्यापार समझौता यूरोप को मजबूत करेगा। यूरोप लैटिन अमेरिका से लेकर एशिया प्रशांत के इकोनॉमिक पावरहाउस को चुन रहा है, और दुनिया भी हमारी ओर हाथ बढ़ा रही है।

वॉन डेर लेयेन अगले हफ्ते भारत आने वाली हैं और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि होंगी।

वॉन डेर लेयेन ने कहा कि अब ईयू को अपनी आर्थिक और रणनीतिक मजबूती को बढ़ाने के लिए और तेजी से आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'भू-राजनीतिक झटके यूरोप के लिए एक मौका हो सकते हैं—और होने भी चाहिए। जो बड़ा बदलाव हो रहा है, वह नई यूरोपीय आजादी बनाने को संभव और जरूरी बनाता है, रक्षा से लेकर अर्थव्यवस्था तक और रक्षा से लेकर लोकतंत्र तक। यूरोप तेजी से आगे बढ़ रहा है।

भारत और ईयू 27 जनवरी को एक ऐतिहासिक एफटीए को अंतिम रूप देने के करीब हैं, जो गणतंत्र दिवस समारोह के एक दिन बाद होगा, जिसमें ईयू के शीर्ष नेता मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे।एफटीए को लेकर दोनों पक्ष एक दस्तावेज अपनाएंगे, जिसके बाद समझौते को जरूरी कानूनी प्रक्रिया और यूरोपीय संसद और परिषद द्वारा मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। दोनों पक्ष सुरक्षा और रक्षा साझेदारी समझौते और ईयू में रोजगार पाने वाले भारतीयों की मोबिलिटी बढ़ाने के लिए एक समझौते पर भी हस्ताक्षर कर सकते हैं।

यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष वॉन डेर लेयेन भारत के 77वें गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे, जिसके बाद वे संयुक्त रूप से शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे। ईयू की एक सैन्य टुकड़ी पहली बार गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेगी, जो बढ़ते द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों को दर्शाता है।

यह व्यापार सौदा भारत द्वारा अब तक का सबसे बड़ा सौदा होगा, जिसमें 27 देशों वाले यूरोपीय संघ के साथ सामान और सेवाओं को शामिल किया जाएगा।

ट्रंप बोले 'ग्रीनलैंड पर पीछे हटने का सवाल नहीं', मैक्रों और नाटो चीफ से बातचीत के स्क्रीनशॉट्स किए शेयर

वाशिंगटन । ग्रीनलैंड को किसी भी कीमत पर छोड़ने के मूड में यूएस के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नहीं हैं। उन्होंने एक के बाद एक कई सोशल मीडिया पोस्ट में यूरोपीय देशों को निशाने पर लेते हुए साफ किया है कि ताकत के जरिए ही शांति कायम रखी जा सकती है। ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर ट्रंप ने कहा कि ग्रीनलैंड राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। ट्रंप ने अमेरिका को दुनिया का सबसे ताकतवर देश बताया। उन्होंने कहा कि ताकत के जरिए ही दुनिया में शांति कायम की जा सकती है और यह क्षमता सिर्फ अमेरिका के पास है। ट्रंप ने लिखा, 'मेरी नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रुट्टे के साथ ग्रीनलैंड के बारे में बहुत अच्छी टेलीफोन पर बात हुई। मैं स्विट्जरलैंड के दावोस में अलग-अलग पार्टियों की मीटिंग के लिए सहमत हो गया। जैसा कि मैंने सभी को बहुत साफ-साफ बताया, ग्रीनलैंड नेशनल और वर्ल्ड सिक्योरिटी के लिए बहुत जरूरी है। अब पीछे हटने का कोई सवाल ही नहीं है—इस पर सब सहमत हैं! यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका दुनिया में अब तक का सबसे शक्तिशाली देश है। इसका एक बड़ा कारण मेरे पहले कार्यकाल के दौरान हमारी मिलिट्री का फिर से निर्माण करना है, और यह निर्माण और भी तेज गति से जारी है। हम एकमात्र ऐसी शक्ति हैं जो पूरी दुनिया में शांति सुनिश्चित कर सकते हैं—और यह बहुत ही आसानी से ताकत के जरिए किया जाता है!

भारत का टेसटाइल सेटर रोजगार सृजन का सबसे बड़ा ग्रोथ इंजन : पीएम मोदी

संवाददाता ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत का टेक्सटाइल सेक्टर अब केवल एक पुराना पारंपरिक उद्योग नहीं रहा, बल्कि यह रोजगार पैदा करने वाली एक मजबूत ताकत बन चुका है। यह सेक्टर लोगों को केंद्र में रखकर काम कर रहा है और आत्मनिर्भर भारत की असली भावना को दर्शाता है।

पीएम मोदी ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के एक लेख का जिक्र किया, जिसमें बताया गया है कि केंद्र सरकार की पीएलआई योजनाएं और नए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) टेक्सटाइल सेक्टर में रोजगार के नए मौके पैदा कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत में टेक्सटाइल सेक्टर की मजबूती की सबसे बड़ी वजह मजबूत घरेलू मांग और बढ़ती खपत है। 140 करोड़ से ज्यादा की आबादी के साथ भारत दुनिया के सबसे मजबूत टेक्सटाइल बाजारों में से एक है। देश का घरेलू टेक्सटाइल बाजार पिछले पांच साल में करीब 8.4 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 13 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

उन्होंने यह भी कहा कि लोगों के कपड़ों पर खर्च करने की आदत में बड़ा बदलाव आया है। पिछले 10 साल में प्रति व्यक्ति टेक्सटाइल पर खर्च 2014-15 में करीब 3,000 रुपए से बढ़कर 2024-25 में 6,000 रुपए से ज्यादा हो गया है। अनुमान है कि यह खर्च 2030 तक 12,000 रुपए तक पहुंच सकता है।टेक्सटाइल सेक्टर में निर्यात भी तेजी से बढ़ा है। कोरोना के समय 2019-20 में टेक्सटाइल और रेडीमेड कपड़ों का निर्यात 2.49 लाख करोड़ रुपए था, जो 2024-25 में बढ़कर करीब 3.5 लाख करोड़ रुपए हो गया। यानी कोरोना के बाद के समय में इसमें करीब 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह बढ़ोतरी दिखाती है कि भारत वैश्विक मांग बढ़ने पर जल्दी से उत्पादन बढ़ा सकता है और इससे टेक्सटाइल सेक्टर में सीधे और परोक्ष दोनों तरह से रोजगार पैदा हो रहे हैं।मंत्री ने पीएम मित्र पार्क योजना की अहमियत पर भी जोर दिया। इस योजना के तहत टेक्सटाइल सेक्टर में करीब 18,500 करोड़ रुपए के निवेश की उम्मीद है। इसका मकसद उत्पादन बढ़ाना, रोजगार पैदा करना और निर्यात को मजबूत करना है।

सरकार ने टेक्सटाइल उद्योग के पूरे वैल्यू चेन के लिए आधुनिक और बड़े औद्योगिक ढांचे को विकसित करने के उद्देश्य से 7 पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र) पार्क बनाने को मंजूरी दी है। इस पर 2021-22 से 2027-28 के बीच 4,445 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। सभी पीएम मित्र पार्क तमिलनाडु (विरुधुनगर), तेलंगाना (वारंगल), गुजरात (नवसारी), कर्नाटक (कलबुर्गी), मध्य प्रदेश (धार), उत्तर प्रदेश (लखनऊ) और महाराष्ट्र (अमरावती) में बनाए जाएंगे।

सरकार के मुताबिक, जब पीएम मित्र पार्क पूरी तरह तैयार हो जाएंगे, तो हर पार्क में करीब 10,000 करोड़ रुपए का निवेश आएगा और इससे करीब 3 लाख लोगों को सीधे और परोक्ष रूप से रोजगार मिलने की उम्मीद है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से सांसद बृजमोहन अग्रवाल की सौजन्य भेंट, दी हार्दिक बधाई

विशेष संवाददाता ■ रायपुर

रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी नेता बृजमोहन अग्रवाल ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में नितिन नबीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर सौजन्य भेंट की।सांसद अग्रवाल ने नितिन नबीन को पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया और लड्डू खिलाकर उनका मुंह मीठा कराया तथा इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं ।

इस दौरान संगठन से जुड़े विभिन्न समसामयिक एवं रणनीतिक विषयों पर सार्थक, सकारात्मक एवं दूरगामी चर्चा हुई। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने नितिन नबीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में रायपुर आगमन हेतु स्नेहपूर्वक आमंत्रित किया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया। उल्लेखनीय है कि नितिन नबीन छत्तीसगढ़ के प्रभारी भी हैं।

अग्रवाल ने विश्वास व्यक्त किया कि नितिन नबीन के सशक्त, दूरदर्शी एवं संगठनात्मक अनुभव से परिपूर्ण नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा राष्ट्रसेवा और जनकल्याण के संकल्प को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा।

निवेश के लिए आंध्र प्रदेश से बेहतर जगह कोई नहीं: मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू

एजेंसी ■ अमरावती

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को कहा कि निवेश के लिए आंध्र प्रदेश से बेहतर कोई जगह नहीं है। उन्होंने उद्योगपतियों से अपील की कि वे राज्य का दौरा करें, सरकार की नीतियों और निवेश के अनुकूल माहौल को स्वयं देखें और इसके बाद ही निवेश से जुड़े फैसले लें।

विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में भाग लेने दावोस पहुंचे मुख्यमंत्री, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सत्र 'इंडिया ऐट द सेंटरः द जियोग्राफी ऑफ ग्रोथ-द आंध्र प्रदेश एडवांटेज' को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि उन्होंने उद्योग जगत के नेताओं से कहा कि आंध्र प्रदेश सिर्फ एक निवेश गंतव्य नहीं, बल्कि एक रणनीतिक लाभ है। उन्होंने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में मौजूद ताकत को रेखांकित करते हुए कहा, 'देश में आने वाले कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का लगभग एक-चौथाई आंध्र प्रदेश में आया है। हमारी 'स्पीड ऑफ डूइंग बिजनेस' नीति हमें एक प्रमुख निवेश केंद्र बनाती है। मैंने वैश्विक उद्योग जगत को दीर्घकालिक विकास के लिए हमारे साथ साझेदारी का आमंत्रण दिया।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत 2047 तक एक वैश्विक शक्ति बनेगा और इस परिवर्तन में आंध्र प्रदेश अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य ने देश में आए कुल विदेशी निवेश का 25 प्रतिशत आकर्षित किया है। सत्र के दौरान हरित ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, ईंधन, डिजिटल अवसंरचना, लॉजिस्टिक्स और विनिर्माण क्षेत्रों में निवेश की व्यापक संभावनाओं पर चर्चा हुई।

चंद्रबाबू नायडू ने उद्योगपतियों को राज्य सरकार की नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में निवेश अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने ग्रीन अमोनिया परियोजनाओं, गूगल के निवेश और आंध्र प्रदेश की ब्रांड छवि पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरकार 'स्पेस सिटी', बंदरगाहों, हवाई अड्डों और हाईवे कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दे रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश में गठबंधन सरकार निवेशकों को हर स्तर पर सहयोग प्रदान कर रही है। उन्होंने बताया कि कृषि और चिकित्सा क्षेत्रों में ड्रोन तकनीक का उपयोग किया जाएगा और वर्ष 2026 में आंध्र प्रदेश से 'ड्रोन एंबुलेंस' शुरू करने की भी योजना है। उन्होंने कहा कि राज्य की 1,054 किलोमीटर लंबी तटरेखा, बंदरगाह और हवाई अड्डे उसकी बड़ी ताकत हैं। सरकार अगले 3-4 वर्षों में 50 लाख एकड़ भूमि पर प्राकृतिक खेती का लक्ष्य लेकर काम कर रही है।मुख्यमंत्री ने कहा, 'मैं दशकों से दावोस में होने वाले विश्व आर्थिक मंच में भाग लेता आ रहा हूं। हर बार यहां आकर उद्योगपतियों और विशेषज्ञों से नई बातें सीखने को मिलती हैं।

भारत-जर्मनी

बदलते वैश्विक परिदृश्य में जर्मनी ने भारत से रिश्ते किए मजबूत

एजेंसी ■ नई दिल्ली

वैश्विक भू-राजनीतिक हालात में तेजी से हो रहे बदलावों और आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरियों के बीच जर्मनी ने भारत के साथ अपने संबंधों को और मजबूत किया है। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज भारत को जर्मनी के लिए 'पसंदीदा साझेदार' के रूप में देख रहे हैं, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में व्यापक अवसर प्रदान करता है।

'वन वर्ल्ड आउटलुक' में मिरियम बाउमन द्वारा लिखे गए एक लेख के अनुसार, यूरोप की आर्थिक महाशक्ति जर्मनी के लिए भारत के साथ यह साझेदारी कई अहम फायदे लेकर आती है- बेहतर बाजार पहुंच, चीन पर निर्भरता में कमी, रक्षा निर्यात को बढ़ावा और नवाचार आधारित विकास। लेख में कहा गया है कि 2024 में जर्मन सरकार द्वारा अपनाई गई 'फोकस ऑन इंडिया' रणनीति भारत को 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर मानती है। भारत का तेजी से बढ़ता मध्यम वर्ग और डिजिटल क्षमताएं इस साझेदारी को और आकर्षक बनाती हैं। वर्ष 2025 में द्विपक्षीय व्यापार 35 अरब यूरो से अधिक रहा, जो साल-दर-साल 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वहीं, 2000 से मार्च 2025 तक भारत में जर्मनी का कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 15.11 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुका है। भारत में 2,000 से अधिक जर्मन कंपनियां सक्रिय हैं, जो लगभग चार लाख लोगों को रोजगार दे रही हैं और ऑटोमोबाइल, रसायन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा रही हैं। लेख में यह भी उल्लेख किया गया है कि प्रस्तावित यूरोपीय संघ-भारत मुक्त व्यापार समझौता इन लाभों को और बढ़ा सकता है। इससे भारत में यूरोपीय संघ के उत्पादों पर औसतन 12 प्रतिशत शुल्क में कटौती होगी और लगभग 20 अरब यूरो के अतिरिक्त व्यापार के अवसर खुल सकते हैं।

हाल ही में चांसलर मर्ज की भारत यात्रा के दौरान रक्षा, प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिजों और हरित ऊर्जा से जुड़े 19 समझौता ज्ञापनों और संयुक्त आशय घोषणाओं पर हस्ताक्षर हुए।

रक्षा सहयोग के क्षेत्र में दोनों देशों के रिश्ते अब परामर्श स्तर से आगे बढ़कर मजबूत औद्योगिक साझेदारी में तब्दील हो चुके हैं। मर्ज की यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित द्विपक्षीय रक्षा औद्योगिक सहयोग को मजबूत करने संबंधी संयुक्त घोषणा से सह-विकास, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और उन्नत प्लेटफॉर्म के सह-उत्पादन का रास्ता खुला है।

डिजिटल डिटॉस : तन-मन दोनों के लिए जरूरी स्क्रीन से ब्रेक, महसूस करेंगे फर्क

नई दिल्ली । आज के व्यस्त और डिजिटल युग में जहां हर कोई फोन, लैपटॉप और टीवी से लगातार जुड़ा रहता है, वहीं मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए डिजिटल डिटॉक्स की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है।

नेशनल हेल्थ मिशन के अनुसार, लगातार स्क्रीन टाइम आंखों की थकान, सिरदर्द, तनाव और नींद की कमी जैसी समस्याओं को बढ़ावा देता है। गैजेट्स पर बढ़ती निर्भरता से न केवल मन और शरीर दोनों बीमार पड़ते हैं बल्कि रचनात्मकता भी खत्म हो जाती है। ऐसे में खुद के लिए समय निकालकर डिजिटल ब्रेक लेना न सिर्फ जरूरी, बल्कि स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है। डिजिटल डिटॉक्स का मतलब है कुछ समय के लिए मोबाइल, कंप्यूटर, सोशल मीडिया और टीवी से पूरी तरह दूरी बनाना। इससे दिमाग को आराम मिलता है, तनाव कम होता है और नींद की गुणवत्ता में सुधार आता है। कई लोग अब इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना रहे हैं और इसके सकारात्मक नतीजे देख रहे हैं। एक्सपर्ट बताते हैं कि डिजिटल डिटॉक्स कैसे करें, इसके लिए कुछ आसान और कारगर तरीके बताए गए हैं- रोजाना कम से कम 1 घंटा बिना किसी स्क्रीन के बिताएं। इस दौरान फोन को साइलेंट मोड पर या दूर रखें। घर में एक नो-डिजिटल जोन बनाएं, जैसे बेडरूम या डाइनिंग एरिया, जहां कोई भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस न ले जाया जाए। रोज कुछ समय प्रकृति के साथ बिताएं। पार्क में टहलें, पेड़-पौधों के बीच समय गुजारें या घर की बालकनी में बैठकर हवा लें। पुस्तक पढ़ने की पुरानी आदत को फिर से शुरू करें। कागज वाली किताबें पढ़ना दिमाग को सबसे ज्यादा सुकून देता है। खाने के समय मोबाइल और लैपटॉप को पूरी तरह बंद रखें। परिवार के साथ बातचीत करें और भोजन का असली मजा लें। डिजिटल डिटॉक्स न केवल तनाव कम करता है, बल्कि रिश्तों को मजबूत बनाने, रचनात्मकता बढ़ाने और खुद से बेहतर जुड़ने का भी मौका देता है। ऐसे में ये छोटे-छोटे बदलाव तन-मन को स्वस्थ रखने में बहुत मदद करते हैं।

संक्षिप्त खबर

जम्मू-कश्मीर : रियासी में किराएदार वेरिफिकेशन नियमों की अवहेलना पर पुलिस की सख्ती, एफआईआर दर्ज

रियासी । रियासी जिले में किराएदार वेरिफिकेशन नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर छापेमारी और जांच के दौरान कई उल्लंघनक करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है। यह कार्रवाई एसडीएम के आदेशों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ की जा रही है, ताकि सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनी रहे। जिला पुलिस रियासी ने किराएदारों के वेरिफिकेशन के मुहिम को और तेज कर दिया है। डाबा मोड़ इलाके में पुलिस पोस्ट बानगंगा ने जांच के दौरान चैन सिंह (पुत्र दीप्ति, निवासी जडसरकोट, उधमपुर) के शेड में बिना अनिवार्य पुलिस वेरिफिकेशन के रह रहे किराएदारों को पाया। इस उल्लंघन पर एफआईआर नंबर 30/2026 धारा 223(ए) बीएनएस के तहत दर्ज की गई है।

इसी तरह, एसएमवीडी ट्रैक पर अनाधिकृत पोनी ऑपरेटर शब्बीर खान (पुत्र नसीब अली, निवासी जंडियाल, जम्मू) को बिना वैध रजिस्ट्रेशन कार्ड के काम करते पाया गया। उसके खिलाफ एफआईआर नंबर 28/2026 धारा 223(ए) बीएनएस दर्ज हुई। काकरयाल क्षेत्र में नजीर अहमद (पुत्र दीन मोहम्मद, निवासी कुन कन्याला पंथल, कटरा) ने किराएदार सज्जाद अहमद डार और उसकी पत्नी डेजी जान को बिना वेरिफिकेशन के रखा था। इस पर एफआईआर नंबर 29/2026 धारा 223 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

इसके अलावा, ओंकार सिंह (पुत्र कृष्ण सिंह, निवासी चंबा चंदवा, कटरा) को धारा 355 बीएनएस के तहत गिरफ्तार किया गया और माननीय न्यायालय द्वारा दंडित किया गया। यह पूरी कार्रवाई आई/सी पीपी बानगंगा पीएसआई राहुल जामवाल, आईसी पीपी काकरयाल पीएसआई अखिलेश खजूरिया और एसएचओ पी/एस कटरा इंस्पेक्टर रंजीत सिंह राव के नेतृत्व में एसडीपीओ कटरा डॉ. भीष्म दुबे, जेकेपीएस और एसपी कटरा विपान चंद्रन, जेकेपीएस की कड़ी निगरानी में की गई। एसएसपी रियासी परमवीर सिंह-जेकेपीएस ने दोहराया कि जिला पुलिस सभी मकान मालिकों, होटल संचालकों और सर्विस प्रोवाइडरों से अपील करती है कि वे किराएदारों या कर्मचारियों के वेरिफिकेशन नियमों का सख्ती से पालन करें। किसी भी उल्लंघन पर कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान विशेष रूप से सुरक्षा के मद्देनजर तेज किया गया है, क्योंकि जम्मू-कश्मीर में संवेदनशील इलाकों में बाहरी लोगों की गतिविधियों पर नजर रखना जरूरी है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ कोई ढील नहीं बरती जाएगी।

शिवसेना के नवनिर्वाचित पार्षद होटल में क्यों हैं? संजय निरुपम ने खोला राज

मुंबई। महाराष्ट्र में शिवसेना के नवनिर्वाचित पार्षद होटल में हैं, जिसे लेकर विपक्ष कई तरह के सवाल उठा रहा है। अब इन सभी सवालों पर शिवसेना प्रवक्ता संजय निरुपम ने ब्रेक लगा दिया। उन्होंने मंगलवार को कहा कि एकनाथ शिंदे होटल में सभी नवनिर्वाचित पार्षदों को ट्रेनिंग दे रहे हैं। संजय निरुपम ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में पूरी तस्वीर साफ कर दी। उन्होंने कहा कि ट्रेनिंग के तहत नवनिर्वाचित पार्षदों को बताया जा रहा है कि उन्हें किन कामों को सबसे ज्यादा प्राथमिकता देनी है। आमतौर पर लोगों को किस तरह की समस्याओं से गुजरना पड़ता है। ऐसी स्थिति में आप एक पार्षद होने के नाते किस तरह उनके हित के लिए काम कर सकते हैं। इन्हीं सब बातों के बारे में बताने के लिए एकनाथ शिंदे होटल में सभी नवनिर्वाचित पार्षदों की बैठक ले रहे हैं, लेकिन अफसोस की बात है कि इसे लेकर भी कुछ लोगों ने सवाल उठाना शुरू कर दिए। संजय निरुपम ने कहा कि जो लोग भी हमारे पार्षदों की एकजुटता पर संदेह कर रहे हैं, ऐसे लोगों से यही कहना चाहूंगा कि वे पहले अपने गिरेबान में झांकें। उनके खुद के पार्षद ही काबू में नहीं हैं और वे हमारे पार्षदों की एकजुटता पर सवाल उठा रहे थे। हमारे पार्षद हर परिस्थिति में एकजुट थे और आगे भी रहेंगे। इसमें किसी को भी कोई शक नहीं होना चाहिए। हम सभी लोग हर स्तर पर महाराष्ट्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस प्रतिबद्धता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

संजय निरुपम ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नितिन नबीन के चुने जाने पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मैं अपनी तरफ से नितिन नबीन को ढेर सारी शुभकामाएं देना चाहूंगा। उनके जैसे कर्मठ नेता को इस तरह का पद दिए जाने से संगठन में नई ऊर्जा का संचार होगा। कांग्रेस की बात करें, तो आज की तारीख में उसकी दुर्गति किसी से छुपी नहीं है। उसके अध्यक्ष दक्षिण भारत से आते हैं। जहां की लोक संख्या कम है, जबकि भाजपा के अध्यक्ष उत्तर भारत से आते हैं, जहां की लोक संख्या ज्यादा है। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष बुजुर्ग हैं, जबकि भाजपा के नौजवान हैं, जो हर परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं। कांग्रेस ने अपने अध्यक्ष पद के जरिए जातिगत समीकरण को साधने की कोशिश की, जबकि भाजपा ने इस तरह की कोई कोशिश नहीं की। उन्होंने कहा कि नितिन नबीन कायस्थ समुदाय से आते हैं। पूरे बिहार में सिर्फ 70 लाख ही कायस्थ समुदाय के लोग हैं। वहीं, अगर उत्तर प्रदेश और राजस्थान को जोड़ दें तो कुल 1 करोड़ कायस्थ समुदाय के लोग हो जाएंगे। भाजपा ने एक नौजवान को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी है, जबकि कांग्रेस ने थके हारे को इस पद के लिए चुना है। शिवसेना प्रवक्ता संजय निरुपम ने कहा कि महाराष्ट्र के भिवंडी जैसे इलाके जिहादी मुसलमानों का अड्डा बनते जा रहे हैं। ऐसे अड्डे को नष्ट किया जाना चाहिए। दंगाई प्रवृत्ति के लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। ऐसे लोग देश के लिए खतरा हो सकते हैं। अगर समय रहते इन लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की, तो हमारे देश की सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में चांद कभी नहीं आएगा, क्योंकि हमारे अशोक सम्राट का चिन्ह है। चाहे कोई नाक रगड़कर भी मर जाए, तब भी हम ऐसा नहीं होने देंगे। आज इसी अशोक चक्र की वजह से हमारे देश की ऐतिहासिकता से लोग परिचित हैं।

नौसेना ने दस महीने लंबा अंतरमहाद्वीपीय समुद्री अभियान प्रारंभ किया

नई दिल्ली । भारतीय नौसेना का सेल ट्रेनिंग शिप आईएनएस सुदर्शिनी मंगलवार को दक्षिणी नौसेना कमान, कोच्चि स्थित नौसैनिक अड्डे से रवाना हुआ। यह शिप 'लोकायन-26' नामक ऐतिहासिक अंतरमहाद्वीपीय नौकायन अभियान के लिए रवाना हुआ है। यह दस माह का एक दीर्घकालिक वैश्विक समुद्री अभियान है। यह नौसैनिक अभियान भारत की समृद्ध नौसैनिक परंपरा को विश्व पटल पर प्रदर्शित करेगा। इसके साथ ही साथ यह अभियान महासागरों के पार सहयोग, विश्वास और मित्रता के सेतु निर्माण का संदेश भी देता है। इस अभियान की भावना 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और विजन 'महासागर' से प्रेरित है। 'सुदर्शिनी' अपनी इस 10 महीने लंबी यात्रा के दौरान कुल 13 देशों के 18 विदेशी बंदरगाहों पर पहुंचेगा।

'सुदर्शिनी' फ्रांस और अमेरिका जैसे देशों में आयोजित विशेष अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में भी शामिल होगा। 13 देशों के 18 विदेशी बंदरगाहों से गुजरते हुए नौसेना का शिप 'सुदर्शिनी' 22,000 नॉटिकल मील से अधिक की यात्रा करेगा। आईएनएस सुदर्शिनी अंतरराष्ट्रीय टॉल-शिप कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेगा। टॉल-शिप कार्यक्रमों के तहत 'सुदर्शिनी' एस्केल ए सेट फ्रांस में और अमेरिका के न्यूयॉर्क में एसएआईएल 250 में हिस्सा लेगा।

भारतीय तट से रवाना होते समय अभियान का ध्वजारोहण नौसेना के वाइस एडमिरल फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिणी नौसेना कमान समीर सक्सेना ने किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि 'लोकायन 26' भारत की वैश्विक समुद्री आकांक्षाओं और भारतीय नौसेना की पेशेवर उत्कृष्टता, विशेषकर महासागरीय नौकायन प्रशिक्षण, के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है। यह यात्रा भारत की बढ़ती समुद्री उपस्थिति और अंतरराष्ट्रीय समुद्री गतिविधियों में उसकी सक्रिय भूमिका को रेखांकित करती है। वाइस एडमिरल सक्सेना ने आईएनएस सुदर्शिनी को भारत के 'वैश्विक राजदूत' के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल समुद्रों और सीमाओं को पार करने तक सीमित नहीं, बल्कि विश्वभर में 'मैत्री के पुल' स्थापित करने का माध्यम है। पारंपरिक विदाई समारोह के दौरान तीन मस्तूलों वाली बार्क आईएनएस सुदर्शिनी ने नौसेना बैंड की प्रेरक धुनों के बीच अपने पाल खोलते हुए यात्रा का शुभारंभ किया। यह दृश्य भारत की समुद्री विरासत, अनुशासन और साहस का जीवंत प्रतीक बना।

बता दें कि लोकायन 26 के माध्यम से भारतीय नौसेना न केवल भावी नौसैनिकों के लिए उन्नत नौकायन प्रशिक्षण सुनिश्चित करेगी, बल्कि विभिन्न देशों के बंदरगाहों पर मैत्रीपूर्ण संवाद, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और समुद्री सहयोग को भी सुदृढ़ करेगी। यह अभियान भारत की समुद्री कूटनीति को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नवीन पटनायक ने बालासोर में अल्पसंख्यक युवक की हत्या पर दुख जताया

भुवनेश्वर । ओडिशा विधानसभा में विपक्ष के नेता और बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने मंगलवार को राज्य के बालासोर जिले में अवैध पशु तस्करी के आरोपों को लेकर अल्पसंख्यक समुदाय के एक युवक की हाल ही में हुई हत्या पर गहरा दुख जताया।

पटनायक ने नवीन निवास में पार्टी नेताओं की एक मीटिंग के दौरान अपना दुख जाहिर किया। बीजद अध्यक्ष के निर्देशों के बाद, पार्टी नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को बालासोर गया ताकि बालासोर सदर पुलिस लिमिट के तहत अस्तिया गांव के रहने वाले शेख मकरंद मुहम्मद की कथित हत्या की जांच की जा सके।

पत्रकारों से बात करते हुए, बीजद नेता संजय दास बर्मा ने आरोप लगाया कि आजादी के बाद से ओडिशा जैसे शांतिपूर्ण राज्य में ऐसी भयानक घटना कभी नहीं हुई। दास बर्मा ने कहा, 'बीजद अध्यक्ष ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है, और उनके निर्देशों के अनुसार, एमपी सुलता देव, सीनियर नेता और पूर्व मंत्री प्रफुल्ल सामल, और भद्रक नगर पालिका की चेयरपर्सन गुलमकी हबीब के नेतृत्व में एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल बालासोर में मृतक मुहम्मद के घर गया, जहां वे उनके परिवार वालों और जिला पुलिस अधिकारियों से मिलेंगे।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि अल्पसंख्यक युवक की हत्या राज्य में खराब कानून-व्यवस्था की स्थिति और राज्य में डबल-इंजन सरकार आने के बाद अल्पसंख्यकों पर बढ़ते हमलों का एक साफ उदाहरण है।

दास बर्मा ने यह भी कहा कि क्षेत्रीय पार्टी ने बालासोर की घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि बीजद सुप्रीमो इस घटना के बारे में सभी डिटेल्स जानना चाहते हैं।

ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओपीसीसी) के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने भी राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद अल्पसंख्यकों, दलितों और आदिवासियों के खिलाफ अत्याचार बढ़े हैं। मृतक के परिवार वालों ने आरोप लगाया कि 14 जनवरी को कुछ गौरक्षकों के हमले में उसे गंभीर चोटें आईं। सूचना मिलने पर, स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और उसे पास के अस्पताल ले गई, जहां बाद में उसकी मौत हो गई।

विधानसभाओं में एआई के बेहतर इस्तेमाल के लिए सटीकता जरूरी : हरिवंश

लखनऊ । राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने मंगलवार को लखनऊ में आयोजित 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन (एआईपीओसी) के पूर्ण सत्र को संबोधित किया। उन्होंने विभिन्न राज्यों के पीठासीन अधिकारियों को संबोधित करते हुए विधानसभाओं को अधिक सक्षम बनाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भूमिका पर बल दिया और साथ ही इस तकनीक को सटीक और विश्वसनीय बनाने के लिए उठाए जाने वाले विभिन्न आवश्यक कदमों का भी उल्लेख किया।

उन्होंने संसद में एआई के उपयोग के विभिन्न व्यावहारिक उदाहरणों और तौर-तरीकों को प्रस्तुत करने के साथ-साथ राज्य विधानसभाओं और संसद के बीच अधिक तालमेल का आह्वान किया। इससे यह सुनिश्चित होगा कि विधानसभाओं के संस्थागत ज्ञान का प्रभावी ढंग से उपयोग संसद और राज्य विधानसभाओं दोनों के लिए किया जा सके।

हरिवंश ने नीतिगत सूचनाओं के सामंजस्यपूर्ण समन्वय और सुलभता के दृष्टिकोण पर बल देते हुए कहा, ''विधानमंडल उन सभी आधिकारिक नीतिगत दस्तावेजों के संरक्षक होते हैं, जिनमें कानून, बजट आदि पर विभिन्न बहसें शामिल हैं। ये दस्तावेज सदन में पेश किए जाने पर सदन का हिस्सा बन जाते हैं। यह जानकारी अक्सर विभिन्न मंत्रालयों में बिखरी रहती है। संसद और राज्य विधानसभाएं एआई का उपयोग करके ऐसे मंच का निर्माण कर सकती हैं, जिससे ये सभी के लिए आसानी से सुलभ हो सकें। इससे इन संवैधानिक संस्थाओं को ज्ञान के केंद्र के रूप में निर्मित करने को बढ़ावा मिलेगा।'' उन्होंने एक 'डेटा लेक' की आवश्यकता पर भी बल दिया जिसमें विधायी बहसों की अनूठी भाषा, शब्दावली और देश भर के दस्तावेजों का उपयोग भारतीय संदर्भ के लिए सबसे उपयुक्त तकनीक को प्रशिक्षित करने के लिए किया जा सके। हरिवंश ने एक हाइब्रिड तंत्र बनाने का आह्वान किया जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रशिक्षण और उससे प्राप्त होने वाले परिणामों पर मानव की निगरानी रहे।

उन्होंने इस पर बल देते हुए कहा, ''संसदीय उपयोग के लिए एआई की उपयुक्तता केवल उसकी एल्गोरिथम क्षमता के कारण नहीं है। यह वह ज्ञान है जिस पर इस तकनीक को प्रशिक्षित किया जाता है। इसलिए संसदीय एआई को संसद के भीतर ही प्रशिक्षित किया जाना चाहिए और उसे सावधानीपूर्वक संकलित संसदीय आंकड़ों से पोषित किया जाना चाहिए। कौशल अर्जित किए जा सकते हैं, स्थानांतरित किए जा सकते हैं या बाहरी स्रोतों से प्राप्त किए जा सकते हैं। लेकिन, ज्ञान संदर्भ से जुड़ा होता है और संस्था में गहराई से समाहित होता है। संसदीय ज्ञान अद्वितीय है। यह दशकों से बहसों, निर्णयों, परंपराओं और संवैधानिक कामकाज के तौर-तरीकों के माध्यम से निर्मित होता है।'' उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि संसद में विभिन्न भाषाओं में सेवाएं प्रदान करने के लिए एआई-आधारित ट्रांसक्रिप्शन और एक ही समय में एक साथ अनुवाद का परीक्षण किया जा रहा है। अभी सांसद सदन की कार्यवाही और अन्य प्रशासनिक दस्तावेजों को अपनी पसंद की भाषा में देख सकते हैं। यह सुविधा एआई की मदद से उपलब्ध कराई गई है।

जो जातिवाद के साथ खेलना चाहेगा, वह जल जाएगा: अमरिंदर सिंह राजा वडिंग

चंडीगढ़ । पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद चरणजीत चन्नी के बयान पर पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने कहा है कि जो भी जाति के नाम पर राजनीति करेगा, वह जल जाएगा।

अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने कहा कि अच्छा होगा अगर इस तरह की बातें सबके सामने न आएं। हमें पार्टी के भीतर इस पर चर्चा करनी चाहिए। पंजाब में कोई भी व्यक्ति अगर जातिवाद की बात करेगा, समझो कि वह सुसाइड कर रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी से भी जाने-अनजाने में ऐसा कुछ हुआ है, तो माफी मांग लेनी चाहिए। हम लोग पहले 17 तारीख को हाईकमान से मिलने वाले थे, लेकिन इसे आगे बढ़ा दिया गया है। मीटिंग कब होगी, इसको लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। नितिन नबीन के भाजपा अध्यक्ष बनने पर अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने बधाई देते हुए कहा कि ये जिंदगी एक है, कब कौन चला जाए, इसका पता नहीं है। देश में 140 करोड़ लोग रहते हैं और आप सबसे बड़ी पार्टी के अध्यक्ष हैं। इस देश को जोड़कर रखना। इस देश को तोड़ने की कोशिश कोई करे, तो उसके खिलाफ खड़े होना। धर्म और जाति के नाम पर कोई देश को बांटना चाहे, तो उसे बचाने की कोशिश करना।

प्रदेश सरकार और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हर जिम्मेदार अलग-अलग बयान दे रहा है। कम से कम धार्मिक और ऐसे मुद्दों पर गलत जानकारी लोगों तक न पहुंचाएं। पंजाब कांग्रेस की अनुसूचित जाति (एससी) शाखा की बैठक के दौरान चरणजीत चन्नी ने कथित तौर पर पार्टी में दलितों के लिए पर्याप्त प्रतिनिधित्व की कमी पर असंतोष व्यक्त किया था।

गणतंत्र दिवस फुल ड्रेस परेड रिहर्सल को लेकर नोएडा में ट्रैफिक डायवर्जन लागू, भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक

नोएडा । गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर दिल्ली में आयोजित होने वाली फुल ड्रेस रिहर्सल और मुख्य परेड कार्यक्रमों को लेकर यातायात पुलिस गौतमबुद्धनगर द्वारा ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू कर दिया गया है। यह डायवर्जन सुरक्षा और यातायात सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया है।

यातायात पुलिस के अनुसार, दिल्ली में गणतंत्र दिवस फुल ड्रेस रिहर्सल तथा परेड कार्यक्रमों के दौरान जनपद गौतमबुद्धनगर से दिल्ली में प्रवेश करने वाले और दिल्ली से होकर अन्य राज्यों में जाने वाले मालवाहक वाहनों की आवाजाही पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया गया है। फुल ड्रेस रिहर्सल के चलते दिनांक 22 जनवरी की रात 10 बजे से 23 जनवरी को कार्यक्रम समाप्ति तक तथा मुख्य गणतंत्र दिवस परेड को देखते हुए 25 जनवरी की रात 10 बजे से 26 जनवरी को कार्यक्रम समाप्ति तक यह ट्रैफिक व्यवस्था प्रभावी रहेगी। इस दौरान भारी, मध्यम और हल्के मालवाहक वाहनों को सुरक्षा कारणों से दिल्ली राज्य में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, आपातकालीन सेवाओं से जुड़े वाहन, जैसे एंबुलेंस, फायर सर्विस और अन्य आवश्यक सेवाओं के वाहन, इस प्रतिबंध से पूरी तरह मुक्त रहेंगे। वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की गई है, जिनमें चिल्ला बॉर्डर से दिल्ली में प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन चिल्ला बॉर्डर से यू-टर्न लेकर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे होते हुए ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के माध्यम से अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे। डीएनडी बॉर्डर से दिल्ली में प्रवेश करने वाले मालवाहक वाहन डीएनडी टोल प्लाजा से यू-टर्न लेकर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे होते हुए ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे का प्रयोग करेंगे। कालिंदी कुंज यमुना बॉर्डर से आने वाले वाहनों को यमुना नदी से पहले अंडरपास तिराहे से डायवर्ट किया जाएगा, जहां से वे नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे और आगे ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से गुजर सकेंगे। यमुना एक्सप्रेसवे से दिल्ली की ओर जाने वाले वाहनों को फलेदा कट, खुर्जा से सर्विस रोड, गलगोटिया, गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी, पुस्ता तिराहा, हजौड़ा सील चौक, कसना होते हुए ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे की ओर मोड़ा जाएगा। यमुना एक्सप्रेसवे से आने वाले अन्य वाहन जीरो प्वाइंट से परी चौक की दिशा में डायवर्ट होकर ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से अपने गंतव्य तक जा सकेंगे। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे असुविधा से बचने के लिए निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और अनावश्यक रूप से प्रतिबंधित मार्गों पर न जाएं।

पश्चिम बंगाल सरकार ने प्रशांत बर्मन को राजगंज ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर के पद से हटाया

कोलकाता । सुप्रीम कोर्ट ने राजगंज ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर (बीडीओ) प्रशांत बर्मन को कोलकाता के सॉल्ट लेक के दत्ताबाद में सोने के व्यापारी स्वपन कामिल्या के अपहरण और हत्या के मामले में सरेंडर करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के 24 घंटे के अंदर प्रशांत बर्मन को पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में राजगंज के बीडीओ पद से हटा दिया गया। इसी समय, पश्चिम बंगाल सरकार ने मंगलवार को सौरव कांति मंडल को नया राजगंज बीडीओ नियुक्त किया। वह राजगंज के जॉइंट बीडीओ के रूप में काम कर चुके हैं।

मंगलवार को स्थानीय तृणमूल कांग्रेस विधायक खगेश्वर रॉय ने नव नियुक्त बीडीओ का सम्मान किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि अब राजगंज ब्लॉक में काम में तेजी आएगी। तृणमूल विधायक ने कहा, 'रुका हुआ प्रशासनिक काम अब तेजी पकड़ेगा। आम लोगों को फायदा होगा। पिछले साल 29 अक्टूबर को, सोने के व्यापारी स्वपन कामिल्या का शव कोलकाता के पास न्यू टाउन के जात्रागाछी से बरामद किया गया था। परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। राजगंज बीडीओ प्रशांत बर्मन का नाम भी इस मामले से जुड़ा था। बिधाननगर पुलिस ने कहा कि प्रशांत बर्मन इस घटना में मुख्य आरोपी हैं। सोने के व्यापारी की हत्या के मामले में नाम आने के बाद पूर्व राजगंज बीडीओ छिप गए थे। विपक्षी भाजपा ने दावा किया कि प्रशांत बर्मन का नाम हत्या के मामले से जुड़े होने के बावजूद पश्चिम बंगाल सरकार ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की, हालांकि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद राजगंज बीडीओ को जल्दबाजी में बदल दिया गया। गिरफ्तारी से बचने के लिए प्रशांत बर्मन बार-बार अदालतों में गए।

सबसे पहले, उन्होंने उत्तर 24 परगना जिले की बारासात अदालत में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया, जो उन्हें मिल गई। इसके बाद बिधाननगर पुलिस ने कलकत्ता हाईकोर्ट में बारासात अदालत के आदेश को चुनौती दी।

सिर्फ लोगों को गुमराह करने के लिए बनाया जा रहा घुसपैठियों का मुद्दा: जिया उर रहमान बर्क

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में साल 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क ने कहा कि जनता की मदद से पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का काम करेंगे। सांसद जिया उर रहमान बर्क का यह बयान उस वक्त आया है जब विधानसभा चुनावों को लेकर सपा प्रमुख ने सभी सांसदों की मीटिंग बुलाई। इस मीटिंग में सांसद जिया उर रहमान बर्क भी पहुंचे। मीटिंग से निकलने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान सपा सांसद ने कहा कि यह मीटिंग सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुलाई थी, जिन्होंने पार्टी को मजबूत करने और आने वाले चुनावों में जीत पक्की करने के बारे में बात की। हमारी पार्टी एकजुट है और हम सब जनता की मदद से अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए काम करेंगे।

पीएम मोदी के घुसपैठ वाले बयान पर सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क ने कहा कि कोई घुसपैठिया नहीं है। सिर्फ लोगों को गुमराह करने के लिए इसे मुद्दा बनाया जा रहा है। मैं पीएम मोदी से सवाल पूछना चाहता हूं-अगर आपकी सरकार 11 साल से सत्ता में है, तो आप इतने समय से क्या कर रहे थे? घुसपैठिए अगर सीमाएं लांघकर इस देश में आ रहे हैं, तो केंद्र सरकार क्यों नहीं रोक पाई? उन्होंने कहा कि छानबीन करेंगे तो घुसपैठिए नजर नहीं आएंगे। सिर्फ राजनीतिक लाभ लेने के लिए घुसपैठिए का मुद्दा बनाया जा रहा है।

2027 के विधानसभा चुनाव में सपा की रणनीति पर सांसद जिया उर रहमान बर्क ने कहा कि जब रणनीति शेयर करने का समय आएगा तो जरूर बता दिया जाएगा। मीटिंग में बनाई गई नीतियों को पूरे राज्य में लागू किया जाएगा और हम अपने हर लोकसभा क्षेत्र को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि सपा के सांसद अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों में पार्टी के संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में जो भी दिशा-निर्देश मिलेंगे, उनका पूरी तत्परता के साथ पालन किया जाएगा।

नोएडा हादसा: जांच में जुटी एसआईटी, इंजीनियर के पिता ने बताया आंखों देखा हाल, पांच दिन में रिपोर्ट सौंपने के निर्देश

नोएडा । नोएडा के सेक्टर-150 में हुए दर्दनाक हादसे में सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत के मामले में अब जांच तेज हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) मंगलवार को नोएडा पहुंची और पूरे मामले की गहन जांच-पड़ताल शुरू की। इस हादसे में लापरवाही के आरोप गंभीर हैं और एसआईटी को पांच दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपनी है।

सीएम योगी ने घटना पर कड़ा रुख अपनाते हुए नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम को हटा दिया है, जबकि एक जूनियर इंजीनियर की सेवाएं भी समाप्त कर दी गई हैं। मंगलवार दोपहर करीब सवा 12 बजे एसआईटी की टीम नोएडा प्राधिकरण के दफ्तर पहुंची। एडीजी मेरठ जोन भानू भास्कर की अगुवाई में प्राधिकरण के बोर्ड रूम में लगभग तीन घंटे तक बैठक चली। बैठक में पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह, जिलाधिकारी मेधा रूपम और नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ कृष्णा करुणेश से सवाल-जवाब किए गए।

विभिन्न विभागों से जुड़े अधिकारी फाइलों के साथ बोर्ड रूम के बाहर मौजूद रहे और जरूरत के अनुसार उन्हें अंदर बुलाकर जानकारी ली गई। बैठक के दौरान मृतक युवराज मेहता के पिता राजकुमार मेहता को भी बुलाया गया। करीब आधे घंटे तक एसआईटी अधिकारियों ने उनसे बातचीत की।

राजकुमार मेहता ने बताया कि हादसे की रात उन्होंने अपनी आंखों के सामने अपने बेटे को कार के साथ पानी में डूबते देखा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मौके पर करीब 80 कर्मचारी मौजूद थे, लेकिन कोई भी पानी में उतरकर युवराज को बचाने की कोशिश नहीं कर रहा था। उस रात का पूरा घटनाक्रम उन्होंने एसआईटी के सामने विस्तार से रखा, जिसे जांच का अहम हिस्सा माना जा रहा है। बयान दर्ज करने के बाद पुलिस सुरक्षा में उन्हें घर भेज दिया गया।

बैठक के बाद एसआईटी टीम संबंधित अधिकारियों के साथ सेक्टर-150 स्थित घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने उस स्थान का निरीक्षण किया, जहां से कार सीधे पानी में गिरी थी। सड़क के उस टर्न का भी अवलोकन किया गया, जहां किसी प्रकार के रोड सेफ्टी फीचर मौजूद नहीं थे। प्लॉट, आसपास की सड़क व्यवस्था और बिल्डर से जुड़ी जानकारियां भी जुटाई गईं।

एसआईआर प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप, 31 जनवरी तक समय-सीमा बढ़ाने की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण को लेकर भाजपा ने गंभीर आपत्तियां दर्ज कराई हैं। सोमवार को भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विजयशंकर मिश्रा ने राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए दावा-आपत्ति प्रक्रिया में अवरोध, लापरवाही और अनियमितताओं की शिकायत की। साथ ही उन्होंने मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए फॉर्म-6, फॉर्म-7 एवं दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने की समय-सीमा 31 जनवरी 2026 तक बढ़ाने की मांग की है।

डॉ. मिश्रा ने अपने ज्ञापन में कहा कि ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद भाजपा द्वारा नियुक्त बीएलए और मतदाताओं द्वारा फॉर्म-7 के माध्यम से दावा-आपत्ति दर्ज कराने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन कई स्थानों पर निर्वाचन अधिकारियों और बीएलओ द्वारा फॉर्म-7 लेने से इनकार किया जा रहा है या बिना ठोस कारणों के उन्हें निरस्त किया जा रहा है। उन्होंने इसे मनगढ़ंत और निराधार बताते हुए गंभीर आपत्ति जताई।भाजपा प्रवक्ता ने यह भी आरोप लगाया कि कई दावा-आपत्ति केंद्रों में नियुक्त बीएलओ मौजूद ही नहीं रहते। इसके अलावा, बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर सत्यापन की प्रक्रिया भी नहीं अपनाई जा रही है। कई केंद्रों में फॉर्म-7 उपलब्ध नहीं होने के कारण मतदाताओं को दावा-आपत्ति का अवसर नहीं मिल पा रहा है, जिससे पात्र मतदाताओं के नाम नहीं जुड़ पा रहे और अपात्र मतदाताओं के नाम सूची से नहीं कट पा रहे हैं।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि जब इन मुद्दों को लेकर ERO या जिला निर्वाचन अधिकारियों (कलेक्टरों) से शिकायत की जाती है, तो उस पर भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि फॉर्म-7 को स्वीकार न करना या निराधार रूप से खारिज करना स्ढ्क्र प्रक्रिया और संविधान में निहित मतदाताओं के अधिकारों का उल्लंघन है।

भाजपा के ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि स्ढ्क्र प्रक्रिया के दौरान लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 32 के तहत दायित्वों की अनदेखी की जा रही है। पार्टी का कहना है कि कुछ श्व्रत्र्ह और क्व्रत्र्ह परोक्ष उद्देश्यों से राजनीतिक दलों और मतदाताओं को उनके वैधानिक व संवैधानिक अधिकारों से वंचित कर रहे हैं, जिससे मतदाता सूची के निर्माण, पुनरीक्षण और शुद्धिकरण का उद्देश्य ही विफल हो रहा है। इन परिस्थितियों को देखते हुए भाजपा ने निर्वाचन आयोग से आग्रह किया है कि दावा-आपत्ति और नाम विलोपन के लिए फॉर्म प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 तक बढ़ाई जाए, ताकि सभी पात्र मतदाताओं को न्यायोचित अवसर मिल सके और SIR प्रक्रिया पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से पूरी हो सके।

परीक्षा पे चर्चा 2026 : दिल्ली में महासमुंद की छात्रा सृष्टि साहू करेंगी छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व

महासमुंद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा के नौवें संस्करण में इस वर्ष महासमुंद की होनहार छात्रा सृष्टि साहू छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाएंगी।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय नयापारा की कक्षा 12वीं (गणित संकाय) की छात्रा सृष्टि का चयन राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम के लिए किया गया है।

विद्यालय की शाला नायिका के रूप में अपनी पहचान बनाने वाली सृष्टि साहू एक दिन के लिए प्रतीकात्मक प्राचार्य का दायित्व भी सफलतापूर्वक निभा चुकी हैं।

विद्यालय की प्राचार्य अमी रुफस के मार्गदर्शन में संस्था के शत-प्रतिशत विद्यार्थियों ने माई गवर्नमेंट पोर्टल पर पंजीयन किया गया था, जिसमें सृष्टि ने अपनी प्रतिभा के दम पर दिल्ली के लिए उनका चयन हुआ।

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने सृष्टि की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। कलेक्टर ने छात्रा का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी दिल्ली यात्रा के लिए हवाई टिकट (फ्लाइट) और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं जिला प्रशासन की ओर से सुनिश्चित कराई गई हैं। कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि शिक्षा मंत्रालय का यह इंटरएक्टिव प्लेटफॉर्म विद्यार्थियों के लिए तनाव मुक्त परीक्षा की तैयारी का एक सुनहरा अवसर है। इसमें देश-विदेश के विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक सीधे प्रधानमंत्री से जुड़कर परीक्षा के अनुभवों और सकारात्मक दृष्टिकोण पर चर्चा करते हैं।

जिला मिशन समन्वयक रेखराज शर्मा ने बताया कि चयनित प्रतिभागियों के लिए यह अनुभव अत्यंत गौरवशाली होगा। इसके तहत प्रधानमंत्री के साथ सेल्फी का अवसर, विशेष परीक्षा पे चर्चा किट, सहभागिता प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री आवास का भ्रमण (संभावित) निश्चित तौर पर प्रधानमंत्री के साथ सीधे संवाद के माध्यम से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

सृष्टि की इस सफलता पर जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे, सहायक संचालक एन.के. सिन्हा, एडीपीओ प्रमोद कुमार कन्नौजे, विकासखंड शिक्षा अधिकारी व बीआरसी जागेश्वर सिन्हा, एपीसी संपा बोस ने हर्ष व्यक्त किया है।

साथ ही संस्था के वरिष्ठ व्याख्याता गोसाई राम टांडेकर, प्रियंका पीटर, ओमप्रकाश देवांगन, हरीश पाण्डेय, अंशुमाला बारिक (कक्षा शिक्षिका) और समस्त स्टाफ ने सृष्टि के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

नितिन नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर भाजपा में हर्ष

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर नितिन नबीन के सर्वसम्मति से निर्वाचित होने पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों में भारी उत्साह देखा गया और राजधानी में जश्न का माहौल रहा। भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर एवं जिला कार्यालय एकात्म परिसर में कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर एवं ढोल नगाड़े बजाकर नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर जश्न मनाया।

भाजपा नव नियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नबीन का छत्तीसगढ़ से विशेष लगाव रहा है। उनके कुशल नेतृत्व में कांग्रेस की अराजक सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने में भाजपा सफल रही। नबीन के संगठनात्मक अनुभव का लाभ भाजपा को मिलेगा और जिन राज्यों में भाजपा कमजोर है, उन राज्यों में नबीन के नेतृत्व में कमल खिलाने भाजपा कार्यकर्ता तत्पर हैं। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री यशवंत जैन, डॉ. नवीन मार्कण्डेय, कैबिनेट मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, राजेश अग्रवाल, लक्ष्मी रजवाड़े, विधायक सुनील सोनी, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष राम गर्ग, भाजपा प्रदेश मंत्री जयंती पटेल, संध्या परगनिहा, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने, उज्जवल दीपक, रायपुर शहर प्रभारी राजेन्द्र शर्मा, रायपुर ग्रामीण जिला प्रभारी सुरेन्द्र पाटनी, जिलाध्यक्ष रायपुर शहर रमेश सिंह ठाकुर, रायपुर ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्याम नारंग, भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा, डॉ. सलीम राज, अंजय शुक्ला, संजूनारायण सिंह ठाकुर, अमित मैशरी, तुषार चोपड़ा, कृतिका जैन, विशाल पांडेय, अंकित द्विवेदी, वासु शर्मा, अश्वनी विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

इस दौरान एकात्म परिसर में प्रदेश महामंत्री डॉ नवीन मार्कंडेय, विधायक पुरंदर मिश्रा, जिलाध्यक्ष रायपुर शहर रमेश सिंह ठाकुर, भाजपा प्रदेश मंत्री अमित साहू, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज, अपेक्स बैंक अध्यक्ष केदार गुप्ता, वरिष्ठ भाजपा नेता छगन मूंदड़ा, जिला महामंत्री अमित मैशेरी, गुंजन प्रजापति, प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी, अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, जिला उपाध्यक्ष अकबर अली, ललित जयसिंघ, सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए।

दुर्ग संभाग में प्रधानपाठक के 780 पदों पर पदोन्नति आदेश जारी

रायपुर। दुर्ग संभाग में लंबे समय से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे शिक्षकों को आखिरकार राहत मिली है। संयुक्त संचालक, दुर्ग संभाग द्वारा मिडिल स्कूल प्रधानपाठक के 780 पदों पर पदोन्नति आदेश जारी कर दिया गया है। इन पदोन्नतियों में नियमित शिक्षक, एलबी संवर्ग के शिक्षक सहित शिक्षा विभाग और आदिम जाति विकास विभाग के शिक्षक शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि पदोन्नति को लेकर शिक्षकों में काफी समय से असंतोष व्याप्त था। 5 जनवरी को छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष रविन्द्र राठौर के नेतृत्व में संयुक्त संचालक कार्यालय दुर्ग का एकदिवसीय घेराव किया गया था। संगठन का आरोप था कि लंबे समय से ज्ञापन देने और अधिकारियों को विभिन्न माध्यमों से अवगत कराने के बावजूद पदोन्नति प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ाया जा रहा था, जिससे शिक्षकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा था। फेडरेशन ने संभाग स्तरीय पदाधिकारियों के साथ मिलकर संयुक्त संचालक कार्यालय के घेराव की रणनीति बनाई थी। इसके बाद 19 जनवरी को विभागीय अधिकारियों द्वारा मिडिल स्कूल प्रधानपाठक पदों की पदोन्नति सूची जारी कर दी गई। हालांकि, काउंसलिंग की तिथि बाद में घोषित की जाएगी।

छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन ने मांग रखी है कि जिन स्कूलों में संस्था प्रमुख का पद रिक्त है और उसी स्कूल के शिक्षक का नाम पदोन्नति सूची में है, उन्हें उसी विद्यालय में पदस्थ किया जाए। इसके साथ ही रिक्त पदों की सूची शीघ्र जारी करने की भी मांग की गई है, ताकि काउंसलिंग प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष रह सके।

पदोन्नति आदेश जारी होने पर संघ ने सभी पदोन्नत शिक्षकों को बधाई दी है। साथ ही संगठन ने यह भी मांग की है कि मिडिल स्कूल प्रधानपाठक पदोन्नति के बाद अतिशीघ्र शिक्षक से उच्च पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया भी शुरू की जाए। इस अवसर पर प्रांताध्यक्ष रविन्द्र राठौर ने हर्ष व्यक्त करते हुए दुर्ग संभाग के पदाधिकारियों–प्रदेश उपाध्यक्ष देवेन्द्र हरमुख, बसंत कौशिक, चंद्रप्रकाश तिवारी, अशोक कुमार ध्रुवे, कृष्ण कुमार वर्मा, रमेश कुमार साहू, एलेन्द्र यादव, राजकुमार यादव, पोखन साहू, खिलानंद साहू, प्रेम नारायण शर्मा, चेतन सिंह परिहार, सतीश चंद्राकर, उत्तम ठाकुर, देव यादव, कीरथ गनवीर, सूरज शर्मा, ललित प्रताप सिंह, हीरालाल मौर्य, सुनील कुमार साहू, अजय कुमार यादव सहित दुर्ग संभाग के समस्त ब्लॉक अध्यक्षों और पदाधिकारियों को इस सफलता का श्रेय दिया।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजनाः 57 मार्गों पर बस संचालन, पहली बार यात्री बस सुविधा से जुड़े 330 गाँव

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण अंचलों में आवागमन की सुविधा सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना 2025 का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है।

यह योजना उन ग्रामों तक सार्वजनिक परिवहन पहुँचाने की दिशा में एक निर्णायक पहल है, जहाँ अब तक यात्री बस सुविधा उपलब्ध नहीं थी। योजना के प्रथम चरण में बस्तर एवं सरगुजा संभाग के जिलों को सम्मिलित किया गया है।

अब तक मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत कुल 57 चयनित मार्गों पर 57 बसों का संचालन प्रारंभ किया जा चुका है। इन बसों के माध्यम से कुल 330 नए गाँवों तक पहली बार यात्री बस सुविधा पहुँची है, जिससे ग्रामीण जनजीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। योजना का प्रमुख उद्देश्य ऐसे ग्रामीण क्षेत्रों को जनपद मुख्यालय, नगरीय क्षेत्र, तहसील मुख्यालय तथा जिला मुख्यालयों से जोड़ना है, जहाँ पूर्व में सार्वजनिक परिवहन की सुविधा नहीं थी। इससे ग्रामीण नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और प्रशासनिक सेवाओं तक सुगम पहुँच सुनिश्चित हो रही है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के अंतर्गत बस संचालकों को राज्य शासन द्वारा प्रति किलोमीटर वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। प्रथम वर्ष ?26 प्रति किलोमीटर, द्वितीय वर्ष ?24 प्रति किलोमीटर तथा तृतीय वर्ष ?22 प्रति किलोमीटर की दर से सहायता दी जा रही है।

इसके अतिरिक्त योजना के तहत मासिक कर में पूर्णतः छूट अधिकतम तीन वर्षों की अवधि के लिए प्रदान की जा रही है, जिससे ग्रामीण मार्गों पर बस संचालन को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाया जा सके।

मार्ग चयन की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रखी गई है। इस योजना के अंतर्गत मार्गों का चयन जिला स्तरीय समिति की अनुशंसा के आधार पर राज्य स्तरीय समिति द्वारा किया जाता है, ताकि वास्तविक आवश्यकता वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता मिल सके।

चयनित मार्गों पर बस संचालन हेतु निविदा प्रक्रिया अपनाई जाती है। निविदा के माध्यम से न्यूनतम वित्तीय दर प्रस्तावित करने वाले पात्र आवेदक का चयन किया जाता है, जिससे शासन पर न्यूनतम वित्तीय भार पड़े और सेवा सतत बनी रहे।

निविदा में चयनित आवेदक से विधिवत परमिट आवेदन प्राप्त कर सुनवाई की प्रक्रिया के उपरांत बस संचालन हेतु परमिट जारी किया जाता है। इससे नियामकीय प्रक्रिया का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाता है।

वर्तमान में 12 नवीन ग्रामीण मार्गों पर बस संचालन की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। इसके अतिरिक्त 15 नए ग्रामीण मार्गों का चयन कर लिया गया है, जिन पर बस संचालन हेतु निविदाएँ आमंत्रित की गई हैं।

जिलावार स्थिति की बात करें तो सुकमा में 8, नारायणपुर में 4, जगदलपुर में 2, कोण्डागांव में 4, कांकेर में 6, दंतेवाड़ा में 7, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 2, सूरजपुर में 6, कोरिया में 5, जशपुर में 7, बलरामपुर में 4 तथा अंबिकापुर में 2 बसों का संचालन किया जा रहा है। इस प्रकार कुल 57 मार्गों पर 57 बसें संचालित हैं। आगामी कार्ययोजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत 200 बसों के संचालन का लक्ष्य रखा गया है। राज्य सरकार का यह प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाकर समावेशी विकास, सामाजिक सशक्तिकरण और आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्रदान करेगा।

धान घोटाले पर सरकार का चूहे-बिल्ली खेल बंद होः एनएसयूआई

रायपुर। छत्तीसगढ़ में उजागर हुए बहुचर्चित धान घोटाले को लेकर सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। वास्तविक दोषियों पर कार्रवाई करने के बजाय घोटाले का ठीकरा चूहों पर फोड़ने के प्रयास के विरोध में सोमवार को रायपुर ज़िला एनएसयूआई द्वारा ज़िला कलेक्टोरेट में एक अनोखा एवं प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन रायपुर ज़िला एनएसयूआई के ज़िला उपाध्यक्ष तारिक अनवर ख़ान के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने चूहे को प्रतीक बनाकर 'चूहे पर बेबुनियाद आरोप लगाने' का विरोध दर्ज कराया और कहा कि यह जनता की आँखों में धूल झोंकने का प्रयास है। एनएसयूआई ने माँग की कि सरकार धान घोटाले जैसे गंभीर आर्थिक अपराध पर चूहे-बिल्ली का खेल खेलने के बजाय निष्पक्ष, पारदर्शी और उच्चस्तरीय जाँच कराए तथा इस घोटाले में संलिप्त संबंधित अधिकारियों और खाद्य मंत्री से तत्काल इस्तीफ़ा लिया जाए।

तारिक अनवर ने आगे कहा कि धान घोटाला प्रदेश के किसानों और आम जनता के साथ खुला विश्वासघात है। सरकार यदि ईमानदार है तो दोषियों को बचाने के लिए नए-नए बहाने गढ़ने के बजाय सच्चाई सामने लाए। चूहों को आरोपी ठहराना सरकार की नाकामी और जिम्मेदारी से बचने का प्रमाण है। प्रदर्शन के माध्यम से एनएसयूआई ने स्पष्ट किया कि जब तक धान घोटाले की सच्चाई सामने नहीं आती और दोषियों पर सख़्त कार्रवाई नहीं होती, तब तक संगठन चुप नहीं बैठेगा। ज़रूरत पड़ी तो आंदोलन को प्रदेशव्यापी रूप दिया जाएगा।

प्रदर्शन में मुख्य रूप से प्रदेश सचिव अतिक मेमन, ज़िला महासचिव संस्कार पांडेय, आशीष बाजपाई, मो ज़िशन, नितिन सागर, अनिकेत महतो एवं अन्य एनएसयूआई कार्यकर्ता उपस्तिथ थे

यूपीआई से चुराए लाखों रूपए, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन लाखों रुपये की चोरी करने वाले शातिर आरोपी को आजाद चौक पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान हीरापुर, कबीर नगर निवासी आयुष डागा (26 वर्ष) के रूप में हुई है, जो पूर्व में भी चोरी के लगभग एक दर्जन मामलों में रायपुर सहित अन्य राज्यों से जेल जा चुका है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आजाद चौक निवासी एक महिला ने थाना आजाद चौक में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 13 जनवरी की सुबह वह ट्रेन से रायपुर रेलवे स्टेशन पहुंची और घर जाने के लिए ऑटो में सवार हुई। घर पहुंचने पर जब उसने अपने बैग की साइड जेब चेक की तो उसका मोबाइल फोन गायब था। महिला ने तत्काल अपना सिम बंद कराकर दोबारा चालू कराया, तभी उसके मोबाइल पर बैंक खाते से 5,000 रुपये निकासी का संदेश आया। बैंक स्टेटमेंट जांचने पर सामने आया कि अज्ञात आरोपी ने 13 से 16 जनवरी 2026 के बीच क्छ्ढ के माध्यम से अलग-अलग किश्तों में कुल 2,26,562 रुपये निकाल लिए थे। इस मामले में थाना आजाद चौक में अपराध क्रमांक 16/26, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन और थाना प्रभारी आजाद चौक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जांच शुरू की। पीड़िता से विस्तृत पूछताछ के साथ-साथ उसके आने-जाने के मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए। इसके अलावा ऑटो चालक और यू.पी.आई. ट्रांजेक्शन की तकनीकी जांच की गई, जिसके आधार पर आरोपी की पहचान आयुष डागा के रूप में की गई।

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर मोबाइल चोरी कर यू.पी.आई. के जरिए रकम निकालने की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से पुलिस ने चोरी की रकम में से 70,000 रुपये नकद, घटना में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन और एक दोपहिया वाहन जब्त किया है। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार आयुष डागा पूर्व में रायपुर के कबीर नगर, पुरानी बस्ती और कोतवाली थाना क्षेत्रों के अलावा मध्यप्रदेश के ग्वालियर, महाराष्ट्र के गोंदिया और ओडिशा में भी चोरी के कई मामलों में जेल जा चुका है।

इस प्रकरण में शामिल आरोपी का एक साथी अभी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है और जल्द गिरफ्तारी का दावा किया जा रहा है।

ऑटो एक्सपो-2026 शुरू, वाहन खरीदी पर आरटीओ टैक्स में 50 प्रतिशत की छूट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में परिवहन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन द्वारा मंगलवार से रायपुर स्थित श्री राम बिजनेस पार्कमें ऑटो एक्सपो-2026 शुरू हो गया है।

उक्त ऑटो एक्सपो में विक्रय होने वाले वाहनों पर परिवहन विभाग द्वारा एकमुश्त 50 प्रतिशत जीवनकाल कर (आरटीओ टैक्स) में छूट प्रदान की जा रही है, जिससे प्रदेश के आम नागरिकों को बड़ा आर्थिक लाभ मिलेगा।

ये ऑटो एक्सपो-2026 का आयोजन 20 जनवरी 2026 से 05 फरवरी 2026 तकआयोजित होगा। इस अवधि में वाहन क्रय करने वाले ग्राहकों को आरटीओ टैक्स में 50 प्रतिशत की छूट का प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। यह प्रदेश का पहला ऑटो एक्सपो है, जिसमें पूरे छत्तीसगढ़ के आम नागरिकों को लाभ मिलेगा। वाहन खरीदने के लिए आमजन को रायपुर आने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि वे अपने शहर अथवा गांव के निकटतम प्रतिभागी/पंजीकृत डीलरों के माध्यम से इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

ऑटो एक्सपो-2026 के अंतर्गत सभी नागरिकों को अपने गृह जिले में ही वाहन पंजीयन कराने की सुविधा उपलब्ध होगी। अर्थात, क्रय किए गए वाहन पर अपने गृह जिले के परिवहन कार्यालय का पंजीयन चिन्ह

(आरटीओ कोड) प्राप्त किया जा सकेगा।

दूरस्थ क्षेत्रों के डीलर्स भी इस ऑटो एक्सपो में भाग ले रहे हैं, जिससे छोटे व्यावसायिक विक्रेताओं को रोजगार के उपयुक्त अवसर प्राप्त होंगे और स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।

रायपुर ऑटो एक्सपो में छत्तीसगढ़ की जनता को एक ही स्थान पर सभी प्रकार के वाहन मॉडल एवं नवीनतम तकनीक से युक्त नए मॉडलों को देखने, परखने और चुनने का अवसर मिलेगा। इससे आमजन नवीनतम ऑटोमोबाइल तकनीकों से भी अवगत हो सकेंगे।

रायपुर ऑटो एक्सपो-2026 में देश के विभिन्न फाइनेंसर एवं बैंक न्यूनतम दरों पर वाहन ऋण उपलब्ध करा रहे हैं, वहीं इंश्योरेंस कंपनियां न्यूनतम दरों पर वाहन बीमा की सुविधा प्रदान कर रही हैं। इससे वाहन क्रय करने वाले नागरिकों को अतिरिक्त आर्थिक लाभ प्राप्त होगा।

ऑटो एक्सपो-2026 में आरटीओ टैक्स में 50 प्रतिशत छूट के साथ-साथ फाइनेंस कंपनियों, बैंकों, इंश्योरेंस कंपनियों एवं विभिन्न डीलरों के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण न्यूनतम दरों पर वाहन उपलब्ध होंगे, जिससे आमजन को व्यापक आर्थिक राहत मिलेगी।

रायपुर के इस ऑटो एक्सपो में रायपुर जिले के 95 डीलर्स तथा अन्य जिलों के 171 डीलर्स, कुल 266 डीलर्स भाग ले रहे हैं, जिससे प्रदेशभर के नागरिकों को विविध विकल्प उपलब्ध होंगे।

उल्लेखनीय है कि विगत वर्ष 2025 के ऑटो एक्सपो में कुल 29,348 वाहनों की बिक्री हुई थी, जिसके माध्यम से आम जनता को लगभग 120 करोड़ रुपये की आरटीओ टैक्स में छूट प्रदान की गई थी, जिससे नागरिकों को उल्लेखनीय आर्थिक सहायता प्राप्त हुई थी। इस प्रकार, ऑटो एक्सपो-2026 प्रदेश के नागरिकों के लिए किफायती दरों पर वाहन क्रय करने, स्थानीय स्तर पर पंजीयन सुविधा प्राप्त करने तथा व्यापक आर्थिक लाभ उठाने का एक महत्वपूर्ण अवसर सिद्ध हो रहा है।

चीन-श्रीलंका कृषि विज्ञान, प्रौद्योगिकी और संस्कृति आदान-प्रदान सप्ताह का शुभारंभ

बीजिंग । श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में 19 जनवरी को हरित पौध संरक्षण प्रौद्योगिकी नवाचार पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और चीन-श्रीलंका कृषि विज्ञान, प्रौद्योगिकी और संस्कृति आदान-प्रदान सप्ताह का शुभारंभ हुआ।

सतत कृषि विकास को बढ़ाने वाला हरित पौध संरक्षण नवाचार' विषय पर आधारित इस सम्मेलन में पौध संरक्षण में तकनीकी नवाचार, हरित कीट नियंत्रण प्रौद्योगिकियों और पौधों तथा सूक्ष्मजीवों के बीच अंतर्संबंधों पर ध्यान केंद्रित किया गया। उद्घाटन समारोह में श्रीलंका सरकार के अधिकारियों और चीन, श्रीलंका, ब्रिटेन, फ्रांस और अन्य देशों के विशेषज्ञों व युवा विद्वानों सहित लगभग 700 लोगों ने भाग लिया।

सम्मेलन को दिए अपने बधाई संदेश में श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या ने कहा कि श्रीलंका और चीन के कृषि क्षेत्र में सहयोग का लंबा इतिहास रहा है और इस तरह का आदान-प्रदान दोनों देशों के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ियों में से एक है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भाग लेने वाले विशेषज्ञों के बीच आदान-प्रदान और चर्चाओं से सार्थक परिणाम प्राप्त होंगे, जिससे श्रीलंका और चीन के बीच आगे सहयोग को प्रोत्साहन मिलेगा। श्रीलंका में चीनी राजदूत छी चेनहोंग ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि आज की दुनिया में जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण परस्पर जुड़े हुए हैं, और हरित कृषि का विकास एक व्यापक अंतरराष्ट्रीय सहमति बन गया है। कृषि सहयोग को मजबूत करना न केवल औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने की कुंजी है, बल्कि वैश्विक चुनौतियों का सामना करने और सतत विकास को बढ़ावा देने में भी एक अनिवार्य कदम है।

उन्हें विश्वास है कि इस सम्मेलन और आदान-प्रदान सप्ताह में भाग लेने वाले विशेषज्ञ विचारों और अनुभवों का आदान-प्रदान करेंगे, जिससे चीन और श्रीलंका के बीच सहयोग को और बढ़ावा मिलेगा और दोनों देशों में चाय उद्योग के हरित रूपांतरण और व्यापक सतत कृषि विकास को नई गति मिलेगी। यह सम्मेलन 24 जनवरी तक चलेगा और इसमें कई सेमिनार शामिल होंगे। आदान-प्रदान सप्ताह में युवा विद्वानों के लिए एक गोष्ठी, एक राष्ट्रीय प्रमुख प्रयोगशाला में एक सेमिनार और श्रीलंका के चाय बागानों के भ्रमण का भी आयोजन किया जाएगा, ताकि भाग लेने वाले विशेषज्ञों और विद्वानों के बीच गहन आदान-प्रदान को और सुगम बनाया जा सके।

अमेरिकी सीनेटर डेन्स ने भारत का 'सफल' दौरा पूरा किया

नई दिल्ली। अमेरिकी सीनेट फॉरेन रिलेशंस कमेटी के सदस्य और सांसद स्टीव डेन्स ने भारत का अपना 'सफल' दौरा पूरा कर लिया है। इस दौरान उन्होंने नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, सांसदों के अलावा अमेरिकी और भारतीय व्यवसायियों से मुलाकात की। अमेरिकी दूतावास ने मंगलवार को एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। अपनी दो दिवसीय (17-19 जनवरी) यात्रा के बारे में बताते हुए, डेन्स ने कहा, 'मैं भारत दोनों देशों के साझा मूल्यों और रणनीतिक साझेदारी की पुष्टि करने और मोंटाना के दलहन किसानों की ओर से बात करने आया था। मुझे खुशी है कि मंत्री गोयल ने हमारे किसानों की चिंताओं को गंभीरता से सुना। मैं इस बातचीत को लेकर संवेदनशील हूं; यह हमारी प्राथमिकता में है, और मैं राष्ट्रपति ट्रंप को इस पर काम करने के लिए जरूर कहूंगा।

अमेरिकी दूतावास के अनुसार, भारतीय वरिष्ठ अधिकारियों और सांसदों के साथ हुई मुलाकात के दौरान, डेन्स ने यूएस-भारत रक्षा सहयोग, सप्लाई चेन को सुरक्षित करने के प्रयासों और एक स्थिर और खुले इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को बनाए रखने के लिए अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी के महत्व पर चर्चा की।

सीनेटर की यात्रा समाप्त होने के बाद दूतावास द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, 'भारत में रहते हुए, सीनेटर डेन्स ने ट्रंप प्रशासन के साथ-साथ मोंटाना के लोगों के हितों पर भी बात की। इसमें संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच भविष्य के किसी भी व्यापार समझौते में दलहन के लिए अनुकूल प्रावधानों का आग्रह करना भी शामिल है। मोंटाना, संयुक्त राज्य अमेरिका में दलहन का सबसे बड़ा उत्पादक है, और भारत दुनिया में सबसे बड़ा उपभोक्ता है। सीनेटर डेन्स ने एक निष्पक्ष और पारस्परिक द्विपक्षीय व्यापार समझौते को पूरा करने की दिशा में जारी बातचीत में तेजी लाने की मांग की।

डेन्स ने व्यापार समुदाय के प्रतिनिधियों से भी बात की ताकि उन्नत प्रौद्योगिकियों पर सहयोग बढ़ाया जा सके।

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा, 'हम दोनों देशों के बीच साझेदारी को अगले स्तर पर ले जाने के लिए काम कर रहे हैं। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि वरिष्ठ सरकारी अधिकारी नियमित रूप से भारत की यात्रा करें। सीनेट विदेश संबंध समिति के एक प्रमुख सदस्य के रूप में, एशिया में व्यापक अनुभव के साथ, नई दिल्ली में आधिकारिक और निजी क्षेत्र के हितधारकों के साथ सीनेटर डेन्स की बैठकें हमारे द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण रहीं।

डेन्स ने रविवार को राजधानी में विदेश मंत्री जयशंकर से मुलाकात की, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों और इसके रणनीतिक महत्व पर चर्चा की गई।

उनकी बातचीत के बाद, विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'आज सुबह दिल्ली में सीनेटर स्टीव डेन्स से मिलकर खुशी हुई। हमारे द्विपक्षीय संबंधों और इसके रणनीतिक महत्व पर एक व्यापक और खुली चर्चा हुई।

पिछले हफ्ते, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने विदेश मंत्री जयशंकर से फोन पर बात की थी, जिसमें नागरिक परमाणु ऊर्जा, व्यापार वार्ता और इंडो-पैसिफिक में क्षेत्रीय सुरक्षा सहित सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया। विदेश मंत्री जयशंकर ने कॉल के बाद एक्स पर लिखा, 'व्यापार, जरूरी खनिज, परमाणु सहयोग, रक्षा और ऊर्जा क्षेत्र पर बात हुई। इसके अलावा दूसरे मुद्दों पर भी संपर्क में रहने पर सहमति बनी।

गोर ने इसे एक सकारात्मक कदम बताया था।

नोएडा: इंजीनियर की मौत के मामले में बड़ा एक्शन, बिल्डर कंपनी के डायरेक्टर गिरफ्तार

नोएडा । गौतमबुद्धनगर के थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में हुए युवा इंजीनियर की मौत के मामले में निर्माण लापरवाही के चलते पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। नॉलेज पार्क थाने की पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर बिल्डर कंपनी के डायरेक्टर अभय कुमार को गिरफ्तार किया है।

यह गिरफ्तारी सेक्टर-150 नोएडा से की गई। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त अभय कुमार पुत्र विक्रमलाल 'बेस्टटाउन प्लानर्स प्राइवेट लिमिटेड' का डायरेक्टर है और दिल्ली के कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज का निवासी बताया जा रहा है। अभियुक्त पर निर्माणाधीन परियोजना में गंभीर लापरवाही बरतने का आरोप है, जिसकी वजह से युवराज नाम के एक युवक की जान चली गई थी।

दरअसल, 16-17 जनवरी 2026 की रात सेक्टर-150 क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा हुआ था। जानकारी के मुताबिक, कार चालक युवराज पुत्र राजकुमार (उम्र करीब 27 वर्ष) की मौत बिल्डर द्वारा निर्माणाधीन बिल्डिंग और प्लॉट में बरती गई लापरवाही के कारण हुई। निर्माण स्थल पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे और प्लॉट में पानी भरा हुआ था। इसी पानी में कार फंसने और डूबने के कारण युवराज की मौत हो गई। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी थी और स्थानीय लोगों के साथ-साथ प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े हुए थे। घटना के बाद पुलिस ने इस संबंध में केस दर्ज किया था। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि निर्माण कार्य में नियमों की अनदेखी की गई थी और सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया, जिसके चलते यह हादसा हुआ।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभियुक्त अभय कुमार घटना के बाद से वांछित चल रहा था और गिरफ्तारी से बचने की कोशिश कर रहा था। लगातार प्रयासों और सूचना तंत्र के जरिए आखिरकार पुलिस ने उसे पकड़ लिया। फिलहाल, अभियुक्त से पूछताछ की जा रही है और मामले में अन्य जिम्मेदार लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

महबूबा मुफ्ती के बयान बदलते रहते हैं, उस पर ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए : सुरेंद्र कुमार चौधरी

जम्मू । जम्मू-कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (जेकेपीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के जम्मू संभाग में नए जिले बनाने पर दिए बयान को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज है। इस बीच जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र कुमार चौधरी ने मंगलवार को मुफ्ती पर निशाना साधा। जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र कुमार चौधरी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'जम्मू-कश्मीर ने बहुत विभाजन देखा है, पिछले 11 साल में यहां का बहुत नुकसान हुआ है। पहला नुकसान तब हुआ, जब भाजपा और पीडीपी ने गठबंधन किया था। दूसरा नुकसान तब हुआ, जब पीडीपी ने भाजपा को पूरा सहयोग दिया और जम्मू-कश्मीर के हिस्से कराए।

महाराजा गुलाब सिंह, महाराजा हरि सिंह और शेर-ए-कश्मीर अब्दुल्ला साहब ने इस राज्य को बनाया, उसे तोड़ा गया और केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया। आज जम्मू-कश्मीर की मुश्किल और मुसीबत राज्य के बराबर है, लेकिन दर्जा केंद्र शासित प्रदेश का है और फंडिंग भी इसी के हिसाब से होती है।

उन्होंने कहा, 'महबूबा मुफ्ती क्या कहती हैं, उसे ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए, क्योंकि जब वे पावर में होती हैं, तो उनके कुछ बयान होते हैं और जब नहीं होती हैं, तो उनके अलग बयान होते हैं। मुझे गर्व है कि मेरे नेता और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और पार्टी के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के कथनी और करनी में फर्क नहीं है। वे जो आज कहेंगे, वो चुनाव से पहले भी कह रहे थे। जब दोबारा चुनाव होगा, उसमें भी जम्मू-कश्मीर के हित की बातें कहेंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा, 'मेरे नेता फारूक अब्दुल्ला ने जब कोई बात कह दी, वह पार्टी के शीर्ष से लेकर नीचे तक, पार्टी के हर कार्यकर्ता के लिए पत्थर की लकीर है। फारूक अब्दुल्ला ने अपने अनुभव से इस विषय पर अपनी बात कही है।' इससे पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने मुफ्ती की जम्मू संभाग में नए जिले बनाने की मांग पर तीखी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा कि रियासत को तोड़ने वाले बहुत से लोग हैं, लेकिन वे कभी कामयाब नहीं होंगे। कोई नया जिला नहीं बनाया जाएगा। कोई जिला नहीं बनना चाहिए। पहले से ही बहुत जिले हैं। इन्हें कोई संभाल सके, वही बड़ी बात है। अब्दुल्ला ने सवाल पूछते हुए कहा, 'महबूबा मुफ्ती भी मुख्यमंत्री रहीं और उनके पिता भी सीएम थे, तब उन्होंने क्या किया?' उंगली उठाना बहुत आसान होता है, लेकिन उस समय देखना चाहिए कि तीन उंगलियां आपकी तरफ भी इशारा करती हैं।

अंडर-19 विश्व कप: विल मलाजुक का रिकॉर्ड शतक, ऑस्ट्रेलिया ने जापान को 8 विकेट से हराया

विंडहोक । नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड में अंडर-19 विश्व कप के ग्रुप ए के मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने विल मलाजुक के रिकॉर्ड शतक की बदौलत जापान को 8 विकेट से हरा दिया।

विल मलाजुक ने महज 51 गेंदों पर शतक लगाया। अंडर-19 विश्व कप इतिहास का यह सबसे तेज शतक है। पूर्व का रिकॉर्ड पाकिस्तान के कासिम अकरम के नाम था। कासिम ने अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप 2022 में श्रीलंका के खिलाफ एंटीगा के नॉर्थ साउंड में 63 गेंदों पर शतक जड़ने का कारनामा किया था। ऑस्ट्रेलिया-जापान मैच की बात करें तो जापान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया था। हुगो तावी केली के 135 गेंद पर नाबाद 79, निहार परमान के 33, मोंटोगोमेरी हारा हिंजे के 29, चार्ली हारा-हिंजे के 24 और अतिरिक्त 30 रन की मदद से जापान ने पूरे पचास ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 201 रन बनाए थे।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से नादेन कोरे ने 10 ओवर में 31 रन देकर 3, विल बायरोम ने 2, आर्यन शर्मा और कासे बार्टन ने 1-1 विकेट लिए थे। 202 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी ऑस्ट्रेलिया को विल मलाजुक और नितेश सैमूएल ने शानदार शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 15.3 ओवर में 135 रन की साझेदारी कर मैच का पलड़ा अपनी टीम की तरफ झुका दिया। विल मलाजुक 55 गेंद पर 12 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 102 रन की पारी खेलकर आउट हुए। स्टीवन होगान 20 गेंद पर 15 रन बनाकर आउट हुए। नितेश 73 गेंद पर 60 रन बनाकर नाबाद रहे। उनके साथ टॉम होगान 27 गेंद पर 19 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया ने 29.1 ओवर में 2 विकेट पर 204 रन बनाकर मैच 125 गेंद पहले 8 विकेट से जीत लिया।

हम एसआईआर नहीं, उसे गलत तरीके से किए जाने के खिलाफ: सागरिका घोष

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा-टीएमसी आमने सामने हैं। दोनों दलों के नेताओं की ओर से आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है और अपनी-अपनी सरकार बनाने के दावे भी किए जा रहे हैं। टीएमसी नेता सागरिका घोष ने कहा कि हम किसी दूसरी पार्टी या नेता पर कमेंट नहीं करना चाहते। हम सिर्फ अपनी पार्टी और अपने नेता के बारे में बात करेंगे। जिस तरह से ममता बनर्जी सरकार ने पिछले 15 वर्षों में लोकप्रिय और असरदार प्रशासन और गवर्नेंस दिया है, हमें विश्वास है कि लोग ममता बनर्जी के साथ हैं और भविष्य में भी उनके साथ खड़े रहेंगे।

बंगाल में एसआईआर का जिक्र करते हुए टीएमसी नेता ने कहा कि जैसा कि हमने पहले भी कहा है, हम एसआईआर के खिलाफ नहीं हैं और हम चाहते हैं कि वोटर लिस्ट सही हो। अगर फर्जी वोटर हैं, तो उन्हें हटाया जाए, हालांकि हम कह रहे हैं कि जिस तरह से एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है, वह गलत है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस एसआईआर प्रक्रिया में कई कमियां बताई हैं। इससे बुजुर्गों, ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों और बेसहारा लोगों को गंभीर दिक्कतें हो रही हैं। बीएलओ खुद अपनी जान ले रहे हैं। इस तरह से जल्दबाजी करके एसआईआर नहीं किया जा सकता। इस प्रक्रिया में पारदर्शिता होनी चाहिए। टीएमसी नेता ने कहा कि एसआईआर सिटिजन फ्रेंडली होना चाहिए। चुनाव आयोग का काम तो वोट देने के अधिकार को बचाना है, लेकिन आप वोट देने के अधिकार को छीन रहे हैं।

सागरिका घोष ने एसआईआर को सॉफ्टवेयर इंटेंसिव रिगिंग बताते हुए दावा किया कि तथाकथित एसआईआर बंगाल के लोगों को परेशान करने के लिए बनाया गया एक मैकेनिज्म है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि तथाकथित 'लॉजिकल गड़बड़ियों' की लिस्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए, जिससे पारदर्शिता, उचित प्रक्रिया और लोकतांत्रिक जवाबदेही के सिद्धांतों की पुष्टि हो।

ग्रीनलैंड पर कब्जा! क्या ट्रंप कनाडा को पछाड़ना चाहते हैं या क्षेत्रीय विस्तार की पुरानी अमेरिकी परंपरा बढ़ाने की है ख्वाहिश

नई दिल्ली। ग्रीनलैंड चर्चा में है। पिछले लगभग एक महीने से तकरीबन रोज अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कुछ ऐसा कह देते हैं जिससे दुनिया की पेशानी पर बल पड़ जाता है। हर गुजरते दिन के साथ अमेरिका की रुचि अंतरराष्ट्रीय बहस का सबब बन गई है। सुर्खियों में तो अपना क्षेत्रफल बढ़ाकर कनाडा को पछाड़ने की जुगत भी है, जो ग्रीनलैंड को हासिल कर ही मुमकिन हो पाएगा।

अगर अमेरिका वाकई में ग्रीनलैंड को अपने अधीन लेता है, तो वह क्षेत्रफल के लिहाज से रूस के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश बन जाएगा और कनाडा पीछे छूट जाएगा। कहानी में एक और ट्विस्ट है! जो क्षेत्रीय विस्तार की अमेरिकी परंपरा से जुड़ा हुआ है। अगर ये सौदा भविष्य में कभी होता भी है, तो इसे 1867 में अलास्का की खरीद के बाद अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा क्षेत्रीय विस्तार माना जाएगा। प्रश्न यही है कि क्या डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिका के पूर्व प्रेसिडेंट्स की विरासत को आगे बढ़ा सकते हैं, जिन्होंने देश के भूगोल को अपने दबंग अंदाज में विस्तार दिया, ठीक वैसे जैसे जेम्स के. पोल्क और विलियम मैककिनले ने किया था!

अमेरिकी इतिहास के पन्नों को पलटें तो पाएंगे कि इस देश ने क्षेत्रीय विस्तार को लंबे समय तक राष्ट्रीय शक्ति और रणनीतिक सुरक्षा से जोड़ा है। 19वीं सदी में राष्ट्रपति जेम्स के. पोल्क के कार्यकाल में अमेरिका ने टेक्सास, कैलिफोर्निया और दक्षिण-पश्चिमी इलाकों पर अपना कब्जा जमाया। मैक्सिको-अमेरिका जंग के बाद हुआ यह विस्तार 'मैनिफेस्ट डेस्टिनी' की सोच से प्रेरित था, जिसमें ये मान लिया गया था कि अमेरिका का प्रशांत महासागर तक प्रसार उसका ऐतिहासिक और नैतिक अधिकार है। पोल्क का नाम आज भी अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़े क्षेत्रीय विस्तार से जुड़ा हुआ है।

उनके बाद 1898 में राष्ट्रपति विलियम मैककिनले काल में स्पेन-अमेरिका युद्ध के बाद फिलीपींस, गुआम और प्यूर्टो रिको जैसे क्षेत्रों पर यूएस का अधिपत्य हुआ। यह अमेरिका के एक महाद्वीपीय शक्ति से वैश्विक शक्ति बनने का संकेत था। हालांकि उस समय भी बहस तेज थी कि क्या अमेरिका को औपनिवेशिक विस्तार करना चाहिए? खास बात ये भी है कि ट्रंप मैककिनले के काफी मुरीद भी रहे हैं और उनकी तरह ही टैरिफ लगाने पर ज्यादा जोर देते हैं।

अब क्षेत्रीय विस्तार का ये इतिहास ही ग्रीनलैंड के संदर्भ में ट्रंप की रुचि को दर्शाता है। ग्रीनलैंड की आबादी भले ही 60 हजार के करीब हो, ये देश जमा हुआ हो लेकिन रणनीतिक रूप से बहुत अहम है। आर्कटिक क्षेत्र में इसकी वर्तमान स्थिति, दुर्लभ खनिज संसाधनों की मौजूदगी और बर्फ पिघलने के बाद भविष्य में खुलने वाले समुद्री मार्ग इसे अमेरिका, रूस और चीन का प्रिय बनाते हैं। अमेरिका पहले से ही ग्रीनलैंड में सैन्य मौजूदगी रखता है, लेकिन इसे औपचारिक रूप से अपने अधीन करना बिल्कुल अलग स्तर का कदम होगा। आज की दुनिया 19वीं सदी से अलग है, और आधुनिक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में किसी क्षेत्र को 'खरीद' लेना केवल द्विपक्षीय सौदे तक सिमटा नहीं होता, बल्कि उसमें वहां के बाशिंदों की सहमति भी चाहिए होती है; इसमें अंतरराष्ट्रीय कानून और कूटनीतिक संतुलन भी शामिल होता है। डेनमार्क और ग्रीनलैंड की सरकारें पहले ही स्पष्ट कर चुकी हैं कि 'ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है। ऐसे में ट्रंप की पोल्क या मैककिनले से तुलना ऐतिहासिक दृष्टि से दिलचस्प जरूर है, लेकिन व्यावहारिक रूप से कठिन है। फिर भी जो बहस ट्रंप ने अपने बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट्स के जरिए छेड़ दी है, वह यह दिखाती है कि अमेरिकी राजनीति में क्षेत्रीय शक्ति, रणनीतिक प्रभुत्व, और इतिहास की विरासत आज भी बड़ी गहराई से जुड़ी हुई है।

टी20 सीरीज: ईशान किशन की प्लेइंग इलेवन में जगह पक्की, तीसरे नंबर पर खेलेंगे

नागपुर । भारत और न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के बीच 5 टी20 मैचों की सीरीज का आगाज बुधवार से हो रहा है। पहला मुकाबला नागपुर में खेला जाना है। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज गंवाने वाली भारतीय टीम टी20 सीरीज जीतने और विश्व कप से पहले अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए तैयार है। मैच से पहले भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ईशान किशन को लेकर अहम बयान दिया है।

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 में ईशान किशन प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे और वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। सूर्यकुमार के बयान के बाद ईशान किशन की लगभग 26 महीने बाद भारतीय टीम में वापसी पक्की मानी जा रही है। ईशान ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच, जो टी20 था, 28 नवंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुवाहाटी में खेला था। इसके बाद से वह टीम से लगातार बाहर चल रहे थे। घरेलू क्रिकेट में लगातार दमदार प्रदर्शन के बाद न्यूजीलैंड टी20 सीरीज और टी20 विश्व कप के लिए ईशान की भारतीय टीम में वापसी हुई है।

ईशान की भारतीय टीम में वापसी तो हो गई थी, लेकिन उनका टीम में जगह बनना तब तक मुश्किल था, जब तक पूर्व से स्थापित खिलाड़ी आउट ऑफ फॉर्म होकर प्लेइंग इलेवन से बाहर न जाएं। तिलक वर्मा का इंजरी की वजह से पहले तीन टी20 से बाहर होना ईशान के लिए लकी साबित हुआ है, और ईशान तिलक की जगह ही तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। विकेटकीपर बल्लेबाज और ओपनर के रूप में संजू सैमसन पहली पसंद हैं। ईशान किशन मूल रूप से ओपनर हैं, लेकिन कई बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मध्यक्रम में खेल चुके हैं। ऐसे में बल्लेबाजी के लिए तीसरा नंबर उनके लिए बड़ा मौका साबित हो सकता है। 2021 में टी20 में डेब्यू करने वाले ईशान ने 32 मैचों की 32 पारियों में 6 अर्धशतक लगाते हुए 796 रन बनाए हैं।

ट्रंप की रणनीति से यूरोपीय संघ और अरब देशों में मची खलबली

- डॉ. ललित कुमार

अमेरिका की खुराफाती रणनीति से एक बार फिर दुनिया में वैश्विक व्यापार पर संकट का खतरा मंडराने लगा है। वेनेजुएला पर कब्जा करके अमेरिका चाहता है कि अब वह धीरे-धीरे अरब देशों में भी अपनी दखलअंदाजी करके बहुत कुछ हासिल कर लेगा, जिसके परिणाम देखने को भी मिल रहे हैं। अमेरिका की यह चाल इस बार किस करवट बैठेगी दुनिया के सभी देशों की नजर इस पर टिकी है। अमेरिका एक के बाद एक जिस तरह के कड़े फैसले लेता दिख रहा है। उससे यही अंदाजा लगाया जा सकता है कि दुनिया युद्ध के ऐसे ज्वालामुखी पर बैठा जो कभी भी फट सकता है। अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार करके दुनिया को दिखा दिया कि उसकी नजरों में छोटे देश की कोई कीमत नहीं है, यानी लोहा गरम है। डोनाल्ड ट्रंप के इन्ही फैसलों के देखते हुए इसराइल ने अमेरिका को एकदम लपक लिया है, और अरब देशों के खिलाफ खुले तौर पर उसके समर्थन में कूद पड़ा है। इसराइल के लिए ईरान इस वक्त उसका सबसे बड़ा दुश्मन है और दुश्मन के साथ जब कुछ बुरा हो तो अपने दोस्त अमेरिका के साथ मिलकर उसे नेश्तानाबुत करने के लिए अपनी स्क्रिप्ट को ओर मजबूती के साथ लिख रहा हैं। ईरान सरकार के मुखिया अयातुल्लाह अली खामेनेई के खिलाफ जो षड्यंत्र अमेरिका-इजरायल रच रहा है। उसका बुरा असर वैश्विक स्तर पर कितना होगा। इसका अंदाजा शायद उनको नही है, लेकन उनको यह भी मालूम होना चाहिए कि दोनों देशों को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ सकती है।

ईरान सरकार लगातार विरोध प्रदर्शनकारियों पर अपनी पैनी नजर बनाए हुए हैं। इस प्रदर्शन के चलते ईरान में अब तक लगभग 5000 से ज्यादा विरोध प्रदर्शनकारियों की मौत ने पूरी दुनिया में एक खलबली मचा दी है। ईरान सरकार के खिलाफ यह विरोध प्रदर्शन सड़कों से लेकर दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में देखने को मिल रहे है। जिससे ईरान सरकार की चिंता बढनी लाजमी है। इन विरोध प्रदर्शनों से मौत के साए में जीते वहां के लोग बेहद खौफज़दा है। यही कारण है कि अमेरिका इन विरोध प्रदर्शनों पर आग में घी डालने का काम कर रहा है। क्योंकि ईरान का यह संकट अब वैश्विक संकट बनता जा रहा है। अमेरिका वेनेजुएला के तेल भंडार पर अपनी नजर गडाए बैठा है। अब अमेरिका अरब देशों में इस तरह की हलचल पैदा करके माहौल को अपने पक्ष में करना चाहता है।

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के कड़े फैसलों के खिलाफ़ अरब देशों की एकजुटता के चलते ईरान में होने वाले प्रदर्शन की रफ्तार भले ही धीमी पड़ने लगी हो, लेकिन ईरान में जो चिंगारी भड़काई गई है उसके पीछे अमेरिका और इजराइल का एक बड़ा हाथ माना जा रहा है। ईरान सरकार मुखिया अयातुल्लाह अली खामेनेई ईरान के लोगों को भरोसा दिलाने में लगे हैं कि इन सबके पीछे अमेरिका-इजरायल ही इस खूनी साजिश को बढ़ावा दे रहे है। जिनके मंसूबों को ईरान कभी पूरा नहीं होने देगा। ईरान वेनेजुएला नही है, जो हाथ पर हाथ रखकर बैठा रहेगा। वह इसका सख्ती से जवाब देना जानता है और अमेरिका कभी भी ईरान को इराक न समझे। डोनाल्ड ट्रंप सरकार टैरिफ को ढाल बनाकर एक के बाद एक अपने दुश्मन देशों पर टैरिफ का भूत खड़ा करके उनको डराने का काम कर रही है।

हाल ही में डेनमार्क में डेनिश न्यूज़ एजेंसी के अनुसार ट्रंप डेनमार्क समेत 8 यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर चुके है, जिसके बाद से पूरे यूरोपीय संघ में ट्रंप के खिलाफ गुस्सा फूट चुका है। ग्रीनलैंड के साथ-साथ नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, नीदरलैंड और फिनलैंड जैसे अन्य देशों में 1 फरवरी से 10 फीसदी टैरिफ लागू करने की घोषणा की जा चुकी है, जो 1 जून से बढ़कर 25 फीसदी तक पहुंच जाएगी, और यह टैरिफ जब तक जारी रहेगा तब तक ग्रीनलैंड की खरीद पर कोई समझौता नहीं हो जाता। टैरिफ की इस घोषणा के खिलाफ अमेरिका पर जवाबी आर्थिक कार्रवाई की मांग भी उठने लगी है। जिससे पूरा यूरोपीय संघ का व्यापार समझौता भी खतरे में पड़ सकता है, यानी अमेरिका जिस डाल पर बैठा है, वह उसी डाल को काटने में लगा है. जिसे देखते हुए यूरोपीय देशों ने तुरंत आपात बैठक बुलाकर जवाबी कार्रवाई करने की रणनीति पर चर्चा शुरू कर दी है। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूट इग़ा का कहना है कि हम बिकाऊ नहीं हैं और हम कभी भी बिकाऊ नहीं होंगे। हमें स्वतंत्रता के लिए अपने लंबे संघर्ष को नहीं भूलना चाहिए। हालांकि, हमें पूरी दुनिया और ख़ासकर अपने पड़ोसियों के साथ सहयोग और व्यापार के लिए खुले रहना चाहिए। डेनमार्क और उसके आसपास के देशों ने ट्रंप को ग्रीनलैंड से पीछे हटने की भी सलाह दी है। लेकिन वेनेजुएला पर कब्ज़ा करके ट्रंप अब यूरोपियों देशों में भी अपनी दखल बढ़ाना चाहता है। ट्रंप ग्रीनलैंड पर एक के बाद एक और ज्यादा सख्त रवैय्या करता जा रहा है। वह ग्रीनलैंड के संसाधनों पर कब्जा करके दुनिया में एक नए उपनिवेशवाद की ताकत का परिचय कराना चाहता है।

ट्रंप का मानना है कि इससे रूस और चीन को आर्कटिक क्षेत्र में उनके प्रभाव को रोकना है। क्योंकि इस वक्त अमेरिका आधुनिक ग्लोबल राजनीति में एक नई किस्म का उपनिवेशवाद खड़ा करने में लगा है, जिसने पूरी दुनिया की अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। अमेरिका किसी भी कीमत पर नाटो देशों में रूस और चीन की घुसपैठ को रोकना चाहता डोनाल्ड ट्रंप का यह भी मानना है कि ग्रीनलैंड और पनामा नहर पर अमेरिका का क़ब्ज़ा होना चाहिए, क्योंकि ये दोनों अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद ज़रूरी हैं। सभी जगह मौजूद रूसी और चीनी जहाज़ों की निगरानी के लिए ये द्वीप अमेरिका के लिए बेहद ज़रूरी है। मैं मुक्त दुनिया की रक्षा की बात कर रहा हूं। अमेरिका ग्रीनलैंड को रणनीतिक रूप से बहुत ज़रूर मानता है, क्योंकि दुनिया के बड़े खनिज भंडार यहां उपलब्ध है जो बैटरी और हाईटेक उपकरणों को बनाने में इस्तेमाल होते है। लेकिन अब देखना यह होगा कि ट्रंप के सिर पर सवार टैरिफ की बढ़ोतरी, ग्रीनलैंड पर कब्ज़ा और ईरान सरकार के खिलाफ़ दखलंदाजी का भूत कब तक कायम होता है।

(लेखक इनवर्टिस विश्वविद्यालय बरेली में पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष है)

टैरिफ के बावजूद वर्ष 2026 में भारत की आर्थिक विकास दर छू सकती है नई ऊंचाइयां

वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के 7.4 प्रतिशत के अनुमान को उत्साहवर्धक माना जाना चाहिए क्योंकि यह वृद्धि दर ट्रम्प द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न वस्तुओं के निर्यात पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बावजूद रहने वाली है।

दिनांक 1 फरवरी 2026 को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए केंद्र सरकार द्वारा भारतीय संसद में प्रस्तुत किए जाने वाले बजट के पूर्व वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के आर्थिक विकास से सबंधित प्रथम अग्रिम अनुमान के आंकड़े 7 जनवरी 2026 को जारी किए गए है। इस अनुमान के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल हुई थी जो वित्तीय वर्ष 2025-26 में बढ़कर 7.4 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। सकल घरेलू उत्पाद से सम्बंधित प्रथम अग्रिम अनुमान के आंकड़ों के आधार पर ही वर्ष 2026-27 के बजट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आर्थिक विकास से सम्बंधित द्वितीय अग्रिम अनुमान 27 फरवरी 2026 को जारी किए जाने हैं। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में भारतीय रिजर्व बैंक का अनुमान भी 7.3 प्रतिशत की वृद्धि का ही है परंतु भारतीय स्टेट बैंक के आर्थिक अनुसंधान विभाग का अनुमान 7.5 प्रतिशत अथवा इससे अधिक का है। भारत की आर्थिक विकास दर विश्व के सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे अधिक रहने की सम्भावना विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियन विकास बैंक (7.2 प्रतिशत), फिच नामक रेटिंग संस्थान (7.4 प्रतिशत) आदि संस्थानों ने भी व्यक्त की है।

भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2024-25 में हासिल की गई 6.5 प्रतिशत की वृद्धि से आगे बढ़कर वित्तीय वर्ष 2025-26 में 7.4 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने के कुछ मुख्य कारणों में शामिल हैं - (1) केंद्र सरकार के स्थिर उपभोग खर्च (Govt Fi&ed Consumption E&penditure) में वृद्धि दर जो वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2.3 प्रतिशत की रही थी, वह बढ़कर वित्तीय वर्ष 2025-26 में 5.2 प्रतिशत रहने की सम्भावना है; (2) विनिर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4.5 प्रतिशत की रही थी जो वित्तीय वर्ष 2025-26 में बढ़कर 7.0 प्रतिशत रहने की सम्भावना है; (3) सकल मान योग (Gross Value Addition) में वृद्धि दर का 6.4 प्रतिशत से बढ़कर 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है; (4) सकल स्थिर पूंजी निर्माण (Gross Fi&ed Capital Formation) में वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत से बढ़कर 7.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है; (5) सेवा एवं कृषि क्षेत्र में क्रमशः 9.1 प्रतिशत एवं 3.1 प्रतिशत की सम्भावना व्यक्त की गई है; (6) भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में वृद्धि दर का 6.3 प्रतिशत से बढ़कर 6.4 प्रतिशत रहने की सम्भावना होना भी शामिल है। अप्रेल 2025 से नवम्बर 2025 के खंडकाल में राजकोषीय घाटा 9.8 लाख करोड़ का रहा है जो वित्तीय वर्ष 2025-26 के कुल अनुमान का 62.3 प्रतिशत है, अत: बजटीय घाटा भी अभी तक नियंत्रण में ही रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में राजकोषीय घाटा 15.69 लाख करोड़ रहने का अनुमान लगाया गया था, जो सकल घरेलू उत्पाद का 4.4 प्रतिशत होगा। इस प्रकार केंद्र सरकार की आय एवं व्यय से सबंधित स्थिति भी पूर्णत: नियंत्रण में है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के 7.4 प्रतिशत के अनुमान को उत्साहवर्धक माना जाना चाहिए क्योंकि यह वृद्धि दर ट्रम्प द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न वस्तुओं के निर्यात पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बावजूद रहने वाली है। दरअसल ट्रम्प द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर लगाए गए टैरिफ को वित्तीय बाजार में बहुत गम्भीरता से लिया जाकर इसके भारतीय अर्थव्यवस्था पर होने वाले प्रभाव को बहुत बढ़ा चढ़ाकर पेश किया गया है। परंतु, वास्तव में भारत के आर्थिक विकास दर पर इसका प्रभाव लगभग नहीं के बराबर रहा है। इसके पीछे मुख्य कारण अमेरिका को भारत से होने वाले निर्यात की कम मात्रा भी है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत से अमेरिका को 7,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विभिन्न वस्तुओं के निर्यात हुए थे, जबकि भारत का सकल घरेलू उत्पाद 4.29 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा था। अत: भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात भारत के सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 1.85 प्रतिशत ही रहे हैं। वैसे भी भारत की अर्थव्यवस्था निर्यात आधारित है ही नहीं (चीन की अर्थव्यवस्था निर्यात आधारित है, इसीलिए चीन पर अमेरिकी टैरिफ का प्रभाव अधिक हो सकता है), भारतीय अर्थव्यवस्था मुख्यत: आंतरिक उपभोग पर आधारित है।

ममता बनर्जी को केद्र सरकार से टकराने का बहाना चाहिए

ममता बनर्जी ने आई-पैक के कार्यालय और उसके प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर ईडी की छापेमारी के संबंध में संघीय एजेंसी के खिलाफ दो कोलकाता और बिधाननगर पुलिस ने औपचारिक प्राथमिकी दर्ज कराई। ममता बनर्जी ने ईडी की छापेमारी के खिलाफ कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस समर्थकों के साथ विरोध मार्च निकाला।

पश्चिम बंगाल देश के लिए ऐसा राजनीतिक अखाड़ा बन चुका है। इससे होने वाले राष्ट्व्यापी नुकसान की ममता बनर्जी सरकार को परवाह नहीं है। ममता बनर्जी का तौर—तरीका ऐसा बन चुका है मानो पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा नहीं होकर एक स्वतंत्र देश हो। ममता किसी न किसी मुद्दे पर केंद्र सरकार से टकराती रही हैं। एक भी मौका केंद्र से टकराव का नहीं छोड़ती है और फिर खुद ही लोकतंत्र खतरे में है का नारा देकर सिर पर आसमान उठा लेती है। नया मामला प्रवर्तन निदेशालय के छापे की कार्रवाई का है। ईडी ने पश्चिम बंगाल में 6 और दिल्ली में 4 ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी की टीम ने प्रतीक जैन के कोलकाता के गुलाउडन स्ट्रीट स्थित घर और दूसरी टीम सॉल्टलेक स्थित दफ्तर पर छापा मारा था। सीएम ममता बनर्जी खुद लाउडन स्ट्रीट पहुंच गई। जब बाहर निकलीं, तो उनके हाथ में एक हरी फाइल दिखाई दी। इसके बाद ऑफिस भी गईं। उन्होंने कहा- गृहमंत्री मेरी पार्टी के दस्तावेज उठवा रहे हैं।

ममता बनर्जी ने आई-पैक के कार्यालय और उसके प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर ईडी की छापेमारी के संबंध में संघीय एजेंसी के खिलाफ दो कोलकाता और बिधाननगर पुलिस ने औपचारिक प्राथमिकी दर्ज कराई। ममता बनर्जी ने ईडी की छापेमारी के खिलाफ कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस समर्थकों के साथ विरोध मार्च निकाला। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि ईडी चुनाव से पहले उनकी पाटी तृणमूल कांग्रेस के संवेदनशील दस्तावेज जब्त कर राजनीतिक प्रतिशोध कर रही है। पुलिस ने ममता बनर्जी की शिकायत पर ईडी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर औपचारिक जांच शुरू कर दी। यह मुद्दा कलकत्ता हाईकोर्ट तक गया। कलकत्ता हाइकोर्ट ने रेड मामले में बुधवार को तृणमूल कांग्रेस की याचिका खारिज कर दी। पार्टी ने आरोप लगाया था कि जांच एजेंसी ईडी ने आईटी हेड प्रतीक जैन के ऑफिस पर रेड मारकर कुछ कागजात जब्त किए थे। एजेंसी का कहना था कि पार्टी दफ्तर से कुछ भी जब्त नहीं किया है। कोर्ट ने कहा, जब ईडी ने कुछ भी जब्त न करने की बात की है, तो अब इस मामले पर सुनवाई के लिए कुछ नहीं बचता है। याचिका को खारिज कर दी। अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट में है। प्रवर्तन निदेशालय ने सुप्रीम कोर्ट में एक रिट याचिका दायर कर भारतीय न्याय संहिता के तहत 17 अपराधों की सीबीआई जांच की मांग की। याचिका में ईडी ने आरोप लगाया है कि सीएम ममता बनर्जी, राज्य के डीजीपी और कोलकाता पुलिस कमिश्नर ने ईडी की रेड में न सिर्फ बाधा डाली बल्कि अधिकारियों को डरा-धमकाकर सबूतों से छेड़छाड़ की। ममता सरकार की ओर से तर्क दिया गया कि यह मामला चुनावों के बीच उठाया गया है और इससे राजनीतिक माहौल प्रभावित हो सकता है। ईडी चुनावी डेटा चुराने की कोशिश कर रही है। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सवाल किया, 'क्या लॉर्डशिप को लगता है कि हाईकोर्ट न्याय नहीं कर सकता? इस पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा, 'कृपया हमारे मुंह में शब्द न डालें। सुनवाई के दौरान अदालत ने इस मामले को 'गंभीर' करार दिया। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'यह एक गंभीर मामला है। हम इस पर परीक्षण करेंगे। अदालत ने ईडी की याचिका पर नोटिस जारी करने का संकेत दिया।

ममता बनर्जी की केंद्र सरकार से टकराने की फेहरिस्त काफी लंबी है। इसका नमूना कोरोना महामारी में केंद्र के साथ टकराव, अम्फन तूफान को लेकर गृह मंत्री के साथ झगड़ा शामिल है।

नागरिक श्रेणी के सिद्धांत से ख़त्म होंगी असमानता

डॉ.संजीव कुमार

जाति आधारित अपराध, धार्मिक अपराध, धर्म परिवर्तन के नाम पर हिंसा. यह ऐसे अपराध है जो इस देश का पीछा नहीं छोड़ रहे. हमने इस देश को आगे बढ़ाने और दुनिया के साथ खड़े होने के लिए बहुत प्रयोग किये परंतु सफलता अभी भी हमारे आसपास नहीं दिखाई दे रहा है.हमने छुआछूत और अस्पृश्यता मिटाने के लिए दलित और आदिवासियों को आरक्षण दिया. इस आरक्षण की सुविधा को देखते हुए पिछड़ी जातियों ने भी अपने हक अधिकार के लिए सरकार से सवाल किया नतीजन और उन्हें भी आरक्षण प्रदान किया गया. फिर समाज में मांग उठी की क्या सवर्ण गरीब नहीं है, तो हमने उनके लिए भी आरक्षण की व्यवस्था कर दी. पर सवाल अब भी वही का वही है की क्या इससे समाज में फैली ऊंच नीच की भावना मिट गई? समाज में समानता आ गई ? धार्मिक सुधारो और उनके संरक्षण के लिए हमने अनेकों कमेटियां बनाई पर आज भी अल्पसंख्यक धर्म तमाम समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिस पर सिर्फ और सिर्फ राजनीति ही की जा रही है. समाज के हर हिस्से का गरीब व्यक्ति समझ नहीं पा रहा है कि उसकी मूल समस्या क्या है. वह मंदिर मस्जिद और जाति की लड़ाई में उलझा हुआ है.शिक्षा,स्वास्थ्य,रोजगार, न्याय और असमानता की समस्या उसकी जिंदगी को दिन प्रतिदिन नरकीय बना रही हैं. आज देश जाति और धर्म की सड़ांध से बजबजा रहा है. सैकड़ो राजनीतिक पार्टियों हजारों समाज सुधारक संगठन जाति, धर्म के नाम पर अपनी- अपनी रोटियां सेक रहे है. जबकि इनसे देश का कभी उद्धार नहीं हुआ है. आज हर व्यक्ति अपने धर्म और जाति पर बेवजह गर्व करके एक दूसरे को नीचा दिखाने का कार्य कर रहा है. हम सब जानते है सबके इतिहास धूमिल हैं.यह लोग कालांतर में ना कभी मिलकर एक साथ रहे थे ना भविष्य में एक दूसरे के साथ मिलकर रहेंगे. गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर ने अपनी पुस्तक राष्ट्रवाद में लिखा है कि भारत और एशिया की समस्या यह है कि वह कभी अपने अतीत से बाहर नहीं निकलना चाहता. ऐसा इसलिए है क्योंकि सब के अतीत शर्मिंदगी और नकारापन से भरे हुए हैं फिर भी सभी अपने लिए झूठा गर्व ढूढ़ लाते है . अगर सब लोग इतने ही महान थे तो हजारों साल तक यह देश अनेक विदेशी आक्रांताओं का गुलाम क्यों रहा? आज देश आजाद है , सारी शक्ति अपने हाथ में है पर लगता है जैसे समस्याएं और बढ़ती जा रही है. हमारे स्वतंत्रता सेनानियों, देशभक्त राजनेताओं और विद्वान युग पुरुषों ने हमारे मुल्क को समृद्ध और एक साथ रहने के लिए एक महान संविधान बना कर दिया परन्तु हम आज भी एक दुसरे से लड़ते आ रहे हैं.

आज देश में विवाद के तीन प्रमुख विषय है .आरक्षण, जाति ,और पारंपरिक सत्ता .इसलिए वक्त आ गया है इनके समूल विनाश का .एक ऐसी व्यवस्था निर्मित करने की आवश्यकता है जो इन सब का अंत करके एक समृद्ध भारत का स्वप्न पूर्ण कर सके . अत: जरुरत है देश के सभी नागरिकों को आर्थिक आधार पर पहचान देने की ,एक ऐसी पहचान जिसमे किसी के कुल ,धर्म ,जाति ,लिंग ,क्षेत्र का कोई महत्त्व नहीं होगा. भारत के सभी नागरिकों को आर्थिक आधार पर चिन्हित कर उनके विकास के लिए योजनाएं निर्मित होंगी और समय - समय पर उनमे संशोधन होता रहेगा . बाबा साहब ने देश की जाति समस्या पर कहा था कि ' वर्ण व्यवस्था एक ऐसी बहु मंजिला ईमारत की तरह है जिसमे कोई सीढ़ी नही है , जो जिस मंजिल पर पैदा होगा उसे वही मरना है .ना कोई ऊपर जा सकता है ना ही कोई नीचे आ सकता है' . परन्तु इस नागरिक श्रेणी में साल - दर साल में श्रेणी की स्थिति में जरुरत परिवर्तन होगा .जो जैसा परिश्रम करेगा वह वैसी श्रेणी में पहुंचेगा . इस नागरिक श्रेणी का एक परिकल्पित उदाहरण स्वरुप मैंने निर्मित किया है

श्रेणी 1	ऐसे नागरिक जिनकी सम्पत्ति एक अरब से अधिक हो	
श्रेणी 2	पचास करोड़ से एक करोड़ तक	
श्रेणी 3	एक करोड़ से पचास लाख तक	
श्रेणी 4	पचास लाख से दस लाख तक	
श्रेणी 5	**दस लाख से नीचे –**	**आरक्षण**
	5.1 –दस लाख से पांच लाख तक	05%
	5.2 – पांच लाख से तीन लाख तक	10 %
	5.3 – तीन लाख से एक लाख तक	15 %
	5.4 – एक लाख से नीचे	25%

श्रेणी 5 में आने वाले नागरिकों को समाज की मूलधारा में लाने हेतु सरकार का पूरा ध्यान होना चाहिए . इन्हें ही आरक्षण , मुफ्त शिक्षा ,स्वास्थ्य ,रोजगार सहित सभी सुविधाओं में सामान अवसर प्रदान करने की व्यवस्था दी जानी चाहिए .भारत के सभी नागरिकों को सम्पत्ति में हिस्सा, सुविधा यहां तक कि रेलवे और हवाईजहाज की यात्रा में छूट भी इसी आधार पर प्रदान होना चाहिए . नागरिक श्रेणी के पहचान के तौर पर पांच प्रमुख रंग के प्रमाण पत्र ही नागरिकों के पहचान होंगे ,इसके अतिरिक्त (कुल ,धर्म ,जाति ,लिंग ,क्षेत्र) उनकी कोई पहचान नही होगी.पहला सफ़ेद दूसरा पीला तीसरा हरा और चौथा नीला तथा पांचवा लाल कार्ड बना होगा . हम जानते है गांव में आज भी बस्तीयां होती हैं. पाठक बस्ती, मिसिर बस्ती, यादव बस्ती, चमार बस्ती, नाई बस्ती, जोलहा बस्ती, पंजाबी टोला , मल्लाह बस्ती, इत्यादि जो की जाति पोषक हैं. इसे समाप्त करना हैं तो कॉलोनी बनानी होगी. ए ब्लॉक, ब ब्लॉक जहां जाति धर्म के नाम पर लोग बिखरे नहीं होंगे.

जाति,मजहब के नाम पर कही कोई सामाजिक-राजनीतिक संगठन नहीं होगा(वैवाहिक विज्ञापन matrimonial तक में भी इनका जिक्र नहीं होना चाहिए)किसी दुकान,मकान पर इनका इस्तेमाल नहीं होगा. टोपी, पगड़ी, चोटी लगाना अपराध नहीं होगा पर इसे धार्मिक प्रतिक नहीं माना जाएगा.अगर इनके प्रतिक के आधार पर कोई सामाजिक, राजनीतिक, संगठन बनाता हैं, दुकान मकान पर तस्वीर लगाता हैं तो यह अपराध माना जाएगा .स्कूल, संसद और कोर्ट में यह निषिद्ध होगा. शिक्षा, नौकरी, राजनीति,ठेका, सरकारी योजना इन सब कों आर्थिक आधार पर आरक्षित रखा जाएगा.किसी के पूर्वजों की जाति पूछना जघन्य अपराध होगा. अत: भारत को विकसित होना है. दुनिया से आगे निकलना है. अपने सभी सामाजिक बुराइयों को पीछे छोड़ते हुए आगे बढ़ना हैं तो एक बार इस प्रकार से सोचने की आवश्यकता है.

देश को हमे ऐसे राजनीतिज्ञों के हाथों में बिल्कुल नहीं छोड़ना चाहिए जो हमें सिर्फ धर्म और जाति के चश्मे से देखते हैं, क्योंकि हम चाहे कितनी भी दुनिया - जहां की बाते कर ले भूखे पेट को सिर्फ रोटी ही शांत कर सकती है और इसका कोई दूसरा विकल्प नहीं है.

(सामाजिक एवं राजनीतिक विशेषज्ञ)

भारतीय शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ बंद; सेंसेक्स 1,065 अंक लुढ़का

मुंबई, 20 जनवरी (आईएएनएस)। बढ़ती वैश्विक अस्थिरता के चलते भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को बड़ी बिकवाली देखने को मिली। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,065.71 अंक या 1.28 प्रतिशत कम होकर 82,180.47 और निफ्टी 353.00 अंक या 1.38 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,232.50 पर बंद हुआ।

बाजार में गिरावट का नेतृत्व रियल्टी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और डिफेंस शेयरों ने किया। सूचकांकों में निफ्टी रियल्टी 5.04 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.80 प्रतिशत, निफ्टी इंडिया डिफेंस 2.78 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 2.48 प्रतिशत, निफ्टी एनर्जी 2.22 प्रतिशत, निफ्टी पीएसई 2.14 प्रतिशत और निफ्टी आईटी 2.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

शेयर बाजार में करीब सभी सूचकांक लाल निशान में बंद हुए हैं।

लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में बिकवाली देखने को मिली। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 489.65 अंक या 2.85 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 16,701.05 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,562.30 अंक या 2.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ 58,085.35 अंक पर था।

सेंसेक्स पैक में इटरनल (जोमैटो), बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, बीईएल, कोटक महिंद्रा, ट्रेंट, एशियन पेंट्स, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील और टेक महिंद्रा लूजर्स थे। केवल एचडीएफसी बैंक ही हरे निशान में बंद हुआ है।

बाजार के जानकारों के मुताबिक, बाजार में गिरावट की मुख्य वजह वैश्विक व्यापार फिर से टैरिफ को लेकर चिंताओं का उभरना है। अमेरिका-यूरोप के बीच ग्रीनलैंड को लेकर बढ़े तनाव के कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई प्रमुख यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। इसके अलावा, एफआईआई की लगातार बिकवाली के कारण भी बाजार पर दबाव बना हुआ है।

फ्लेक्सी कैप फंड्स का एयूएम बीते चार वर्षों में 148 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई । भारत के फ्लेक्सी कैप फंड्स का एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बीते चार वर्षों में 148.28 प्रतिशत बढ़ा है। यह जानकारी मंगलवार को जारी की गई एक रिपोर्ट में दी गई।

रिपोर्ट में बताया गया कि बीते पांच वर्षों में शीर्ष फ्लेक्सी कैप फंड्स ने 20 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है।

आईसीआरए एनालिटिक्स की रिपोर्ट में कहा गया कि दिसंबर 2025 में फ्लेक्सी कैप फंड्स का एयूएम बढ़कर 5.52 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो कि दिसंबर 2021 में 2.22 लाख करोड़ रुपए था।

इन फंडों में प्रति माह शुद्ध निवेश पिछले चार वर्षों में लगभग 316 प्रतिशत बढ़कर दिसंबर 2025 में 10,019 करोड़ रुपए हो गया है, जबकि 2021 में यह 2,409 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2026 की शुरुआत से निवेश में 78.44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो मार्च 2025 में 5,615 करोड़ रुपए था।

रिपोर्ट में बताया गया कि निवेशकों के फ्लेक्सी कैप फंड्स की ओर आकर्षित होने की वजह लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक्स में निवेश के लिए निश्चित आवंटन सीमा न होना है।

इसके कारण फंड मैनेजर बाजार की परिस्थिति के अनुसार बिना किसी सीमा के पूरी स्वतंत्रता के साथ किसी भी कैटेगरी के स्टॉक में निवेश कर सकते हैं।

आईसीआरए एनालिटिक्स के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और बाजार डेटा प्रमुख अश्विनी कुमार ने कहा, 'फ्लेक्सी कैप फंडों के फंड मैनेजरों के पास बदलते बाजार की स्थितियों के अनुकूल होने और एक गतिशील दृष्टिकोण अपनाने की लचीलता होती है, जो बेहतर विविधीकरण और जोखिम प्रबंधन सुनिश्चित करता है, जिसमें लार्ज कैप की स्थिरता को मिड और स्मॉल कैप की विकास क्षमता के साथ जोड़ा जाता है। कुमार ने आगे कहा कि निवेशक इन फंडों की ओर आकर्षित होते हैं क्योंकि ये बाजार में मंदी के दौरान मजबूती से टिके रहते हैं और आमतौर पर मिड-कैप या स्मॉल-कैप फंडों की तुलना में बेहतर डाउनसाइड प्रोटेक्शन प्रदान करते हैं।

बाजार में वर्तमान में उपलब्ध लगभग 24 फ्लेक्सी कैप फंडों का औसतन पांच साल का वार्षिक रिटर्न लगभग 16.08 प्रतिशत है, जिनमें से शीर्ष प्रदर्शन करने वाले फंडों ने पांच साल में 20 प्रतिशत से अधिक का वार्षिक रिटर्न अर्जित किया है। फ्लेक्सी कैप फोलियो की संख्या दिसंबर 2021 में 1.10 करोड़ से बढ़कर दिसंबर 2025 में दोगुनी होकर 2.21 करोड़ हो गई है।

बजट 2026 से पहले वित्त मंत्रालय ने गिनाईं उपलब्धियां, टैक्स सुधारों और बड़े ऐलानों पर डाली नजर

नई दिल्ली । केंद्र सरकार 1 फरवरी को केंद्रीय बजट 2026-27 पेश करने की तैयारी कर रही है। इसी बीच, वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को पिछले बजट में की गई अहम घोषणाओं और उन पर हुई प्रगति की जानकारी दी।

वित्त मंत्रालय ने बताया कि फाइनेंस एक्ट 2025 (वित्त अधिनियम 2025) के तहत नए टैक्स सिस्टम यानी न्यू टैक्स रिजीम (एनटीआर) में व्यक्तिगत आयकर ढांचे में बड़े बदलाव किए गए हैं, ताकि टैक्स देने के बाद लोगों के हाथ में ज्यादा पैसा बच सके।

मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि ये बदलाव वित्त वर्ष 2025-26 से लागू हो चुके हैं, यानी आकलन वर्ष 2026-27 से इनका असर दिखेगा।

इसके अलावा, इनकम टैक्स बिल 2025 को भी एक अहम कदम बताया गया है। इस बिल के जरिए भारत के छह दशक पुराने प्रत्यक्ष कर कानून को बदलने की तैयारी है। सरकार का उद्देश्य है कि नए कानून से निवेशकों का भरोसा बना रहे, टैक्सपेयर्स को राहत मिले और टैक्स व्यवस्था को आसान बनाया जा सके।

टैक्स नीति में किए गए सुधारों में कॉरपोरेट टैक्स और व्यक्तिगत टैक्स दोनों शामिल हैं। जो कंपनियां तय की गई छूट और कटौतियों का लाभ नहीं लेती हैं, उनके लिए टैक्स दर 22 प्रतिशत रखी गई है। वहीं, नई मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों के लिए एक तय समय तक टैक्स दर 15 प्रतिशत तय की गई है। व्यक्तिगत आयकर के मामले में, नए टैक्स सिस्टम में आसान स्लैब और कम टैक्स दरें दी गई हैं, साथ ही छूट भी बढ़ाई गई है, जिसके तहत 12 लाख रुपए तक की आय वाले लोगों को टैक्स नहीं देना होगा। सैलरी पाने वाले कर्मचारियों के लिए यह सीमा 12.75 लाख रुपए तक हो जाती है, क्योंकि उन्हें 75,000 रुपए की स्टैंडर्ड डिडक्शन मिलती है।

फाइनेंस एक्ट 2025 के तहत धारा 10 (23एफई) के फायदे भी बढ़ाए गए हैं। इसके अनुसार, योग्य सॉवरेन वेल्थ फंड (एसडब्ल्यूएफ) और पेंशन फंड अब 31 मार्च 2030 तक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश कर सकते हैं और उन्हें डिविडेंड, ब्याज और लंबी अवधि के पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) पर टैक्स से छूट मिलती रहेगी।

वित्त मंत्रालय ने यह भी बताया कि इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर (आईएफएससी) से जुड़े अतिरिक्त कामकाज और तारीख बढ़ाने से जुड़े नियमों को फाइनेंस एक्ट 2025 के जरिए पूरी तरह लागू कर दिया गया है। ये बदलाव 1 अप्रैल 2025 से प्रभावी हो गए हैं।

मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड्स (एआईएफ) के लिए 'कराधान की निश्चितता' यानी टैक्स को लेकर स्पष्टता देने का वादा पूरा किया है। अब प्रतिभूतियों से होने वाली आय को लेकर टैक्स नियम साफ कर दिए गए हैं, जिससे निवेशकों को भरोसा मिलेगा।

इसके साथ ही, आईएफएससी से जुड़े अतिरिक्त नियमों और समय-सीमा में बढ़ोतरी को भी फाइनेंस एक्ट 2025 के तहत पूरी तरह लागू कर दिया गया है और ये नियम 1 अप्रैल 2025 से प्रभावी हो चुके हैं।

पीएम-वीबीआरवाई योजना से 81 प्रतिशत नियोता परिचित, बड़े संगठनों में जानकारी सबसे ज्यादा : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में करीब 81 प्रतिशत नियोक्ता या कंपनियां प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के बारे में जानती हैं। बड़े संगठनों में इस योजना की जानकारी सबसे ज्यादा है, जहां 83 प्रतिशत नियोक्ता इससे परिचित हैं। मंगलवार को जारी स्टाफिंग ग्रुप टीमलीज सर्विसेज की रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि स्टार्ट-अप और छोटे कारोबार इस योजना से सबसे ज्यादा फायदा उठा सकते हैं, लेकिन उनमें से केवल 5.4 प्रतिशत नियोक्ताओं को ही इसके बारे में जानकारी है। यह योजना सरकार की ओर से नौकरी बढ़ाने के लिए शुरू की गई है। पीएम-वीबीआरवाई योजना के तहत सरकार औपचारिक कार्यबल (फॉर्मल वर्कफोर्स) में पहली बार नौकरी पाने वाले और ईपीएफओ में नए रजिस्टर कर्मचारियों को सीधे 15,000 रुपए तक का प्रोत्साहन देती है। यह राशि दो हिस्सों में दी जाती है। इसके अलावा, अगर कोई कंपनी नया कर्मचारी रखती है और वह कर्मचारी कम से कम छह महीने तक बना रहता है, तो कंपनी को हर कर्मचारी पर 3,000 रुपए प्रति माह तक का प्रोत्साहन दिया जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 के दूसरे हिस्से में 56 प्रतिशत कंपनियां अपनी वर्कफोर्स बढ़ाने की योजना बना रही हैं, लेकिन इनमें से भी केवल 60.4 प्रतिशत ही इस योजना से परिचित हैं। कुछ सेक्टरों में इस योजना की जानकारी ज्यादा देखने को मिली है। एफएमसीजी सेक्टर में 72.2 प्रतिशत और ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में 64.3 प्रतिशत नियोक्ता इस योजना को जानते हैं। वहीं, शिक्षा सेवाओं जैसे सर्विस सेक्टर में इसकी जानकारी काफी कम, सिर्फ 33.3 प्रतिशत पाई गई है। इससे साफ है कि सरकार को अलग-अलग सेक्टरों में जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। टीमलीज सर्विसेज के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट बालासुब्रमणियन ए. ने कहा कि करीब 19 प्रतिशत नियोक्ता अब भी इस योजना से पूरी तरह अनजान हैं। अगर इस जानकारी के अंतर को दूर किया जाए, तो कंपनियां अपनी क्षमता बढ़ा सकती हैं, कर्मचारियों को लंबे समय तक बनाए रख सकती हैं और भविष्य के लिए मजबूत वर्कफोर्स तैयार कर सकती हैं।

बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एआई का बहुभाषी और वॉयस-आधारित होना जरूरी : अधिकारी

नई दिल्ली । भारत जैसे भाषाई विविधता वाले देश में अगर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लोगों के लिए सच में उपयोगी बनाना है तो उसका बहुभाषी और आवाज के जरिए काम करने वाला होना जरूरी है। इससे भाषा स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने में रुकावट नहीं बनेगी। यह बात डिजिटल इंडिया भाषिनी डिवीजन (डीआईबीडी) के सीईओ अमिताभ नाग ने कही।

अमिताभ नाग ने कहा कि भाषा आधारित एआई से लोगों की भागीदारी बढ़ सकती है, शिकायतों के समाधान में मदद मिल सकती है, डॉक्टरों की रिपोर्ट और दस्तावेज तैयार करना आसान हो सकता है और डिजिटल सार्वजनिक स्वास्थ्य प्लेटफॉर्म ज्यादा लोगों तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने भुवनेश्वर में डीआईबीडी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में केंद्र और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, तकनीकी संस्थानों के प्रतिनिधि और काम करने वाली एजेंसियां शामिल हुईं। यहां देशभर में डिजिटल स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई और इन्हें तेजी से लागू करने पर चर्चा हुई। अमिताभ नाग ने कहा कि जैसे-जैसे डिजिटल स्वास्थ्य सिस्टम पूरे देश में फैल रहे हैं, वैसे-वैसे उनमें एआई का इस्तेमाल अपने आप जरूरी हो जाता है।

इस कार्यक्रम की एक अहम उपलब्धि राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) और डिजिटल इंडिया भाषिनी डिवीजन के बीच हुए समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर करना रहा। इसके तहत एनएचए के डिजिटल स्वास्थ्य प्लेटफॉर्म, जैसे आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) में बहुभाषी अनुवाद सेवाएं और एआई आधारित भाषा सहायता दी जाएगी।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के संयुक्त सचिव किरण गोपाल वास्का ने स्वास्थ्य सेवाओं में भाषा आधारित एआई के व्यावहारिक फायदों पर बात की। उन्होंने बताया कि आवाज को टेक्स्ट में बदलने वाली तकनीक और भाषा समझने वाले एआई टूल डॉक्टरों की समय की समस्या को कम कर सकते हैं। इससे मरीज और डॉक्टर के बीच बातचीत आसान होगी और इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड अपने आप तैयार हो सकेंगे, जिससे कामकाज तेज और बेहतर होगा।

डीआईबीडी राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण को लाभार्थियों और प्रशासन से जुड़े प्लेटफॉर्म पर बहुभाषी और आवाज आधारित समाधान लागू करने में मदद करेगा। इसमें डेटा की सुरक्षा, सिस्टम को सुरक्षित तरीके से जोड़ना और असली उपयोग से सीखकर भाषा मॉडल को बेहतर बनाना शामिल होगा। इस कार्यक्रम में हुई चर्चाएं देश के उस लक्ष्य से जुड़ी थीं, जिसमें एआई आधारित तकनीक के जरिए डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को आगे बढ़ाना और भाषा के कारण किसी को भी पीछे न रहने देना शामिल है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि डिजिटल स्वास्थ्य प्लेटफॉर्म हर भाषा और हर क्षेत्र के लोगों के लिए उपयोगी और आसान हों।

दावोस में केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में निवेश के लिए की अपील

नई दिल्ली । केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) के दौरान दुनिया भर के निवेशकों से भारत के स्वच्छ और हरित ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करने की जोरदार अपील की है।

उन्होंने कहा कि भारत ने सोलर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन और ऊर्जा भंडारण जैसे क्षेत्रों में तेजी से काम किया है और बड़े स्तर पर इन परियोजनाओं को सफलतापूर्वक लागू करने की क्षमता दिखाई है।

दावोस में केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कनाडा की कंपनी ला काइस के अध्यक्ष और सीईओ चार्ल्स एमोंड और सीओओ सारा बुशार्ड के साथ बैठक की, जिसमें भारत में लंबे समय के लिए जलवायु और स्वच्छ ऊर्जा से जुड़े निवेश को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा हुई। जोशी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि बातचीत के दौरान सोलर, पवन और मिश्रित

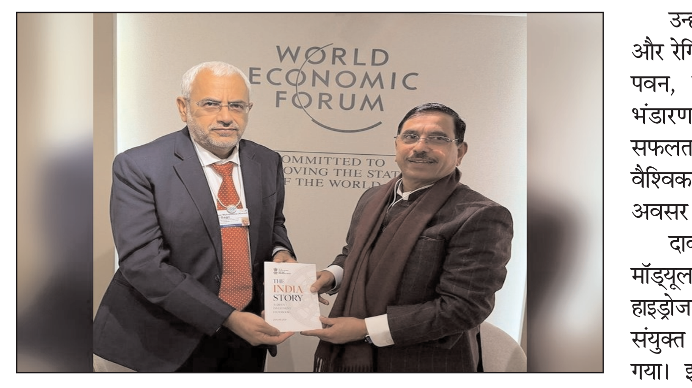

नवीकरणीय परियोजनाओं को बढ़ाने, बिजली ट्रांसमिशन व्यवस्था को मजबूत करने और ग्रीन हाइड्रोजन तथा ऊर्जा भंडारण के नए उपायों पर बात की गई।

उन्होंने पुरजोर सिफारिश की कि 'पार्टनर विद इंडिया' पहल को और बड़े स्तर पर बढ़ाया जाए, ताकि 2030 तक जलवायु कार्यों के लिए तय 400 अरब डॉलर के निवेश का फायदा भारत को मिल सके।

मंत्री ने कहा कि भारत की स्वच्छ ऊर्जा योजनाएं और ला कैस की जलवायु निवेश रणनीति एक-दूसरे से मेल खाती हैं। दोनों का लक्ष्य ऐसे मजबूत और प्रभावी समाधान तैयार करना है, जो भारत को स्वच्छ ऊर्जा की ओर आगे बढ़ाने में मदद करें। प्रल्हाद जोशी ने ओमान के उप प्रधानमंत्री के आर्थिक मामलों के कार्यालय के आर्थिक सलाहकार डॉ. सईद मोहम्मद अहमद अल सकरी के साथ भी बैठक की। इस बैठक में भारत और ओमान के बीच नवीकरणीय ऊर्जा सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा हुई।

उन्होंने बताया कि भारत ने सूखे और रेगिस्तानी इलाकों में भी सोलर, पवन, ग्रीन हाइड्रोजन और ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया है, जो वैश्विक निवेशकों के लिए अच्छे अवसर पैदा करता है।

दावोस में हुई चर्चाओं में सोलर मॉड्यूल, इलेक्ट्रोलाइजर और ग्रीन हाइड्रोजन के निर्माण और निर्यात में संयुक्त सहयोग पर भी ध्यान दिया गया। इसके साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा से चलने वाले हाइड्रोजन हब, एकीकृत ऊर्जा परियोजनाओं और बंदरगाह आधारित निर्यात ढांचे में निवेश को बढ़ावा देने की बात कही गई।मंत्री ने बताया कि भारत-ओमान व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए), संयुक्त निवेश कोष और इंटरनेशनल सोलर अलायंस के तहत सहयोग का इस्तेमाल कर वैश्विक ग्रीन एनर्जी ग्रिड, 'वन सन वन वर्ल्ड वन ग्रिड (ओएसओडब्ल्यूओजी) जैसे अभियानों से जुड़ने पर भी चर्चा हुई।

बढ़ते वैश्विक तनावों के बीच सोने-चांदी की कीमतों में तेज उछाल, बनाया एक और नया रिकॉर्ड

बढ़ते वैश्विक तनावों के बीच सोने और चांदी ने मंगलवार के कारोबारी सत्र में एक और नया रिकॉर्ड बना लिया है।

एमसीएक्स पर कीमती धातुओं की कीमतें पिछले दिन के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। गोल्ड फरवरी वायदा 1,47,996 रुपए प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, तो वहीं सिल्वर मार्च वायदा 3,19,949 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

सोमवार के ट्रेडिंग सेशन में एमसीएक्स पर फरवरी डिलीवरी वाला सोना जहां रिकॉर्ड 1,45,500 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया था, तो वहीं मार्च डिलीवरी वाली चांदी 3,01,315 रुपए प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी।

वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर सिल्वर की कीमत 94.320 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई। तो वहीं गोल्ड 4,708.10 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। इससे पहले के सत्र में सोने ने 4,689.39 डॉलर प्रति औंस का रिकॉर्ड स्तर छुआ था।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ग्रीनलैंड से जुड़े बयानों और टैरिफ की धमकियों से वैश्विक तनाव बढ़ गया है, जिससे निवेशकों ने सुरक्षित निवेश यानी सेफ-हेवन विकल्पों की ओर रुख किया।

खबर लिखे जाने तक एमसीएक्स पर फरवरी डिलीवरी वाला सोना 1.55 प्रतिशत यानी 2,255 रुपए की तेजी के साथ 1,47,894 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जबकि मार्च डिलीवरी वाली चांदी 7,279 रुपए यानी 2.35 प्रतिशत की उछाल के साथ 3,17,554 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी।यह तेजी उस समय आई थी जब राष्ट्रपति ट्रंप ने ग्रीनलैंड मुद्दे का विरोध करने वाले आठ यूरोपीय देशों पर नया टैरिफ लगाने का ऐलान किया। कीमती धातुओं में यह उछाल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ग्रीनलैंड मुद्दे का विरोध करने वाले आठ यूरोपीय देशों पर नए टैरिफ लगाने की धमकी के बाद आई।

राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को कहा कि ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए बल प्रयोग की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी दोहराया कि यूरोपीय देशों से अमेरिका आने वाले सामान पर टैरिफ लगाने की धमकी पर वे अमल करेंगे।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि वे यूरोपीय संघ के 'एंटी-कोएरशन' तंत्र को लागू करने की मांग करेंगे। वहीं, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने संयम बरतने की अपील की। इसके अलावा, डेनमार्क द्वारा ग्रीनलैंड में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने के फैसले से भू-राजनीतिक अनिश्चितता और बढ़ गई है।

बाजार इस बात पर भी नजर रखे हुए हैं कि कहीं ट्रंप प्रशासन अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के खिलाफ कोई कदम तो नहीं उठाएगा। इससे केंद्रीय बैंक की स्वतंत्रता को लेकर चिंता बढ़ी है, जिसका फायदा भी कीमती धातुओं को मिल रहा है।

इसके साथ ही, अमेरिका में आगे और ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें भी सोने और चांदी की कीमतों को सहारा दे रही हैं। साल 2025 में भी ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों से इन धातुओं को काफी सपोर्ट मिला था।

विशेषज्ञों के अनुसार, कीमती धातुओं में आई यह तेजी सुरक्षित निवेश के साथ-साथ चांदी की औद्योगिक मांग को भी दिखाती है। चांदी का उपयोग सोलर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में बढ़ रहा है।

विश्लेषकों ने कहा कि तकनीकी रूप से कॉमेक्स पर चांदी का रुख अभी मजबूत बना हुआ है। 85 से 88 डॉलर प्रति औंस का स्तर आने वाले समय में कीमतों को सहारा दे सकता है।

दावोस में मुख्यमंत्री फडणवीस की अगुवाई में निवेश के लिए कई हजार करोड़ के एमओयू पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली । मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्लूईएफ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। इसी बीच, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में महाराष्ट्र सरकार और मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने देश-विदेश की कई प्रतिष्ठित कंपनियों और वैश्विक संस्थानों के साथ बड़े पैमाने पर समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

महाराष्ट्र में रियल एस्टेट, लॉजिस्टिक्स, स्टील, नवीकरणीय ऊर्जा, आईटी-आईटीईएस, डेटा सेंटर, शहरी परिवहन और सतत औद्योगिक विकास जैसे सेक्टर में निवेश के लिए समझौते हुए हैं।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दावोस में अलग-अलग कारोबारियों से भी मुलाकात की। मुख्यमंत्री कार्यालय ने भी जानकारी दी कि दावोस में डब्लूईएफ में अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन के हेड और एग्जीक्यूटिव कमेटी के सदस्य जेफ मेरिट के साथ सीएम देवेंद्र फडणवीस ने चर्चा की, जिसमें ग्लोबल इंडस्ट्रियल बदलावों और भविष्य में एंटरप्राइज डेवलपमेंट में सस्टेनेबल इनोवेशन की भूमिका पर चर्चा शामिल थी।

मुख्यमंत्री ने इंगका ग्रुप (आईकेईए रिटेल) के सीईओ और अध्यक्ष जुवेंसियो मैएज्यु से भी मुलाकात की। उन्होंने महाराष्ट्र में आईकेईए के विस्तार और बड़े पैमाने पर निवेश को लेकर चर्चा की। फडणवीस ने कहा कि आईकेईए की भारत के लिए योजनाओं के बारे में जानकर अच्छा लगा और उन्होंने महाराष्ट्र में उनके बिजनेस के लिए केंद्र सरकार की ओर से मिले सहयोग के लिए उनका धन्यवाद किया।

मुंबई में लॉजिस्टिक्स सेक्टर के लिए 20 बिलियन डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। गढ़चिरौली और विदर्भ में स्टील सेक्टर के लिए 20 हजार करोड़ रुपए का समझौता हुआ। पालघर में स्टील सेक्टर के लिए बीएफएन फोर्जिंग्स और महाराष्ट्र सरकार ने 565 करोड़ रुपए की डील की है।

रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में महाराष्ट्र सरकार और योकी ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड ने चार हजार करोड़ रुपए का समझौता किया। इसी तरह मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में आईटी-डेटा सेंटर को लेकर महाराष्ट्र सरकार और लोढ़ा डेवलपर्स लिमिटेड के बीच एक लाख करोड़ रुपए के एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, देवेंद्र फडणवीस ने डब्लूईएफ शिखर सम्मेलन में कोका-कोला कंपनी के सीवीपी माइकल गोल्ट्जमैन से मिलकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'हमने कोका-कोला के विस्तार की इच्छा और महाराष्ट्र के जामनेर जैसे संभावित विकल्पों पर बहुत सकारात्मक चर्चा की। मैंने उन्हें महाराष्ट्र की जीसीसी पॉलिसी, बेहतर क्वालिटी के खाने और महाराष्ट्र में सहयोग के कई अवसरों के बारे में भी बताया।

आम बजट 2026-27: एक फरवरी को देश के सबसे नए एसचेंज एमएसई में भी होगा कारोबार, कर पाएंगे शेयरों की खरीद-बिक्री

मुंबई । देश के सबसे नए स्टॉक एक्सचेंज मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज (एमएसई) में भी आम बजट के दिन एक फरवरी को कारोबार होगा। यह जानकारी एक्सचेंज की ओर से दी गई।

एक फरवरी 2025 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से आम बजट 2026-27 संसद में पेश किया जाएगा।एमएसई की ओर से जारी किए गए सर्कुलर में कहा गया, 'आम बजट पेश होने के कारण एक फरवरी को मानक समय के अनुसार लाइव ट्रेडिंग सत्र का आयोजन किया जाएगा।

एक अन्य सर्कुलर में एमएसई ने कहा कि एक फरवरी को इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में भी ट्रेडिंग होगी। एमएसई से पहले बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) भी बजट के दिन स्पेशल ट्रेडिंग सत्र आयोजित करने की घोषणा कर चुके हैं।बीएसई और एनएसई की तरह एमएसई में सुबह 9 बजे से लेकर सुबह 9:08 तक का प्री ओपनिंग सत्र होगा, जबकि सामान्य ट्रेडिंग सुबह 9:15 बजे से लेकर शाम 3:30 बजे तक होगी।

इससे पहले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की ओर से जारी किए गए सर्कुलर में कहा गया, 'केंद्रीय बजट के चलते, सदस्यों से अनुरोध है कि वे ध्यान दें कि एक्सचेंज 1 फरवरी, 2026 को मानक बाजार समय (सुबह 9:15 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक) के अनुसार लाइव ट्रेडिंग सत्र आयोजित करेगा। इक्विटी सेगमेंट के अलावा, बजट दिवस पर एफएंडओ और कमोडिटी डेरिवेटिव्स भी खुले रहेंगे।

बीएसई ने एक अलग सर्कुलर में कहा कि ट्रेडिंग सदस्यों को सूचित किया जाता है कि टी+0 सेटलमेंट सत्र और सेटलमेंट डिफॉल्ट के लिए नीलामी सत्र रविवार, 1 फरवरी, 2026 को आयोजित नहीं किए जाएंगे।

95 प्रतिशत भारतीय कर्मचारी अपने कौशल में आश्वस्त, केवल 64 प्रतिशत संतुष्ट: रिपोर्ट

नई दिल्ली । मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लगभग 95 प्रतिशत कर्मचारियों ने अपने कौशल में विश्वास जताया है, हालांकि केवल 64 प्रतिशत ने ही अपनी नौकरियों से संतुष्ट होने की बात कही है। मैनपावरग्रुप इंडिया की यह रिपोर्ट, जिसमें भारत के 1,000 से अधिक कर्मचारियों की प्रतिक्रियाएं ली गई हैं, काम की तेजी से बदलती दुनिया में कर्मचारी कल्याण, नौकरी की संतुष्टि और आत्मविश्वास के एक जटिल परिदृश्य को उजागर करती है।

निष्कर्षों से पता चला है कि भारत में कर्मचारी कौशल और आत्मविश्वास के उच्चतम स्तर की रिपोर्ट करते हैं, जिसमें 95 प्रतिशत कर्मचारी अपने काम को करने की अपनी क्षमताओं में विश्वास व्यक्त करते हैं। लगभग 90 प्रतिशत कर्मचारियों ने करियर विकास के अवसर मिलने की बात कही, 84 प्रतिशत ने पदोन्नति के अवसरों का उल्लेख किया और 90 प्रतिशत एआई (ढ्ढ) के उपयोग में आश्वस्त हैं। हालांकि लोग आज जो कर रहे हैं उसमें आश्वस्त हैं, लेकिन वे इस बात को लेकर अनिश्चित बने हुए हैं कि वे भविष्य में आने वाले बदलावों के साथ कैसे तालमेल बिठाएंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह आत्मविश्वास पूरी तरह से नौकरी की संतुष्टि या वफादारी में नहीं बदल सका, क्योंकि केवल 64 प्रतिशत कर्मचारी ही संतुष्ट थे। इसमें मध्यम से उच्च दैनिक तनाव (53 प्रतिशत) का भी उल्लेख किया गया है। मैनपावरग्रुप इंडिया और मिडिल ईस्ट के प्रबंध निदेशक संदीप गुलाटी ने कहा कि जहां नौकरी की संतुष्टि 64 प्रतिशत पर है, वहीं आधे से अधिक कर्मचारी मध्यम से उच्च दैनिक तनाव का अनुभव करते हैं, जबकि 75 प्रतिशत कार्यभार और लंबे घंटों के कारण 'बर्नआउट' की रिपोर्ट करते हैं। लगभग आधी कार्यबल 'जॉब हगिंग' (पुरानी नौकरी से चिपके रहना) चुन रही है, जबकि कई अन्य नए अवसरों की तलाश जारी रखे हुए हैं। जहां ब्लू-कॉलर कर्मचारियों ने सबसे कम समग्र कल्याण (68 प्रतिशत) की सूचना दी, वहीं जेन जी (त्नद्गठ्ठ) महिलाओं (64 प्रतिशत) ने सबसे अधिक दैनिक तनाव दर्ज किया। दूसरी ओर, मध्य प्रबंधक (95 प्रतिशत) और व्हाइट-कॉलर कर्मचारी या वरिष्ठ प्रबंधक (94 प्रतिशत) अपने काम में सबसे अधिक अर्थ और उद्देश्य पाते हैं।

27 वर्ष की उम्र में ही शांति की खोज में लग गये थे गौतम बुद्ध

बुध पूर्णिमा न केवल बौध धर्म के अनुयायियों के लिए बल्कि सम्पूर्ण मानव जाति के लिये एक महत्वपूर्ण दिन है। इस साल यह 30 अप्रैल को मनाया गया। बुध पूर्णिमा को बुद्ध जयंती और उनके निर्वाण दिवस के रूप में जाना जाता है। यानी यही वह दिन था जब बुद्ध ने जन्म लिया, शरीर का त्याग किया था और मोक्ष प्राप्त किया। भगवान बुद्ध को भगवान विष्णु का 9वां अवतार माना जाता है, इस दृष्टि से हिन्दू धर्मावलम्बियों के लिये भी उनका महत्व है।

बुद्ध संन्यासी बनने से पहले कपिलवस्तु के राजकुमार सिद्धार्थ थे। शांति की खोज में वे 27 वर्ष की उम्र में घर-परिवार, राजपाट आदि छोड़कर चले गए थे। भ्रमण करते हुए सिद्धार्थ काशी के समीप सारनाथ पहुंचे, जहाँ उन्होंने धर्म परिवर्तन किया। यहाँ उन्होंने बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचे कठोर तप किया। कठोर तपस्या के बाद सिद्धार्थ को बुद्धत्व ज्ञान की प्राप्ति हुई और वह महान संन्यासी गौतम बुद्ध के नाम से प्रचलित हुए और अपने ज्ञान से समूचे विश्व को ज्योतिर्मय किया। बुद्ध ने जब अपने युग की जनता को धार्मिक-सामाजिक, आध्यात्मिक एवं अन्य यज्ञादि अनुष्ठानों को लेकर अज्ञान में घिरा देखा, साधारण जनता को धर्म के नाम पर अज्ञान में पाया, नारी को अपमानित होते देखा, शुद्रों के प्रति अत्याचार होते देखे-तो उनका मन जनता की सहानुभूति में उद्वेलित हो उठा। वे महलों में बंद न रह सके। उन्होंने स्वयं प्रथम ज्ञान-प्राप्ति का व्रत लिया था और वर्षों तक वनों में घूम-घूम कर तपस्या करके आत्मा को ज्ञान से आलोकित किया। स्वयं ने सत्य की ज्योति प्राप्त की और फिर जनता में बुराइयों के खिलाफ आवाज बुलन्द किया। गौतम बुद्ध ने बौद्ध धर्म का प्रवर्तन किया और अत्यन्त कुशलता से बौद्ध भिक्षुओं को संगठित किया और लोकतांत्रिक रूप में उनमें एकता की भावना का विकास किया। इसका अहिंसा एवं करुणा का सिद्धांत इतना लुभावना था कि सम्राट अशोक ने दो वर्ष बाद इससे प्रभावित होकर बौद्ध मत को स्वीकार किया और युद्धों पर रोक लगा दी। इस प्रकार बौद्ध मत देश की सीमाएं लांघ कर विश्व के कोने-कोने तक अपनी ज्योति फैलाने लगा। आज भी इस धर्म की मानवतावादी, बुद्धिवादी और जनवादी परिकल्पनाओं को नकारा नहीं जा सकता और इनके माध्यम से भेद भावों से भरी व्यवस्था पर जोरदार प्रहार किया जा सकता है। यही धर्म आज भी दुःखी एवं अशान्त मानवता को शान्ति प्रदान कर सकता है। ऊँच-नीच, भेदभाव, जातिवाद पर प्रहार करते हुए यह लोगों के मन में धार्मिक एकता का विकास कर रहा है। विश्व शान्ति एवं परस्पर भाईचारे का वातावरण निर्मित करके कला, साहित्य और संस्कृति के विकास के मार्ग को प्रशस्त करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

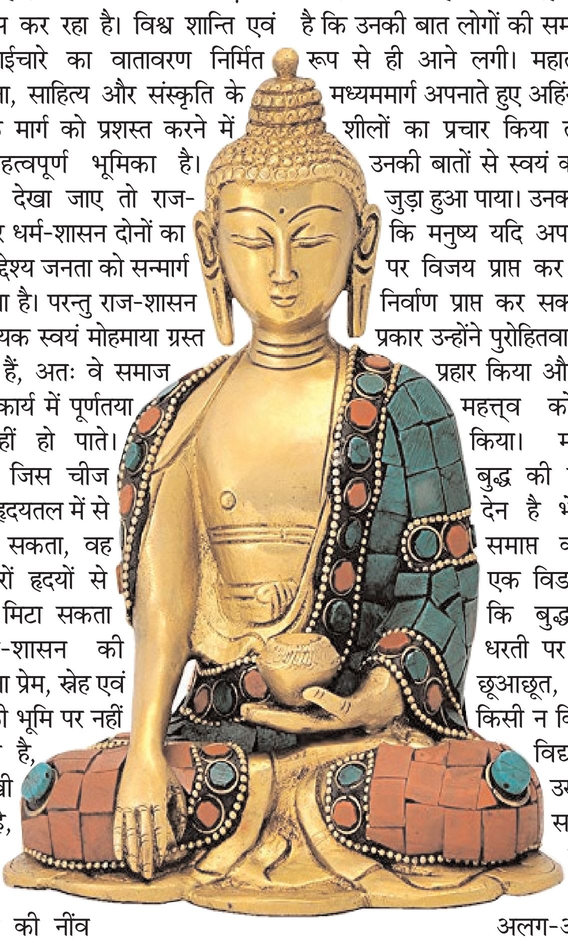

वास्तव में देखा जाए तो राज-शासन और धर्म-शासन दोनों का ही मुख्य उद्देश्य जनता को सन्मार्ग पर ले जाना है। परन्तु राज-शासन के अधिनायक स्वयं मोहमाया ग्रस्त प्राणी होते हैं, अतः वे समाज सुधार के कार्य में पूर्णतया सफल नहीं हो पाते। भला, जो जिस चीज को अपने हृदयतल में से नहीं मिटा सकता, वह दूसरे हजारों हृदयों से उसे कैसे मिटा सकता है? राज-शासन की आधारशिला प्रेम, स्नेह एवं सद्भाव की भूमि पर नहीं रखी जाती है, वह रखी जाती है, प्रायः भय, आतंक और दमन की नींव पर। यही कारण है कि राज-शासन प्रजा में न्याय, नीति और शांति की रक्षा करता हुआ भी अधिक स्थायी व्यवस्था कायम नहीं कर सकता। जबकि धर्म-शासन परस्पर के प्रेम और सद्भाव पर कायम होता है, फलतः वह सत्य-पथ प्रदर्शन के द्वारा मूलतः समाज का हृदय परिवर्तन करता है और सब ओर से पापाचार को हटाकर स्थायी न्याय, नीति तथा शांति की स्थापना करता है। बुद्ध अन्ततोगत्वा इसी निर्णय पर पहुंचे कि भारत का यह दुःसाध्य रोग साधारण राजनीतिक हलचलों से दूर होने वाला नहीं है। इसके लिए तो सारा जीवन ही उत्सर्ग करना पड़ेगा, क्षुद्र परिवार का मोह छोड़ कर 'विश्व-परिवार' का आदर्श अपनाना होगा। राजकीय वेशभूषा से सुसज्जित होकर साधारण जनता में घुला-मिला नहीं जा सकता। वहां तक पहुंचने के लिए तो ऐच्छिक लघुत्व स्वीकार करना होगा, अर्थात् भिक्षुत्व स्वीकार करना होगा। संन्यासी बनकर गौतम बुद्ध ने अपने आप को आत्मा और परमात्मा के निरर्थक विवादों में फंसाने की अपेक्षा समाज कल्याण की ओर अधिक ध्यान दिया। उनके उपदेश अधिकतर सामाजिक एवं सांसारिक समस्याओं तक ही सीमित रहे। यही कारण है कि उनकी बात लोगों की समझ में सहज रूप से ही आने लगी। महात्मा बुद्ध ने मध्यममार्ग अपनाते हुए अहिंसा युक्त दस शीलों का प्रचार किया तो लोगों ने उनकी बातों से स्वयं को सहज ही जुड़ा हुआ पाया। उनका मानना था कि मनुष्य यदि अपनी तृष्णाओं पर विजय प्राप्त कर ले तो वह निर्वाण प्राप्त कर सकता है। इस प्रकार उन्होंने पुरोहितवाद पर करारा प्रहार किया और व्यक्ति के महत्त्व को प्रतिष्ठित किया। मानवता को बुद्ध की सबसे बड़ी देन है भेदभाव को समाप्त करना। यह एक विडम्बना ही है कि बुद्ध की इस धरती पर आज तक छूआछूत, भेदभाव किसी न किसी रूप में विद्यमान हैं। उस समय तो समाज छूआछूत के कारण अलग-अलग वर्गों में विभाजित था। बौद्ध धर्म ने सबको समान मान कर आपसी एकता की बात की तो बड़ी संख्या में लोग बौद्ध मत के अनुयायी बनने लगे। कुछ दशक पूर्व डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर ने भारी संख्या में अपने अनुयायियों के साथ बौद्ध मत को अंगीकार किया ताकि हिन्दू समाज में उन्हें बराबरी का स्थान प्राप्त हो सके। बौद्ध मत के समानता के सिद्धांत को व्यावहारिक रूप देना आज भी बहुत आवश्यक है। मूलतः बौद्ध मत हिन्दू धर्म के अनुरूप ही रहा और हिन्दू धर्म के भीतर ही रह कर महात्मा बुद्ध ने एक क्रान्तिकारी और सुधारवादी आन्दोलन चलाया। महात्मा बुद्ध सामाजिक क्रांति के शिखर पुरुष थे। उनका दर्शन अहिंसा और करुणा का ही दर्शन नहीं है बल्कि क्रांति का दर्शन है। उन्होंने केवल धर्म तीर्थ का ही प्रवर्तन नहीं किया बल्कि एक उन्नत और स्वस्थ समाज के लिए नये मूल्य-मानक गढ़े। उन्होंने प्रगतिशील विचारों को सही दिशा ही नहीं दी बल्कि उनमें आये ठहराव को तोड़कर नयी क्रांति का सूत्रपात किया।

बुद्ध ने कहा- पुण्य करने में जल्दी करो, कहीं पाप पुण्य का विश्वास ही न खो दे। समााजिक क्रांति के संदर्भ में उनका जो अवदान है, उसे उजागर करना वर्तमान युग की बड़ी अपेक्षा है। ऐसा करके ही हम एक स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकेंगे। बुद्ध ने समतामूलक समाज का उपदेश दिया। जहां राग, द्वेष होता है, वहां विषमता पनपती है। इस दृष्टि से सभी समस्याओं का उत्स है- राग और द्वेष। व्यक्ति अपने स्वार्थों का पोषण करने, अहं को प्रदर्शित करने, दूसरों को नीचा दिखाने, सत्ता और सम्पत्ति हथियाने के लिए विषमता के गलियारे में भटकता रहता है।

गौतम बुद्ध ने लगभग 40 वर्ष तक घूम घूम कर अपने सिद्धांतों का प्रचार प्रसार किया। वे उन शीर्ष महात्माओं में से थे जिन्होंने अपने ही जीवन में अपने सिद्धांतों का प्रसार तेजी से होता और अपने द्वारा लगाए गए पौधे को वटवृक्ष बन कर पल्लवित होते हुए स्वयं देखा। गौतम बुद्ध ने बहुत ही सहज वाणी और सरल भाषा में अपने विचार लोगों के सामने रखे। अपने धर्म प्रचार में उन्होंने समाज के सभी वर्गों, अमीर गरीब, ऊँच नीच तथा स्त्री-पुरुष को समानता के आधार पर सम्मिलित किया। बुद्ध ने जन-जन के बीच आने से पहले, अपने जीवन के अनुभवों को बांटने से पहले, कठोर तप करने से पहले, स्वयं को अकेला बनाया, खाली बनाया। तप तपा। जीवन का सच जाना। फिर उन्होंने कहा अपने भीतर कुछ भी ऐसा न आने दो जिससे भीतर का संसार प्रदूषित हो। न बुरा देखो, न बुरा सुनो, न बुरा कहो। यही खालीपन का संदेश सुख, शांति, समाधि का मार्ग है। उन्होंने अप्प दीपो भव- अपने दीपक स्वयं बनने की बात कही। क्योंकि दिन-रात संकल्पों-विकल्पों, सुख-दुख, हर्ष-विषाद से घिरे रहना, कल की चिंता में झुलसना, तनाव का भार ढोना, ऐसी स्थिति में भला मन कब कैसे खाली हो सकता है? कैसे संतुलित हो सकता है? कैसे समाधिस्थ हो सकता है? इन स्थितियों को पाने के लिए वर्तमान में जीने का अभ्यास जरूरी है। न अतीत की स्मृति और न भविष्य की चिंता। जो आज को जीना सीख लेता है, समझना चाहिए उसने मनुष्य जीवन की सार्थकता को पा लिया है और ऐसे मनुष्यों से बना समाज ही संतुलित हो सकता है, स्वस्थ हो सकता है, समतामूलक हो सकता है। जरूरत है उन्नत एवं संतुलित समाज निर्माण के लिए महात्मा बुद्ध के उपदेशों को जीवन में ढालने

पैरों को हेल्दी रखने के लिए अप्लाई करें फेसपैक्स

मानसून के मौसम में भीगना तो हर किसी को अच्छा लगता है, लेकिन मौसम में बदलाव अपने साथ कई तरह की परेशानियां लेकर आता है। खासतौर से, इस मौसम में स्किन की खूबसूरती को बरकरार रखने के लिए जरूरी है कि आप उसका अतिरिक्त ध्यान रखें। बारिश में भीगने से पैरों को सबसे ज्यादा नुकसान होता है। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसे पैक्स के बारे में बता रहे हैं, जिसे मानसून के मौसम में आप पैरों पर बेहद आसानी से अप्लाई कर सकते हैं-

मुल्तानी मिट्टी : मुल्तानी मिट्टी न सिर्फ स्किन को बेहतर बनाती है, बल्कि यह डेड स्किन सेल्स को भी आसानी से निकालती है। इसकी मदद से पैक बनाने के लिए मुल्तानी मिट्टी में नीम पाउडर और लैवेंडर का तेल मिक्स करके एक पेस्ट तैयार करें। अब आप इस पेस्ट को पैरों पर लगाकर आधे घंटे के लिए छोड़ दें। अब आप पानी की मदद से पैरों को साफ करें और अंत में जैतून के तेल से पैरों की मसाज करें।

नींबू का रस : नींबू पैरों पर मौजूद सभी कीटाणुओं को खत्म करने में कारगर है, इसलिए बारिश के मौसम में इसका इस्तेमाल काफी अच्छा माना जाता है। अगर बारिश के कारण आपके पैरों में खुजली हो रही हैं तो आप नींबू के रस में सिरका और ग्लिसरीन मिलाएं और अपने पैरों पर लगाएं। इससे आपको काफी राहत महसूस होगी।

हल्दी का पेस्ट : हल्दी में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुण होते हैं, जो आपके पैरों के लिए काफी अच्छा है। इसके इस्तेमाल के लिए आप हल्दी में सादा पानी या फिर गुलाबजल मिक्स करके पेस्ट तैयार करें। अब इस पैक को पैरों पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। जब यह पैक सूख जाए तो आप हल्के गुनगुने पानी से पैरों को धोएं और उसे सुखाने के बाद मॉइश्चराइजर अप्लाई करें।

पुदीने का स्क्रब : बारिश के मौसम में पैरों को स्क्रब करना काफी अच्छा रहता है और इसके लिए आप मिंट बेस्ड क्रीम व स्क्रब का इस्तेमाल करें। दरअसल, पुदीने में एंटीसेप्टिक तत्व होते हैं और यह पैरों से आने वाली बदबू को भी दूर करता है। इसके लिए आप पानी में पुदीने की कुछ पत्तियां डालकर उबालें। जब पानी ठंडा हो जाए तो इसकी मदद से अपने पैरों को साफ करें। आपके पैरों से आने वाली किसी भी तरह की बदबू बेहद आसानी से दूर हो जाएगी। वैसे आप चाहें तो पेपरमिंट ऑयल का इस्तेमाल करके फुट स्क्रब भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

मीठा छोड़ने से सिर्फ वजन ही नहीं होता कम

आज के समय में हर कोई अपनी फिगर को लेकर काफी कॉन्शियस रहता है। यही कारण है कि थोड़ा भी वजन बढ़ने पर लोग डाइटिंग करना शुरू कर देते हैं और इसमें सबसे पहले नंबर आता है मीठा छोड़ने का। अमूमन यह माना जाता है कि मीठा छोड़ने से वजन तेजी से घटता है। यह सच है लेकिन पूरी तरह नहीं। दरअसल, मीठा छोड़ने से आपके वजन पर तो असर पड़ता है ही, साथ ही इससे शरीर में अन्य भी कई बदलाव होते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

हेल्दी हार्ट : जब आप चीनी का सेवन करते हैं तो इससे आपके शरीर में इंसुलिन का स्तर बढ़ता है, जो आपके तंत्रिका तंत्र को भी उत्तेजित करता है। ऐसे में आपका हार्ट रेट और ब्लड प्रेशर बढ़ने लगता है। वहीं जब आप चीनी छोड़ते हैं तो एक सप्ताह में ही आपको अपना ब्लड प्रेशर स्थिर होता हुआ नजर आएगा। इतना ही नहीं, इससे आपका बैड कोलेस्ट्रॉल भी धीरे-धीरे कम होने लगेगा।

स्किन में बदलाव : चीनी से केवल वजन ही नहीं बढ़ता, बल्कि इसके कारण अन्य कई लाइफस्टाइल डिसऑर्डर भी होते हैं, जिसके कारण अक्सर लोगों को चेहरे पर मुंहासों की समस्या का सामना करना पड़ता है। एक अध्ययन से भी यह बात सामने आई है कि जो महिलाएं सोडा व अन्य चीनी युक्त पेय पदार्थ को छोड़ देती हैं, उनकी स्किन काफी अच्छी होती है और उन्हें महंगी क्रीम व कंसीलर का प्रयोग करने की जरूरत नहीं पड़ती।

मूड पर सकारात्मक प्रभाव: आपको शायद यह जानकर हैरानी हो लेकिन चीनी और आपके मूड का भी आपस में संबंध है। एक अध्ययन में यह पाया गया कि जो महिलाएं अपने आहार में आवश्यकता से अधिक मीठे का सेवन करती हैं, उन्हें बहुत अधिक मूड स्विंग्स होते हैं। ऐसे में अगर आप अपनी डाइट से मीठे की मात्रा को कम करती हैं तो इससे धीरे-धीरे आपके मूड पर सकारात्मक प्रभाव नजर आने लगता है।

वजन कम होना : यह तो हम सभी जानते हैं कि मीठा छोड़ने से वजन धीरे-धीरे कम होने लगता है। दरअसल, जब आप चीनी छोड़ देते हैं तो ग्लूकोज की अनुपस्थित कि कारण, शरीर वसा से ऊर्जा के लिए कीटोन बनाना शुरू कर देता है। इसे फैट बर्निंग मोड कहा जाता है। शुरूआती एक सप्ताह में आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन इसके बाद आपका वजन कम होना शुरू हो जाता है।

सुकूनभरी नींद और जोड़ों की समस्या दूर करने में अश्वगंधा का सेवन फायदेमंद

नई दिल्ली । आयुर्वेद में अश्वगंधा को एक बेहद खास औषधि माना गया है। यह कोई नई खोज नहीं है, बल्कि हजारों सालों से इसका इस्तेमाल शरीर और मन को स्वस्थ रखने के लिए किया जाता रहा है। आसान शब्दों में कहें तो अश्वगंधा वह जड़ी-बूटी है जो शरीर को अंदर से ताकत देती है।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में थकान, तनाव, नींद की कमी और कमजोरी आम समस्याएं बन गई हैं। ऐसे में अश्वगंधा एक प्राकृतिक सहारा बन सकती है। इसके नियमित सेवन से शरीर में ऊर्जा बढ़ती है और दिनभर ऊर्जा बनी रहती है। जो लोग जल्दी थक जाते हैं या हमेशा कमजोरी महसूस करते हैं, उनके लिए यह बहुत फायदेमंद मानी जाती है।

अश्वगंधा का सबसे बड़ा फायदा है तनाव कम करना। यह दिमाग को शांत रखती है और चिंता, घबराहट व मानसिक दबाव को कम करने में मदद करती है। जो लोग ज्यादा सोचते हैं या जिन्हें नींद नहीं आती, उनके लिए अश्वगंधा किसी वरदान से कम नहीं है। यह नींद की गुणवत्ता को बेहतर बनाती है और गहरी, सुकूनभरी नींद लाने में सहायक होती है। शारीरिक दर्द और जोड़ों की समस्या में भी अश्वगंधा उपयोगी है। इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण सूजन और दर्द को कम करते हैं। अश्वगंधा के तेल से मालिश करने पर मांसपेशियों को आराम मिलता है और अकड़न दूर होती है।

पुरुषों और महिलाओं, दोनों के लिए अश्वगंधा फायदेमंद है। पुरुषों में यह ताकत, स्टैमिना और हार्मोन संतुलन को बेहतर बनाती है। वहीं महिलाओं में कमजोरी दूर करने, तनाव घटाने और हार्मोनल संतुलन बनाए रखने में मदद करती है।

इसके अलावा, अश्वगंधा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में भी सहायक है। यह शरीर को बीमारियों से लड़ने की ताकत देती है। साथ ही इसके एंटी-एजिंग गुण त्वचा को स्वस्थ रखने और बढ़ती उम्र के असर को धीमा करने में मदद करते हैं।

अश्वगंधा का सेवन पाउडर के रूप में दूध या गुनगुने पानी के साथ किया जा सकता है। हालांकि यह प्राकृतिक औषधि है, फिर भी इसे सीमित मात्रा में लेना चाहिए। किसी गंभीर बीमारी या दवा के साथ लेने से पहले डॉक्टर या आयुर्वेदिक विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर होता है।

'पल्लीचट्टबी' की रिलीज डेट आई सामने, मोशन पोस्टर में दिखा टोविनो थॉमस का दमदार अंदाज

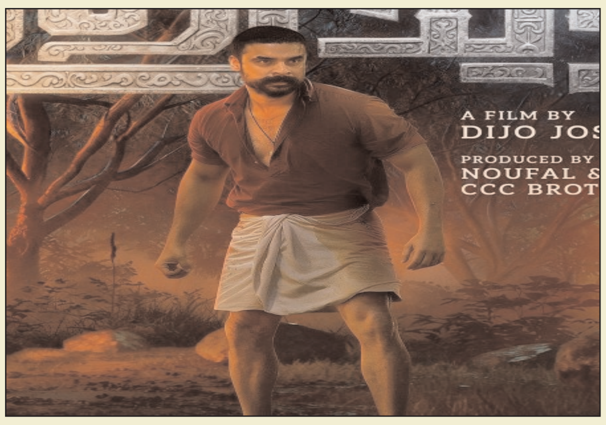

हैदराबाद। मलयालम सिनेमा के लोकप्रिय स्टार टोविनो थॉमस की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पल्लीचट्टम्बी' की रिलीज की तारीख आखिरकार सामने आ गई है। निर्माताओं ने मंगलवार को फिल्म का आकर्षक फर्स्ट-लुक मोशन पोस्टर जारी करते हुए रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है।

फिल्म मेकर्स ने बताया कि यह पीरियड ड्रामा 9 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को हिंदी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम सहित कई भाषाओं में पैन-इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा। बड़े बजट में बनी इस फिल्म का निर्देशन डिजो जोस एंटनी ने किया है। टोविनो थॉमस को खास पहचान फिल्म 'मिन्नल मुरली' से मिली।

अब पैन-इंडिया फिल्म 'पल्लीचट्टम्बी' के जरिए वह बड़े पर्दे पर दर्शकों के सामने आने जा रहे हैं। मेकर्स ने नया मोशन पोस्टर भी जारी किया, जिसमें टोविनो थॉमस एकदम नए और दमदार अंदाज में नजर आए। फिल्म 1950-60 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जहां ऐतिहासिक और सामाजिक मुद्दों को शानदार तरीके से दिखाया गया है।

फिल्म की पटकथा एस. सुरेश बाबू ने लिखी है। फिल्म में टोविनो थॉमस के साथ कयाडू लोहार मुख्य भूमिका में हैं। अन्य महत्वपूर्ण किरदारों में विजयराघवन, सुधीर करमाना, बाबूराज, विनोद और प्रशांत अलेक्जेंडर जैसे कलाकार शामिल हैं। फिल्म की तकनीकी टीम भी मजबूत है। सिनेमोटोग्राफर टिजो टोमी ने किया है, संगीत जेक्स बेजॉय का है। प्रोडक्शन डिजाइन दीलीप नाथ ने संभाला है, जबकि कॉस्ट्यूम मंजूषा राधाकृष्णन और मेकअप रशीद अहमद ने किया है।

फिल्म का निर्माण वर्ल्ड वाइड फिल्म्स और सी क्यूब ब्रदर्स एंटरटेनमेंट्स ने संयुक्त रूप से मिलकर किया है। मुख्य सहयोगी निर्देशक रेनित राज और किरण राफेल हैं। साउंड डिजाइन सिंक सिनेमा ने तैयार किया है।

टोविनो थॉमस को साउथ के साथ ही हिंदी पट्टी के दर्शक भी काफी पसंद करते हैं। उनकी फिल्म 'आइडेंटिटी' साल 2025 में रिलीज हुई थी, जिसमें उनके साथ त्रिशा, विनय राय, अजु वर्गीस और शम्मी थिलकन जैसे कलाकारों ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। हालांकि, उनकी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल दिखाने में असफल रही।

'इंडियन आइडल के वत मैं नासमझ था', अपने करियर को लेकर परलीन गिल ने की खुलकर बात

मुंबई। भारतीय संगीत जगत में 'इंडियन आइडल' जैसे रियलिटी शो ने कई प्रतिभाओं को नई पहचान दी है। इनमें से एक नाम है परलीन गिल का, जिन्होंने शो के माध्यम से अपनी आवाज और अनोखी शैली से दर्शकों का दिल जीता। इस बीच, परलीन गिल ने आईएएनएस से बातचीत में अपने करियर, अनुभव और भविष्य की योजनाओं के बारे में खुलकर चर्चा की। उन्होंने बताया कि उनका सफर केवल एक गायक बनने का नहीं था, बल्कि यह आत्मखोज और जीवन में संतुलन बनाए रखने की यात्रा भी रही है। परलीन गिल ने कहा, ''इंडियन आइडल' मेरे जीवन का वह मोड़ था, जिसने मेरी सोच और करियर दोनों को पूरी तरह बदल दिया। उस समय सोशल मीडिया का प्रभाव इतना व्यापक नहीं था और लोग अधिकतर टेलीविजन पर ही निर्भर थे। शो ने मुझे बड़ा मंच दिया और कई अवसरों की नई दुनिया खोली। शुरुआत में मैं सेना में शामिल होने की तैयारी कर रहा था, लेकिन शो के बाद मैंने पेशेवर गायक बनने का फैसला लिया। यह मेरा पहला बड़ा कदम था और इसी के साथ मेरी असली यात्रा आत्म-खोज भी शुरू हुई।'

संघर्ष की बात करते हुए परलीन ने कहा, ''इंडियन आइडल' के बाद मुझे मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ा। मैं उस समय सिर्फ 19 साल का था और सोनी म्यूजिक के साथ जुड़ा हुआ था। मैंने लगातार भारत और विदेशों में परफॉर्म किया। अगर शारीरिक थकान को संघर्ष माना जाए तो यही सबसे बड़ी चुनौती थी। अवसर और मेहनत मिलकर सफलता की नींव बनाते हैं।'' अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रदर्शन के अनुभव पर परलीन ने कहा, ''विदेशों में रहने वाले भारतीय दर्शक भावनात्मक रूप से अधिक जुड़े हुए होते हैं। जब वे मेरी परफॉर्मेंस देखते हैं तो उन्हें अपने देश की याद आती है और उनका प्यार कई गुना बढ़ जाता है। यह अनुभव मेरे लिए बेहद खास होता है।'' परलीन ने पहले और अब की तुलना करते हुए कहा, 'सबसे बड़ा अंतर समझदारी है। 'इंडियन आइडल' के समय मैं बहुत छोटा और नासमझ था, जैसे समुद्र की लहरें बिना दिशा के बह रही हों। अब मैं जानता हूं कि कब रुकना है, कब आगे बढ़ना है और अपनी यात्रा को स्थिरता के साथ आगे ले जाना है। उन्होंने अपने एक लोकप्रिय गीत 'बंजारा' का जिक्र किया। उनका कहना है कि यह गीत उनके व्यक्तित्व का प्रतिबिंब है और इसे सुनकर लोग उनके जीवन के मूल मूल्यों को समझ सकते हैं। परलीन गिल ने कहा, ''संगीत हमेशा मेरे जीवन का हिस्सा रहेगा। मेरे पिता हमेशा कहते हैं कि यदि आपका जुनून आपका पेशा बन जाए तो सफलता निश्चित है।''

माना शंकरा वरप्रसाद गारू की सफलता से गदगद चिरंजीवी, खास अंदाज में जताया टीम और फैंस का आभार

हैदराबाद । सुपरस्टार चिरंजीवी की हालिया रिलीज फिल्म 'माना शंकरा वरप्रसाद गारू' का बॉक्स ऑफिस पर धमाल जारी है। 12 जनवरी को रिलीज हुई यह एक्शन-कॉमेडी 230 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर चुकी है और यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। अभिनेता ने इस सफलता के लिए न केवल प्रशंसकों बल्कि टीम का भी आभार जताया।

निर्देशक अनिल रविपुडी की यह फिल्म दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। एक्शन, कॉमेडी और इमोशन का शानदार मिश्रण होने की वजह से इसे तेलुगु सिनेमा में ब्लॉकबस्टर का दर्जा मिल चुका है। यह फिल्म न सिर्फ चिरंजीवी के करियर की सबसे बड़ी हिट साबित हुई है, बल्कि इसने अनिल रविपुडी की लगातार सफल फिल्मों की सूची में भी एक और नाम जोड़ दिया है।बॉक्स ऑफिस पर कमाई का सिलसिला जारी है। सफलता से खुश चिरंजीवी ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस और पूरी टीम का दिल से शुक्रिया अदा किया है।

इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करते हुए चिरंजीवी ने फिल्म की टीम और प्रशंसकों को संबोधित करते हुए लिखा, 'फिल्म 'माना शंकरा वरप्रसाद गारू' को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स और सफलता को देखकर मेरा दिल शुक्रगुजार है। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि मेरी जिंदगी आपके प्यार और जुनून से जुड़ी हुई है।

वैलेंटाइन वीक से पहले छाया एल्विश-जन्नत का रोमांस, 'तेरे दिल में' का दिखा जादू

मुंबई। मशहूर कंटेंट क्रिएटर और अभिनेता एल्विश यादव हाल ही में वेब सीरीज 'औकात के बाहर' में नजर आए थे, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। सीरीज को लेकर वे सुर्खियां बटोर ही रहे थे कि उनका नया गाना 'तेरे दिल में' रिलीज कर दिया गया है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। यह गाना इसलिए भी स्पेशल है क्योंकि इसमें एल्विश के साथ अभिनेत्री जन्नत जुबैर नजर आ रही हैं। स्क्रीन पर दोनों की केमिस्ट्री काफी अच्छी लग रही है। गाने में एल्विश और जन्नत एक दूसरे के साथ प्यार भरे अंदाज में नजर आते हैं। यह गाना फैंस को काफी पसंद आ रहा है। वे इसे बार-बार सुन रहे हैं।

जन्नत टीवी की मशहूर अभिनेत्री हैं, और सोशल मीडिया पर भी उनकी काफी पॉपुलैरिटी देखी जाती है। वहीं, एल्विश का क्रेज भी किसी से छुपा नहीं है। इस बात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि 24 घंटे में दोनों के गाने को 4.4 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है। एल्विश यादव और जन्नत जुबैर की इस जोड़ी को फैंस पहले से ही बहुत पसंद करते हैं। दोनों की ऑन-स्क्रीन जोड़ी को फैंस लाफ्टर शेफ से पसंद करते आ रहे हैं। गाने की बात करें तो इसे रितो रिबा ने गाया है। वहीं, इसके लिरिक्स राणा सोतल ने लिखे हैं और रजत नागपाल ने इसे कंपोज किया है। गाने में दिखाया गया है कि एल्विश और जन्नत की लव स्टोरी में दिक्कतें तब आती है, जब लड़की के पिता उसकी शादी जबरदस्ती किसी और से करा रहे होते हैं, लेकिन जन्नत एल्विश के साथ घर छोड़कर चली जाती है।

प्रिया एटली की दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा के साथ एटली परिवार की खुशियां हुई दुगुनी

मुंबई। मशहूर फिल्ममेकर एटली कुमार की पत्नी और निर्माता प्रिया एटली दूसरी बार मां बनने जा रही हैं। दोनों ने दूसरे बच्चे के आने की खुशखबरी सोशल मीडिया के माध्यम से अपने फैंस और दोस्तों के साथ शेयर की।

प्रिया और एटली ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में दोनों के साथ उनका बड़ा बेटा भी नजर आ रहा है। वहीं, बाकी तस्वीरों में एटली और प्रिया नजर आ रहे हैं, तो कुछ में वे अपने पालतू बेकी, युकी, चॉकी, कॉफी और गूफी के साथ भी नजर आ रहे हैं। पोस्ट कर उन्होंने लिखा, 'हमारा घर अब और भी प्यार से भरने वाला है! हां, हम फिर से मम्मी-पापा बनने वाले हैं। उन्होंने आगे लिखा, 'हमें आप सभी का आशीर्वाद, प्यार और दुआएं चाहिए। प्यार सहित, एटली, प्रिया, मीर, बेकी, युकी, चॉकी, कॉफी और गूफी। पोस्ट शेयर करने के बाद एटली परिवार को फैंस और मनोरंजन जगत के लोगों ने भी जमकर नए बच्चे के आगमन की बधाई दी।

करण जौहर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, 'एटली और प्रिया दोनों को बधाई हो।' सामंथा ने लिखा, 'बहुत ही सुंदर, बधाई दो प्रिया।' वहीं, जान्हवी कपूर ने हार्ट इमोजी शेयर करते हुए लिखा, 'बेस्ट,' तो कल्याणी प्रियादर्शन ने हार्ट इमोजी शेयर किए। साउथ एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश और बॉलीवुड एक्टर वीर पहाड़िया ने एटली और प्रिया को पैरेंट्स बनने के लिए शुभकामनाएं दी। गौरतलब है कि यह खुशखबरी इस जोड़ी के लिए एक खास और खूबसूरत पड़ाव है क्योंकि वे अपने परिवार के साथ नए अध्याय की ओर कदम बढ़ा रहे हैं, जहां उनकी खुशियां दोगुनी हो जाएंगी।

एटली और प्रिया की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दरअसल, दोनों की मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी। दोनों ने फिल्म 'राजा रानी' में साथ में काम किया था। फिल्म के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ी और 8 साल तक डेट करने के बाद, 2014 में दोनों शादी के बंधन में बंध गए। दोनों ने 2014 में शादी की और 2023 में बेटे मीर का स्वागत किया।

रियलिटी शो 'द 50' शुरू होने से पहले ही अजय देवगन ने बताया कौन है 'असली शेर', प्रोमो रिलीज

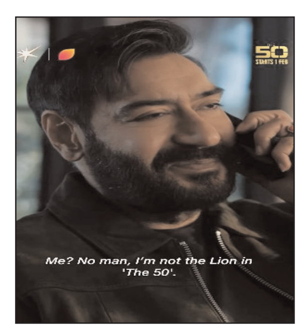

मुंबई। बहुप्रतीक्षित रियलिटी शो 'द 50' को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। वहीं, मेकर्स भी उनकी उत्सुकता बरकरार रखने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं। मंगलवार को उन्होंने बड़े ही मजेदार अंदाज में शो का प्रोमो रिलीज किया।

दरअसल, इस प्रोमो में अभिनेता अजय देवगन नजर आ रहे हैं। यह प्रोमो जियो हॉटस्टार के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया गया है।

प्रोमो में अभिनेता 'द 50' देख रहे होते हैं। उसी समय उनका फोन लगातार रिंग करता है। हर कोई उन्हें फोन करके यकीन दिला रहा है कि वे ही 'द 50 का शेर' हैं, लेकिन अभिनेता लोगों को समझाते हुए मजाकिया अंदाज में डांस स्टेप्स, विवादित टास्क को संभालने और बड़ी सोशल गैदरिंग के बारे में कमेंट्स करते हुए बताते हैं, 'मैं वर्दी वाला शेर हूं।'

इसी के साथ ही अभिनेता 50 कंटेस्टेंट्स को संभालने के आडिया को भी ठुकराते हुए मजाकिया तरीके से कहते हैं कि इतने लोगों के बीच रहना उनके बस की बात नहीं है। आखिरकार परेशान होकर वे साफ-साफ बोलते हैं, 'आखिरी बार बोल रहा हूं, मैं 'द 50' का शेर नहीं हूं।

शो को फैंस में काफी उत्सुकता देखने को मिल रही है, क्योंकि इसके शुरू होने से पहले ही काफी बज बना हुआ है। 'द 50' भारत का सबसे बड़ा रियलिटी शो माना जा रहा है, जिसमें 50 सेलिब्रिटी बिना नियमों के एक महल में प्रतिस्पर्धा करेंगे। शो 1 फरवरी से जियो हॉटस्टार पर रात 9 बजे स्ट्रीमिंग और कलर्स टीवी पर भी प्रसारित होने की संभावना है।

यह शो पारंपरिक रियलिटी शो से अलग है, जो माइंड गेम्स और पावर स्ट्रगल्स पर केंद्रित है।

इस शो में करण पटेल, फैसल शेख (मिस्टर फैसू), दिव्या अग्रवाल, अर्चना गौतम, प्रिंस नरूला, मोनालिसा और उनके पति विक्रांत सिंह राजपूत और प्रतीक सहजपाल समेत कई कंटेस्टेंट नजर आएंगे।

सोनचिरैया के लखना : बॉलीवुड के रियल स्टार, आसमान के सितारों से की दोस्ती, टेलीस्कोप से करते थे 'बातचीत'

मुंबई। बॉलीवुड के चमकते सितारे सुशांत सिंह राजपूत की अदाकारी और मेहनत को हर कोई जानता है, लेकिन शायद बहुत कम लोग जानते हैं कि बचपन से ही उन्हें विज्ञान और अंतरिक्ष के बारे में गहरी रुचि थी।

'सोनचिरैया' के लखना और 'काय पो छे' के ईशान भट्ट के जरिए लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाने वाले बॉलीवुड के रियल स्टार सुशांत छोटी उम्र में ही तारों, ग्रहों और एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी के बारे में सीखना चाहते थे। उनकी आसमान के सितारों से दोस्ती थीं और वह टेलीस्कोप के जरिए उनके बारे में जानने की कोशिश करते थे। सुशांत का जन्म 21 जनवरी 1986 को बिहार के पटना जिले के मलडीहा में हुआ था। वे चार बहनों के इकलौते भाई थे। बचपन में उनका नाम गुलशन था, और स्कूल में इसी नाम से जाने जाते थे। परिवार में सबसे छोटे होने की वजह से उन्हें हमेशा भरपूर प्यार मिला। लेकिन, साल 2002 में उनकी मां का निधन हो गया। इसके बाद उनका परिवार दिल्ली शिफ्ट हो गया। यहां पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने विज्ञान और अंतरिक्ष में अपनी रुचि को और गहरा किया। पढ़ाई में हमेशा से तेज रहने वाले सुशांत ने ऑल इंडिया इंजीनियरिंग एग्जाम (एआईईईई) में सातवां स्थान हासिल किया। उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू की, लेकिन धीरे-धीरे उनका दिल अभिनय की ओर खिंचने लगा। वह श्यामक डावर के डांस ग्रुप में शामिल हुए और थिएटर वर्कशॉप में भाग लेने लगे। मुंबई आने के बाद सुशांत ने बैकग्राउंड डांसर और थिएटर कलाकार के रूप में छोटे-छोटे प्रोजेक्ट किए।

उन्होंने बैरी जॉन की एक्टिंग वर्कशॉप में प्रशिक्षण लिया और धीरे-धीरे छोटे पर्दे की दुनिया में कदम रखा। पहला ब्रेक उन्हें टीवी शो 'किस देश में है मेरा दिल' में मिला, लेकिन असली पहचान उन्हें 'पवित्र रिश्ता' से मिली। इस शो ने उन्हें घर-घर में लोकप्रिय बना दिया और उनका अभिनय दर्शकों के दिलों में बस गया।

बॉलीवुड में कदम रखने के बाद सुशांत ने कई फिल्मों में काम किया। उनकी पहली फिल्म 'काय पो छे' थी, जिसके बाद उन्होंने 'सोनचिरैया', 'शुद्ध देसी रोमांस', 'पीके', 'ब्योमकेश बख्शी', और 'एमएस धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया।

सुशांत सिर्फ अभिनय में ही नहीं, बल्कि मार्शल आर्ट्स, डांस और कैमरे के पीछे के काम में भी काफी निपुण थे। उन्होंने फिल्म 'राज 2' में सहायक निर्देशक के रूप में काम किया और शूटिंग के दौरान तकनीकी ज्ञान को भी गहराई से समझा। एक इंटरव्यू में उन्होंने खुद कहा था कि अगर वे अभिनय की दुनिया में नहीं आते, तो विज्ञान या एयरोस्पेस की दुनिया में होते। उनके पास टेलीस्कोप था, जिससे वह ब्रह्मांड में होने वाली घटनाओं को देख पाते थे।

अभिनेता रणवीर शौरी ने बताया था कि सुशांत ने फिलिप रोथ को पढ़ा था, वाल्डो इमर्सन को भी, वह ईई कमिंग्स को कोट किया करते थे। वह रात में अनंत की ओर देखा करते थे और कहा करते थे कि तारे किस तरह अंतरंग होकर एक-दूसरे को गले लगा रहे हैं। उनके पास 200 किलो का भारी-भरकम टेलीस्कोप था। उन्होंने आसमान की मैपिंग की थी। वह ब्लैक होल और चांद के गड्ढों के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानना चाहते थे।

सुशांत ने मेहनत और प्रतिभा के दम पर कई पुरस्कारों को हासिल किया। खासकर 'एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' के लिए उन्हें भरपूर प्रशंसा मिली। लेकिन, 14 जून 2020 को उनका अचानक निधन हो गया, जो फिल्म इंडस्ट्री और उनके फैंस के लिए बड़ा झटका था।

'थर्सडे स्पेशल' पर शूजित सरकार ने दी प्रतिक्रिया, कहा- 'मुझे इसने 'शू बाइट' की याद दिला दी'

मुंबई। फिल्मों के पर्दे पर अक्सर ऐसी कहानियां नजरअंदाज हो जाती हैं, जो रोजमर्रा के जीवन में गहराई और संवेदनशीलता से भरी होती हैं। ऐसी ही एक कहानी है 'थर्सडे स्पेशल', जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता वरुण टंडन ने निर्देशित किया है। यह शॉर्ट फिल्म बुजुर्ग दंपति के जीवन, उनकी साझा आदतों और प्यार को बेहद सजीव और सटीक तरीके से दिखाती है। फिल्म को अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी मान्यता मिली है और इसने कई पुरस्कार जीते हैं।

फिल्म का निर्माण बॉलीवुड के दो बड़े निर्देशक शूजित सरकार और विक्रमादित्य मोटवाने ने किया है। शूजित सरकार 'पीकू', 'विक्की डोनर', और 'अक्टूबर' जैसी सफल फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने इस फिल्म की तुलना अपनी आने वाली फिल्म 'शू बाइट' से की। इसमें अमिताभ बच्चन मुख्य भूमिका में हैं।

शूजित सरकार ने कहा, ''फिल्म ने 'शू बाइट' की याद दिला दी। वरुण ने साथ, बुढ़ापा और प्यार को बड़ी ही संवेदनशीलता से दिखाया है। फिल्म की कहानी भावनाओं से भरपूर है। इसमें अभिनय, निर्देशन, कैमरा और सेट डिजाइन जैसी हर चीज कहानी को सही तरीके से पेश करने का काम कर रही है।''

शूजित सरकार ने कहा, ''इस फिल्म से जुड़ना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। फिल्म की सादगी और मजबूत कहानी ने मुझे सच में काफी प्रभावित किया।''

फिल्म की कहानी बुजुर्ग दंपति राम और शकुंतला के इर्द-गिर्द घूमती है। उनके रिश्ते की बुनियाद उनका खाने का शौक और हर गुरुवार की परंपरा है। फिल्म दर्शकों को यह दिखाती है कि कैसे छोटे-छोटे जीवन के नियम और आदतें किसी रिश्ते में प्यार और मजबूती ला सकते हैं। यह फिल्म न सिर्फ भावनाओं से जुड़ी है, बल्कि जीवन के हर कदम में साथी और समझ की महत्ता को भी बताती है।

विक्रमादित्य मोटवाने ने फिल्म को लेकर कहा, ''हम अक्सर बड़े और ग्लैमरस विषयों पर ध्यान देते हैं, लेकिन साधारण जीवन में भी बहुत सारी अनकही और अनसुनी कहानियां होती हैं, जिन्हें अब नजरअंदाज कर देते हैं। यह बेहद भावनात्मक होती हैं। फिल्म देखने के बाद दर्शक न केवल अभिनय की तारीफ करेंगे, बल्कि इसके भावनात्मक संदेश पर भी चर्चा करेंगे।''

'थर्सडे स्पेशल' ने अब तक अंतरराष्ट्रीय मंच पर 25 से अधिक पुरस्कार जीते हैं। इनमें न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट नैरेटिव शॉर्ट, एडिलेड इंडिपेंडेंट फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट इंटरनेशनल शॉर्ट फिल्म और ट्रायॉन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट नैरेटिव शॉर्ट शामिल हैं। इसे सर्बिया के कुस्टेनडॉर्फ फिल्म फेस्टिवल 2025 में मोस्ट पोएटिक फिल्म का अवॉर्ड भी मिला।

'शादी के 10 साल और यह सफर अभी भी जारी है,' असिन ने दिखाई एनिवर्सरी सेलिब्रेशन की झलक

मुंबई। फिल्मी दुनिया की चमक-दमक से दूर अभिनेत्री असिन थोट्टुमकल एक बार फिर चर्चाओं में हैं। मंगलवार को उन्होंने शादी की 10वीं सालगिरह के जश्न की झलक साझा की, जिसे उन्होंने बेहद खास और रोमांटिक अंदाज में मनाया।

साउथ से लेकर बॉलीवुड तक अपनी दमदार एक्टिंग से पहचान बनाने वाली असिन भले ही अब फिल्मों में नजर नहीं आतीं, लेकिन उनकी झलक का फैंस आज भी इंतजार करते हैं। खास मौके पर असिन ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी खुशियों को लोगों के साथ साझा किया।

असिन ने अपनी 10वीं वेडिंग एनिवर्सरी के मौके पर इंस्टाग्राम स्टोरीज में कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। इनमें उनके पति और बिजनेसमैन राहुल शर्मा भी नजर आए। एक वीडियो में राहुल शर्मा असिन के लिए मशहूर गायक जॉन लेजेंड का गाना 'ऑल ऑफ मी' गाते दिखाई दिए। इस दौरान असिन की हंसी साफ देखी जा सकती है।असिन ने सबसे पहले एक खूबसूरत सैंड आर्ट की तस्वीर साझा की, जिसे उन्होंने खुद बनाया। इस पर लिखा 'ए+आर = एआर', और इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''शादी के 10 साल पूरे हो चुके हैं और यह सफर अभी भी जारी है।''

इसके बाद असिन ने कुछ वीडियो पोस्ट किए, जिनमें उनकी एनिवर्सरी सेलिब्रेशन की शानदार सजावट देखने को मिली। एक रोमांटिक कैनोपी को लाइटिंग, पर्दे और गुलाब की पंखुड़ियों के साथ खास तरीके से सजाया गया। एक वीडियो के बैकग्राउंड में हॉलीवुड फिल्म टाइटैनिक का मशहूर गाना 'माई हार्ट विल गो ऑन' बज रहा है। इस खास मौके पर असिन ने बेटी आरिन का नोट भी शेयर किया, जिसे उनकी बेटी ने अपने हाथों से लिखा था, 'हैप्पी एनिवर्सरी मम्मी-पापा, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं। पूरी दुनिया में आप सबसे अच्छे मम्पी-पापा हैं।'असिन और राहुल शर्मा की शादी जनवरी 2016 में हुई थी। पहले उनकी शादी ईसाई रीति-रिवाज से हुई और उसके बाद हिंदू परंपरा के अनुसार विवाह संपन्न हुआ। शादी के बाद असिन ने फिल्मी दुनिया से दूरी बना ली। साल 2017 में दोनों आरिन के माता-पिता बने।

बांग्लादेश में एलपीजी संकट, अवामी लीग ने 'सरकार की अनदेखी' को ठहराया जिमेदार

ढाका। बांग्लादेश इन दिनों एक और नए संकट की गिरफ्त में है। आफत आम लोगों की रोटी पर है। देश एलपीजी संकट से जूझ रहा है। अवामी लीग ने इसकी वजह सत्ता की अनदेखी को बताया है।

पार्टी ने मंगलवार को कहा कि पूरे बांग्लादेश में हो रहा गैस संकट मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की लापरवाही का सीधा नतीजा है, जिसने 'सुधार' की आड़ में एक जरूरी पब्लिक सर्विस का बुरा हाल कर दिया है।

पार्टी के अनुसार, बांग्लादेश का ये मौजूदा संकट अचानक नहीं पेश आया; ये किसी वैश्विक परिस्थिति के कारण या आपूर्ति की समस्या से नहीं हुआ, बल्कि इसे टाला जा सकता था। जो हुआ है वो 'शासन की विफलता' है और यूनुस सरकार के 'कुशासन' का एक और उदाहरण है।अवामी लीग ने अपने बयान में कहा, 'यह संकट रातों-रात पैदा नहीं हुआ। बांग्लादेश ने हाल के वर्षों में इससे कहीं ज्यादा बड़े ग्लोबल एनर्जी संकटों का सामना किया है और फिर भी सिस्टम को पूरी तरह से गिरने से रोकने में कामयाब रहा है। हालांकि, आज गैस की कमी बनी हुई है, उपभोक्ता पैसे देने को तैयार है, आयात में कोई दिक्कत नहीं है, इसके बावजूद एलपीजी सिलेंडर बाजार से गायब हैं, और सप्लाई चेन साफ तौर पर अव्यवस्थित हैं। ये कमी के लक्षण नहीं हैं; ये प्रशासनिक पक्षाघात के लक्षण हैं। पार्टी ने कहा कि असल में यह संसाधनों की विफलता नहीं, बल्कि नेतृत्व की विफलता है। आगे कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के तहत, कमी का पूर्वानुमान लगाया गया था और एलएनजी आयात, एलपीजी और सीएनजी सब्सिडी और सक्रिय सरकारी हस्तक्षेप के जरिए इसे मैनेज किया गया था; लेकिन, यूनुस सरकार के तहत इसे बिल्कुल छोड़ दिया गया है। अवामी लीग ने आगे कहा, 'सरकार सुधारों के बारे में जोर-शोर से बात करती रहती है, लेकिन शासन के सबसे बुनियादी काम में विफल रही है, और वह है देश को सही तरीके से चलाना! इसका नतीजा यह हुआ है कि गैस संकट गहरा गया है, जिससे पता चलता है कि कैसे एक मैनेज की जा सकने वाली चुनौती को राष्ट्रीय आपातकाल में बदल दिया गया। एक ऐसा संकट जो होना ही नहीं चाहिए था! पार्टी ने सिस्टम की विफलता को रेखांकित करते हुए आगे कहा, 'गैस संकट शॉर्ट-टर्म रुकावट से आगे बढ़कर सिस्टम की विफलता के चरण में पहुंच गया है। मौजूदा बुनियादी ढांचों और आयात चैनलों के बावजूद, यूनुस प्रशासन आपूर्ति मैनेज करने, बाजारों को नियंत्रित करने, या निरंतरता सुनिश्चित करने में विफल रहा है, जिससे एनर्जी तक पहुंच अनिश्चितता में बदल गई है।

पूर्व पीएम शेर बहादुर देउबा नहीं लड़ेंगे प्रतिनिधि सभा चुनाव

काठमांडू। नेपाल के वरिष्ठ नेता और पांच बार के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने घोषणा की है कि वे 5 मार्च 2026 को होने वाले प्रतिनिधि सभा (एचओआर) चुनाव नहीं लड़ेंगे। देउबा, 1991 से लगातार दादेलधुरा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते आए हैं।

ये घोषणा 19 जनवरी 2026 को देर शाम की गई। देउबा के निजी सचिव भानु देउबा ने सोशल मीडिया पर लिखा: 'नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा आने वाले प्रतिनिधि सभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। यह घोषणा 34 साल की राजनीतिक यात्रा के खत्म होने का संकेत है, जो तब शुरू हुई थी जब 1991 के संसदीय चुनावों में देउबा पहली बार सुदूर-पश्चिमी नेपाल के डडेलधुरा जिले से चुने गए थे।

पिछले कुछ महीनों में कई झटकों के कारण आखिरकार देउबा को एक बार फिर प्रधानमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा छोड़नी पड़ी है। अगर 2024 में के पी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार बनाने के लिए नेपाली कांग्रेस (एनसी) और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड मार्क्सवादी-लेनिनवादी), या सीपीएन (यूएमएल) के बीच हुआ समझौता लागू होता, तो देउबा के हाथ छठी बार प्रधानमंत्री बनने का मौका लगता। समझौते के तहत, ओली और देउबा को अगली संसदीय चुनावों तक, जो सामान्य परिस्थितियों में 2027 में होने थे, बारी-बारी से प्रधानमंत्री पद संभालना था। हालांकि, पिछले साल सितंबर में जेन-जी विद्रोह ने ओली के नेतृत्व वाली सरकार को गिरा दिया, जिससे देउबा के प्रधानमंत्री पद पर लौटने की महत्वाकांक्षा को बड़ा झटका लगा।

79 वर्षीय नेता को एक और झटका जनवरी की शुरुआत में लगा जब नेपाली कांग्रेस ने देउबा की इच्छा के खिलाफ आयोजित एक विशेष आम सम्मेलन (एसजीएम) के माध्यम से गगन थापा को अपना नेता चुना। चुनाव आयोग द्वारा थापा के नेतृत्व वाली पार्टी नेतृत्व को मान्यता देने से देउबा और उनके गुट को रक्षात्मक स्थिति में धकेल दिया गया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट देउबा के नेतृत्व की बहाली के लिए उनकी एकमात्र उम्मीद बनकर उभरा। जैसे ही कई देउबा वफादारों ने उनका साथ छोड़ दिया और थापा के खेमे में शामिल हो गए, देउबा के सचिवालय ने घोषणा की कि वह अब चुनाव नहीं लड़ेंगे।

थापा के नेतृत्व वाली केंद्रीय कार्य समिति ने उस निर्वाचन क्षेत्र से देउबा के वफादार नैन सिंह महर को चुना है। देउबा पिछले 34 सालों से इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते आ रहे थे।देउबा, जो पार्टी के भीतर अपना प्रभाव बढ़ाना चाहते थे, अब अपनी राजनीतिक यात्रा के अंत तक पहुंचते दिख रहे हैं। चुनाव से पीछे हटने के उनके फैसले से नेपाली कांग्रेस के भीतर फूट को टालने में भी मदद मिली होगी। 1990 में लोकतंत्र की बहाली के बाद 1991 के संसदीय चुनावों से देउबा लगातार प्रतिनिधि सभा के सदस्य चुने जाते रहे हैं। उन्होंने पांच बार प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया—पहली बार 1995 में, और उसके बाद 2001, 2004, 2017, और 2021 में। लगातार सात बार चुने जाने और पांच बार प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करने के बाद, देउबा ने ऐसे समय में कदम पीछे खींचे हैं जब थापा के नेतृत्व वाला नया गुट उन्हें टिकट देने को तैयार नहीं था, भले ही उनके कई वफादारों को पार्टी को एकजुट रखने के जानबूझकर किए गए प्रयास में जगह दी गई थी। चूंकि उन्होंने चुनाव न लड़ने का फैसला किया है, इसलिए चुनावी जीत के जरिए सत्ता में लौटने का देउबा का रास्ता पूरी तरह से बंद हो गया है। देउबा का राष्ट्रीय राजनीति से जबरन बाहर होना एक ऐसे नेता के करियर का अंत है जो सीपीएन (यूएमएल) के अध्यक्ष के पी शर्मा ओली और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के समन्वयक पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' के साथ-साथ कई दशकों से नेपाल के राजनीतिक परिदृश्य में एक प्रमुख व्यक्ति रहे हैं।

तीन प्रमुख राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं पर जेन-जी आंदोलन के बढ़ते दबाव के बीच, देउबा आंतरिक विद्रोह के सामने अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने में विफल रहे। जबकि ओली ने हाल ही में एक आम सम्मेलन में अध्यक्ष के रूप में फिर से चुने जाने के बाद अपनी पार्टी पर मजबूत पकड़ बनाए रखी है, प्रचंड ने वामपंथी ताकतों के साथ गठबंधन करके अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश की है। सीपीएन (माओवादी सेंटर), सीपीएन (एकीकृत समाजवादी), और एक दर्जन से अधिक छोटी वामपंथी पार्टियों के विलय के बाद हाल ही में उनकी पार्टी का नाम बदला गया है।

चीन : 'समुद्री जैव विविधता समझौते' के पहली खेप वाला हस्ताक्षरकर्ता देश

बीजिंग । रिपोर्ट के अनुसार, 'समुद्री जैव विविधता समझौता' 17 जनवरी से आधिकारिक रूप से लागू हो गया है, चीन समेत 82 देश और यूरोपीय संघ इसके हस्ताक्षरकर्ता बन चुके हैं। मंगलवार को, चीन की राजधानी पेइचिंग में आयोजित एक नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता कुओ च्याखुन ने इस संबंध में कहा कि 'समझौते' के पहली खेप वाले हस्ताक्षरकर्ता देश और अनुबंधित पक्ष के रूप में, चीन इस समझौते के लागू होने का स्वागत करता है और इसे बधाई देता है।चीनी प्रवक्ता के अनुसार, 'समुद्री जैव विविधता समझौता' संयुक्त राष्ट्र के ढांचे के अंतर्गत एक ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय संधि है। इसके लागू होने से समुद्री क्षेत्र में वैश्विक शासन का एक नया अध्याय खुल गया है और यह बहुपक्षवाद की जीत है। उन्होंने कहा कि चीन हमेशा से ही वास्तविक बहुपक्षवाद का पालन करते हुए संयुक्त राष्ट्र को केंद्र में रखकर बनाई गई अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का समर्थन करता है, और महासागर के संरक्षण और सतत उपयोग को अत्यधिक महत्व देता है। एक जिम्मेदार प्रमुख देश के रूप में, चीन वैश्विक महासागर प्रशासन में गहराई से शामिल है और समझौते के कार्यान्वयन में सकारात्मक योगदान देने की इच्छा और क्षमता रखता है।

दक्षिण कोरियाई विदेश मंत्री चो द्विपक्षीय वार्ता के लिए जाएंगे तुर्की और बेल्जियम

सोल। बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून इस हफ्ते तुर्की और बेल्जियम का दौरा करेंगे। यहां द्विपक्षीय बातचीत के अलावा वे यूरोपियन यूनियन के साथ रणनीतिक वार्ता में भाग लेंगे। मंगलवार को विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी।

मंत्रालय ने बताया कि उनकी चार दिवसीय यात्रा तुर्की से शुरू होगी, जहां बुधवार (स्थानीय समय) को वह तुर्की के अपने समकक्ष हाकान फिदान के साथ बातचीत करेंगे।

योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उप विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ली मून-बे ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि यह आगामी बातचीत पिछले साल नवंबर में राष्ट्रपति ली जे म्युंग की देश की राजकीय यात्रा के बाद एक फॉलो-अप है।ली ने कहा, '(मंत्री) परमाणु ऊर्जा, रक्षा उद्योग, बायो और इंफ्रास्ट्रक्चर सहित प्रमुख द्विपक्षीय परियोजनाओं में हुई प्रगति पर चर्चा करेंगे।

इसके बाद चो बेल्जियम जाएंगे और गुरुवार को यूरोपीय संघ की विदेश मामलों और सुरक्षा नीति की उच्च प्रतिनिधि काजा कैलास के साथ दूसरी रणनीतिक सुरक्षा वार्ता करेंगे।दक्षिण कोरिया और यूरोपीय संघ ने 2010 में सुरक्षा, रक्षा और अर्थव्यवस्था से लेकर व्यापार और विज्ञान और प्रौद्योगिकी तक सहयोग को गहरा करने के लिए संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' तक बढ़ाया। दोनों पक्षों ने 2024 के अंत में रणनीतिक संवाद शुरू किया। ली ने आगे कहा, 'दोनों मंत्री दक्षिण कोरिया-यूरोपीय संघ संबंधों पर व्यापक चर्चा करेंगे और कोरियाई प्रायद्वीप और यूक्रेन में युद्ध सहित क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

ब्रसेल्स में रहते हुए, चो बेल्जियम के उप प्रधान मंत्री और श्रम, अर्थव्यवस्था और कृषि मंत्री डेविड क्लारिनवाल के साथ द्विपक्षीय बातचीत करने की भी योजना बना रहे हैं।

2 जनवरी को, ह्यून ने बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के बीच दक्षिण कोरिया की विदेश नीति के विस्तार का संकल्प लिया था।

चो ने अपने भाषण में कहा, 'जिन मिशनों का प्रभाव सीमित है, उनके लिए हम कुशल पुनर्गठन करेंगे और उन्हें प्रमुख मिशनों पर ध्यान केंद्रित करके मजबूत करेंगे।'

उनकी यह टिप्पणी मीडिया रिपोर्टों के बाद आई थी जिसमें साफ किया गया था कि मंत्रालय ने कई देशों में नए दूतावास खोलने की योजनाओं को रद्द कर दिया है। दरअसल, राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने विस्तार की आवश्यकता पर सवाल उठाया था।

ट्रंप ने उठाया चागोस द्वीप का मुद्दा, यूके के एक फैसले को बताया बेवकूफी भरा

नई दिल्ली। ग्रीनलैंड पर कब्जा करने को अड़े अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चागोस द्वीप का मुद्दा उछाल दिया है। ट्रंप के अनुसार, मॉरीशस को चागोस द्वीप समूह सौंपने का ब्रिटेन का फैसला उन कारणों में से एक है जिनकी वजह से यूएस ग्रीनलैंड पर कब्जा करना चाहता है।

ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में, उन्होंने कहा कि चागोस द्वीप समूह की संप्रभुता मॉरीशस को सौंपने की ब्रिटेन की योजना 'बहुत बड़ी बेवकूफी का काम' है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा: हैरानी की बात है कि हमारा 'शानदार' नाटो सहयोगी, यूनाइटेड किंगडम, अभी डिएगो गार्सिया द्वीप, जो एक महत्वपूर्ण अमेरिकी सैन्य अड्डे की जगह है, को मॉरीशस को देने की योजना बना रहा है, और ऐसा बिना किसी कारण के कर रहा है।

उन्होंने चीन और रूस के फायदे का जिक्र करते हुए कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि चीन और रूस ने कमजोरी के इस काम पर ध्यान दिया है। ये अंतर्राष्ट्रीय शक्तियां हैं जो केवल ताकत को पहचानती हैं, यही वजह है कि मेरे नेतृत्व में संयुक्त राज्य अमेरिका का सिर्फ एक साल में पहले से कहीं ज्यादा मान बढ़ा है।

इसके बाद ट्रंप कहते हैं कि यूके का इतनी महत्वपूर्ण जमीन देना बहुत 'बड़ी बेवकूफी का काम है,' और यह राष्ट्रीय सुरक्षा के उन कई कारणों में से एक है जिनकी वजह से ग्रीनलैंड को हासिल करना जरूरी है। डेनमार्क और उसके यूरोपीय सहयोगियों को सही काम करना होगा।आखिर ये चागोस द्वीप समझौता है क्या, जिसे ग्रीनलैंड के बहाने ट्रंप ने उठाया है? दरअसल, मई 2025 में, यूके ने चागोस द्वीपों पर संप्रभुता मॉरीशस को सौंपने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, लेकिन सबसे बड़े द्वीप, डिएगो गार्सिया को 99 साल के लिए लीज पर ले लिया ताकि वहां एक संयुक्त यूएस-यूके सैन्य अड्डा चलाया जा सके।

यह समझौता पिछली कंजर्वेटिव सरकार के तहत शुरू हुई लंबी बातचीत के बाद हुआ, जब अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने 2019 में कहा था कि यूके को नियंत्रण छोड़ देना चाहिए। द्वीपों से निकाले गए चागोसियन लोगों के लिए 40 मिलियन पाउंड का फंड स्थापित करने के साथ-साथ, यूके ने 99 साल के समझौते के दौरान मॉरीशस को सालाना कम से कम 120 मिलियन पाउंड का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की है, जिसकी कुल लागत नकद शर्तों में कम से कम 13 बिलियन पाउंड होगी।

कंजर्वेटिव पार्टी ने इस सौदे को देश के लिए नुकसानदायक करार दिया था। द गार्डियन के अनुसार, यूके के प्रधानमंत्री, कीर स्टारमर ने उस समय इस समझौते का बचाव करते हुए कहा था कि इस सौदे का 'कोई विकल्प नहीं' था क्योंकि यह 'हमें सुरक्षित रखने के लिए जरूरी' था और इसे 'संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ यूके के सुरक्षा संबंधों में सबसे महत्वपूर्ण योगदानों में से एक' बताया।

यूके ने 1968 में चागोस द्वीप समूह को 3 मिलियन पाउंड में खरीदा और यूके-यूएस सशस्त्र बलों को ठिकाना बनाने के लिए 2,000 लोगों को जबरन विस्थापित किया था।

अमेरिका में कश्मीरी हिंदू समूहों ने 'पलायन दिवस' पर न्याय की मांग फिर से उठाई

वॉशिंगटन। अमेरिका में कश्मीरी हिंदू एडवोकेसी ग्रुप्स ने सोमवार को (भारतीय समयानुसार) समुदाय के लिए न्याय, बहाली और सुरक्षित पुनर्वास की मांग दोहराई। उन्होंने 19 जनवरी को पलायन दिवस के रूप में मनाया। एक बयान में, कश्मीर हिंदू फाउंडेशन और पनुन कश्मीर ने इस तारीख को कश्मीर घाटी से कश्मीरी हिंदुओं के व्यवस्थित विस्थापन की याद दिलाने वाला बताया। ग्रुप्स ने कहा कि 19 जनवरी एक 'जानबूझकर और लगातार जारी जातीय सफाए' की प्रक्रिया का प्रतीक है, जिसने एक मूल समुदाय को उसकी जड़ों से उखाड़ दिया। उन्होंने कहा कि कश्मीरी हिंदुओं ने सिर्फ अपने घर ही नहीं खोए, बल्कि अपनी जड़ें और सांस्कृतिक पहचान भी खो दी।उन्होंने प्रतीकात्मक हाव-भाव, चुनिंदा भूलने की आदत और पर्यटन पर फोकस वाली कहानियों को अपर्याप्त जवाब बताकर खारिज कर दिया। लेखिका, राजनीतिक कमेंटेटर और जोनराजा इंस्टीट्यूट ऑफ जेनोसाइड एंड एट्रोसिटीज स्टडीज की चेयरपर्सन सुनंदा वशिष्ठ ने कहा कि इन अपराधों को एक अकेली ऐतिहासिक घटना के तौर पर नहीं देखा जा सकता।

उन्होंने कहा, 'नरसंहार कोई एक घटना नहीं होता। यह एक लंबी प्रक्रिया होती है, जिसका उद्देश्य किसी खास पहचान वाले समूह को खत्म करना या बहुत कमजोर कर देना होता है। ऐसे समूहों को अपराधी अपने वर्चस्व या पहचान के लिए खतरा मानते हैं।

पनुन कश्मीर के संयोजक डॉ. अग्निशेखर ने कहा कि विस्थापित कश्मीरी हिंदुओं की वापसी और पुनर्वास तभी संभव है जब भारत सरकार मार्गदर्शक प्रस्ताव को अपनाए।उन्होंने कहा कि कोई भी वैकल्पिक तरीका इस मुद्दे के राजनीतिक, सुरक्षा और सभ्यतागत पहलुओं को हल करने में नाकाम रहा। पनुन कश्मीर यूथ विंग की ओर से बोलते हुए नितिन धर ने 'कश्मीरियत' की अवधारणा को खारिज कर दिया।

अमेरिका साइबर संघर्ष में उलझा, राष्ट्रीय ढांचे पर रियल-टाइम हमलों को लेकर सांसदों की चेतावनी

वाशिंगटन। सीनियर अमेरिकी सांसदों ने कहा है कि अमेरिका अपने दुश्मनों के साथ एक सक्रिय और लगातार बढ़ते साइबर संघर्ष में उलझा हुआ है। उन्होंने चेतावनी दी है कि महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर और नेशनल सिस्टम पर हमले रियल टाइम में हो रहे हैं और उन्हें पता लगाना या रोकना मुश्किल होता जा रहा है। सीनेट की सशस्त्र सेना समिति के प्रमुख रोजर विकर ने कहा कि साइबर खतरे अब सिर्फ सैद्धांतिक नहीं रहे। उन्होंने कहा, 'यह कोई थ्योरेटिकल खतरा नहीं है। यह एक जारी लड़ाई है जो अभी भी चल रही है।

विकर ने कहा कि अमेरिकी साइबर कमांड साइबर डोमेन में रक्षा की पहली और आखिरी लाइन बन चुका है, जो ज्यादातर लोगों की नजर से दूर रहकर उन्नत होते दुश्मनों का सामना कर रहा है। उन्होंने चेताया कि दुश्मन ताकतें ऐसी तकनीकों में भारी निवेश कर रही हैं, जो बचने और सुरक्षा प्रणालियों को चकमा देने के लिए डिजाइन की गई हैं। सशस्त्र सेना समिति के प्रमुख ने कहा कि हम इस चुनौती को अपने देश में देख रहे हैं, जहां हमारा जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर बड़े हमलों के प्रति कमजोर बना हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि इसी तरह के खतरे दुनिया भर में दिख रहे हैं, खासकर जब अमेरिका इंडो-पैसिफिक में संभावित टकराव के लिए अपनी साइबर क्षमताओं को मजबूत कर रहा है।

अमेरिकी साइबर कमांड का नेतृत्व करने और राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए) के निदेशक के तौर पर काम करने के लिए नामित लेफ्टिनेंट जनरल जोशुआ रूड ने सीनेटरों से कहा कि साइबर ऑपरेशन अब आधुनिक युद्ध और राष्ट्रीय सुरक्षा से अलग नहीं किए जा सकते। उन्होंने बताया कि एनएसए और साइबर कमांड की खुफिया और परिचालन क्षमताओं के साथ दशकों के अनुभव ने उन्हें यह सिखाया है कि मौजूदा रणनीतिक माहौल में गति, लचीलापन और सभी क्षमताओं का एकीकरण बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा, 'दशकों से मुझे एनएसए और साइबर कमांड की इंटेलिजेंस और ऑपरेशनल क्षमताओं का लीडर, उपभोक्ता, प्रवर्तक, जनरेटर और इंटीग्रेटर बनने का मौका मिला है।

उन्होंने साइबर को एक ऐसा डोमेन बताया जिसमें स्पीड, इंटीग्रेशन और लगातार तैयारी की जरूरत होती है। जोशुआ रूड ने कहा, 'मौजूदा रणनीतिक माहौल में निश्चित रूप से गति, फुर्ती और हमारी सभी क्षमताओं के इंटीग्रेशन की जरूरत है।' उन्होंने यह भी कहा कि साइबर इफेक्ट्स अब मिलिट्री ऑपरेशंस में शामिल हो चुके हैं।

सीनेट समिति के रैंकिंग सदस्य जैक रीड ने चेतावनी दी कि अमेरिका एक कमजोरी की खिड़की में प्रवेश कर रहा है, खासकर तब जब चीन और रूस जैसे प्रतिद्वंद्वी देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सूचना युद्ध के साथ साइबर टूल्स को जोड़ रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या साइबर कमांड इस चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार है, क्योंकि बीते कुछ महीनों से उसके पास सीनेट से पुष्टि प्राप्त नेतृत्व नहीं है और वह 'साइबर कमांड 2.0' के नाम से जाने जाने वाले संरचनात्मक परिवर्तनों से गुजर रहा है। जोशुआ रूड ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की रक्षा करना एक प्राथमिकता बनी हुई है। उन्होंने कहा, 'अमेरिकी लोकतंत्र की प्रक्रिया को कमजोर करने के किसी भी विदेशी प्रयास से सुरक्षा की जानी चाहिए। इस बात पर भी बहस हुई कि क्या अमेरिका को अधिक स्पष्ट आक्रामक साइबर रुख अपनाना चाहिए। सीनेटर डैन सुलिवन ने तर्क दिया कि बचाव के लिए सिर्फ डिफेंस काफी नहीं है। उन्होंने पूछा, 'क्या हमला करना ही सबसे अच्छा बचाव नहीं है?' उन्होंने कहा कि दुश्मनों को लगातार साइबर हमलों के लिए बहुत कम नतीजे भुगतने पड़ते हैं।

यूएस कांग्रेस सदस्यों ने चेताया, एआई चिप तक चीन की पहुंच अमेरिकी सुरक्षा के लिए बड़ा मुद्दा बन चुकी है

वाशिंगटन। अमेरिका के सांसदों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े पूर्व अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अमेरिका और चीन के बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर बढ़ती प्रतिस्पर्धा अब देश की सुरक्षा का बड़ा मुद्दा बन चुकी है। उनका कहना है कि आधुनिक युद्ध, खुफिया तंत्र और आर्थिक ताकत की नींव अब एडवांस्ड एआई चिप्स पर टिकी है। हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के सामने विशेषज्ञों ने बताया कि आने वाले दस वर्षों में एआई की यह दौड़ तय करेगी कि सैन्य शक्ति में आगे कौन रहेगा और क्या अमेरिका चीन पर अपनी तकनीकी बढ़त बनाए रख पाएगा या नहीं।

समिति के अध्यक्ष ब्रायन मास्ट ने साफ शब्दों में कहा कि एआई की दौड़ जीतना अमेरिका की राष्ट्रीय और आर्थिक सुरक्षा दोनों के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि इसका सीधा असर इस बात पर पड़ेगा कि सैन्य ताकत में अमेरिका चीन से आगे रहता है या नहीं।मास्ट के अनुसार, आज एआई का उपयोग सेना के कमांड सिस्टम, निगरानी, साइबर ऑपरेशन और परमाणु हथियारों के आधुनिकीकरण में हो रहा है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मैट पॉटिंजर ने चेतावनी दी कि अगर चीन को एडवांस्ड अमेरिकी एआई चिप्स तक पहुंच दी गई, तो उसकी सैन्य ताकत बहुत तेजी से बढ़ेगी। उनका कहना था कि एनविडिया की एडवांस्ड चिप्स चीन की साइबर युद्ध, ड्रोन और खुफिया क्षमताओं को मजबूत कर सकती हैं। पॉटिंजर ने बताया कि चीन की नीति में जो तकनीक आम उपयोग के लिए बनती है, वही सैन्य कामों में भी जाती है। पूर्व बाइडन प्रशासन अधिकारी जॉन फाइनर ने कहा कि अमेरिका और चीन के बीच एआई अब सबसे अहम प्रतिस्पर्धा का क्षेत्र बन चुका है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस मुद्दे पर लापरवाही भारी पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि चीन तेजी से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को 'महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजी के रूप में देख रहा है जो उनकी आर्थिक और सैन्य महत्वाकांक्षा को सक्षम बनाएगी। इसी वजह से एडवांस्ड चिप्स और सेमीकंडक्टर निर्माण उपकरणों के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंध चीन की रफ्तार को धीमा करने में अहम रहे हैं। विशेषज्ञों ने बताया कि बड़े सरकारी खर्च के बावजूद चीन अभी बड़े पैमाने पर एडवांस्ड सेमीकंडक्टर बनाने में सक्षम नहीं है। खुद चीनी नेताओं ने भी माना है कि इस क्षेत्र में वे अभी पीछे हैं। पॉटिंजर के मुताबिक, चीन विदेशों से एडवांस्ड चिप्स खरीदकर इस कमी को पूरा करने की कोशिश कर रहा है और हर हाल में अमेरिका की बराबरी करना चाहता है।

ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में पेड़ से टकराई कार, दो लोगों की मौत

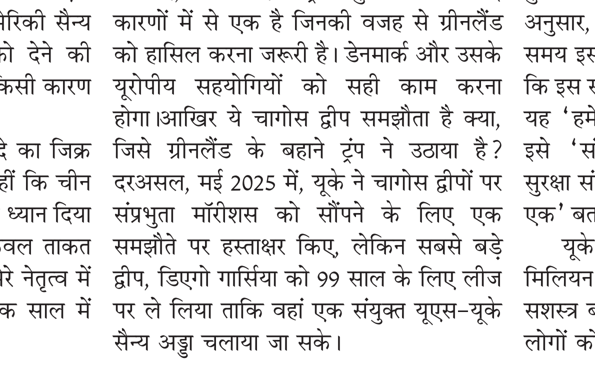

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) राज्य में सिडनी के पश्चिम में मंगलवार सुबह एक कार के पेड़ से टकराने से दो लोगों की मौत हो गई।

शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एनएसडब्ल्यू पुलिस फोर्स ने कहा कि मंगलवार सुबह करीब 10:50 बजे सिडनी से 135 किमी पश्चिम में ब्लैक स्प्रिंग्स नाम के छोटे से शहर के पास एक हादसे की सूचना मिली, जिसके बाद इमरजेंसी सेवाओं को बुलाया गया।सूचना पाकर अधिकारी जब मौके पर पहुंचे, तो पाया गया कि एक पुरुष ड्राइवर और सामने की सीट पर बैठी एक महिला यात्री की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं, कार के पीछे की सीट पर बैठे तीसरे व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

इस बीच, मंगलवार सुबह ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य में मेलबर्न के पश्चिम में एक कार और ट्रेन की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई।मेलबर्न से 120 किमी पश्चिम में क्रेसी नाम के छोटे शहर के पास एक रेलवे क्रॉसिंग पर एक मालगाड़ी के कार से टकराने की खबर मिलने पर इमरजेंसी सेवाओं को बुलाया गया। इस हादसे में कार सवार दो लोग, जिनकी अभी तक औपचारिक रूप से पहचान नहीं हो पाई है, की मौके पर ही मौत हो गई।

स्थानीय मीडिया ने बताया कि मालगाड़ी में कम से कम 60 डिब्बे थे और उसमें सिर्फ एक ड्राइवर और दो स्टाफ सदस्य थे।

सेवन नेटवर्क टेलीविजन द्वारा प्रसारित घटनास्थल की हेलीकॉप्टर फुटेज में ट्रेन की पटरियों के बगल में एक सफेद गाड़ी का मलबा उल्टा पड़ा हुआ दिखाई दिया।

पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि टक्कर के आसपास के हालात अभी पता नहीं चल पाए हैं और मामले की जांच जारी है।

संक्षिप्त खबर

तमिलनाडु विधानसभा का पहला सत्र, राज्यपाल आर.एन. रवि करेंगे सदन को संबोधितं

Photo credit: elections.tn.gov.in

चेन्नई । तमिलनाडु विधानसभा का साल का पहला सत्र मंगलवार को शुरू होगा, जिसमें राज्यपाल आर.एन. रवि सदन को संबोधित करेंगे। परंपरा के अनुसार, विधानसभा पहुंचने पर राज्यपाल का औपचारिक स्वागत किया जाएगा।

स्पीकर एम. अप्पावु और विधान सभा के प्रधान सचिव श्रीनिवासन उन्हें सदन में ले जाएंगे, जहां संबोधन के दौरान स्पीकर राज्यपाल के बगल में बैठेंगे।

हालांकि, राज्यपाल का भाषण एक बार फिर राजनीतिक और प्रक्रियात्मक अनिश्चितता का विषय बन गया है। 2024 और 2025 दोनों में, राज्यपाल रवि ने कार्यक्रम की शुरुआत में राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रगान गाने से इनकार करने का हवाला देते हुए, पारंपरिक संबोधन पढ़ने से परहेज किया था।

इस साल भी इसी तरह का फॉर्मेट होने की उम्मीद है, इसलिए यह सवाल बना हुआ है कि क्या राज्यपाल भाषण देंगे या बिना भाषण दिए चले जाएंगे। उम्मीद है कि दिन में बाद में स्थिति साफ हो जाएगी।

आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार, सत्र की शुरुआत तमिल थाई वाझ्थु (तमिल प्रार्थना) से होगी। इसके बाद राज्यपाल अंग्रेजी में भाषण देंगे। भाषण का तमिल अनुवाद स्पीकर पढ़ेंगे। अगर राज्यपाल भाषण देने से मना करते हैं, तो स्पीकर पूरा टेक्स्ट पढ़ेंगे और औपचारिक रूप से इसे खत्म करेंगे। इसके बाद राष्ट्रगान गाकर कार्यवाही समाप्त होगी। दिन की औपचारिकताएं खत्म होने के बाद, बिजनेस एडवाइजरी कमेटी विधानसभा सत्र की अवधि तय करने के लिए स्पीकर के चैंबर में मिलेगी। इस सत्र के दौरान, सदन पिछले वर्ष अक्टूबर में दिवंगत हुए डीएमके विधायक के. पोन्नुसामी (सेंथामंगलम) के सम्मान में किसी एक दिन कार्यवाही स्थगित कर सकता है। शेष दिनों में सदन राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस कर सकता है। सत्र के कुछ ही दिनों तक चलने की उम्मीद है। यह अन्नाद्रमुक के पूर्व विधायकों केए सेनगोट्टैयन और पॉल मनोज पांडियन के इस्तीफे के बाद यह पहला विधानसभा सत्र भी होगा, जो क्रमशः तमिलागा वेट्री कड़गम और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम में शामिल हो गए हैं। डीएमके और कांग्रेस विधायकों के बीच होने वाली बातचीत, साथ ही पार्टी के संस्थापक एस. रामदास और उनके अलग हो चुके बेटे अंबुमणि रामदास के प्रतिद्वंद्वी गुटों से संबंधित पीएमके सदस्यों के बीच होने वाले किसी भी आदान-प्रदान से सदन में विधायकों का ध्यान आकर्षित होने की उम्मीद है। विधानसभा चुनाव नजदीक होने के कारण, इस सत्र को राजनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ऑल इंडिया अन-?ना द्रविड़ मु-?नेत्र कड़गम और भाजपा सहित विपक्षी पार्टियां, सत्ताधारी पार्टी और सरकार के खिलाफ कई आरोप लगाने की तैयारी कर रही हैं।

पटना में लगाए गए नितिन नबीन के पोस्टर, नेता बोले- युवा नेतृत्व में और आगे बढ़ेगी भाजपा

पटना। नितिन नबीन मंगलवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। इस अवसर पर पटना में कार्यकर्ताओं ने बधाई संदेश देते हुए पोस्टर लगाए हैं। बिहार भाजपा के अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि राज्य के नितिन आज पूरे देश के नितिन बन गए हैं। यह बहुत खुशी का दिन है।

समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में संजय सरावगी ने कहा कि नितिन नबीन विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के अध्यक्ष बन रहे हैं। पूरे बिहार में जश्न का माहौल है। सोमवार से ही मिठाइयां बंट रही हैं। होली और दिवाली का त्योहार एक साथ राज्य में मनाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि नितिन नबीन हर जिम्मेदारी को अच्छे से निभाते हैं और काम को आगे बढ़ाते हैं। उनके नेतृत्व में भाजपा और मजबूती से आगे बढ़ेगी। प्रधानमंत्री मोदी की सोच है कि 2047 तक 'विकसित भारत' का निर्माण हो। नितिन नबीन के नेतृत्व में भाजपा इस दिशा में और तेजी से काम करेगी।

नितिन नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर बिहार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि यह एक नई शुरुआत और युवाओं के बीच भी एक नया संदेश है। पूरे देश के नौजवानों में उत्साह है। 'विकसित भारत' के संकल्प को पूरा करने के लिए नया जोश और एक युवा नेतृत्व भाजपा को आगे बढ़ाएगा।

भाजपा सांसद भोला सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी पार्टी है जो कार्यकर्ताओं को राष्ट्रीय नेतृत्व के पदों तक पहुंचाती है। आज सभी युवा पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए एक प्रेरणादायक पल है। भाजपा प्रवक्ता गुरु प्रकाश पासवान ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। हमने देखा कि जिला और राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक पूरी संगठनात्मक प्रक्रिया लोकतांत्रिक और पारदर्शी तरीके से लागू की गई। भाजपा के सबसे कम उम्र के अध्यक्ष बिहार से बनते हैं तो प्रदेशवासियों के लिए उत्साह और ऊर्जा का वातावरण बनता है। उन्होंने कहा कि नितिन नबीन का संगठन को लेकर अनुभव पुराना है। एक तरीके से यह भाजपा के 'नवीन युग' की शुरुआत है।

नोएडा में जैगुआर और कैंटर में टक्कर, 19 वर्षीय युवती की मौत, तीन गंभीर घायल

नोएडा। उत्तर प्रदेश में नोएडा के थाना सेक्टर-49 क्षेत्र में कैंटर और जैगुआर में टक्कर हो गई, इस दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवती की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार हादसा देर रात उस समय हुआ, जब जैगुआर कार सेक्टर-49 थाना क्षेत्र के अंतर्गत तेज गति से गुजर रही थी। कार सवार युवक एक कैंटर (ट्रक) को ओवरटेक करने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान चालक का वाहन से नियंत्रण बिगड़ गया और कार सीधे ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि जैगुआर कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और सड़क पर अफरा-तफरी मच गई।इस भीषण दुर्घटना में 19 वर्षीय फलक अहमद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार अन्य तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

एनसीआर में प्रदूषण की मार : एक्यूआई 400 के पार, स्मॉग की मोटी चादर से ढका इलाका

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण ने एक बार फिर गंभीर हालात पैदा कर दिए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी), उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) और आईएमडी के एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशनों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के अधिकांश इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लगातार 400 के पार दर्ज किया जा रहा है।

यह स्थिति 'गंभीर' श्रेणी में आती है, जो आम जनजीवन और स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक मानी जाती है। गाजियाबाद की बात करें तो इंदिरापुरम में एक्यूआई 410, लोनी में 435, संजय नगर में 335 और वसुंधरा में 439 दर्ज किया गया। वहीं नोएडा के सेक्टर-125 में एक्यूआई 406, सेक्टर-62 में 385, सेक्टर-1 में 411 और सेक्टर-116 में 409 रिकॉर्ड किया गया। ये आंकड़े साफ तौर पर बताते हैं कि दिल्ली से सटे यूपी के शहर भी प्रदूषण की गंभीर चपेट में हैं।

दिल्ली के हालात और भी चिंताजनक नजर आ रहे हैं। आनंद विहार में एक्यूआई 444, अशोक विहार में 442, रोहिणी में 438, पंजाबी बाग में 436 और पटपड़गंज में 434 दर्ज किया गया। आरके पुरम में एक्यूआई 420, सोनिया विहार में 417, बवाना में 416 और ओखला फेज-2 में 415 रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा चांदनी चौक (408), डीयू (403), शादिपुर (372), सीआरआरआई मथुरा रोड (360), सिरीफोर्ट (398) और श्री अरबिंदो मार्ग (325) जैसे इलाकों में भी हवा बेहद खराब स्थिति में बनी हुई है।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी फिलहाल कोई बड़ी राहत मिलने की संभावना नहीं है। 20 से 22 जनवरी तक मौसम पूर्वानुमान में मध्यम कोहरे की संभावना जताई गई है। अधिकतम तापमान 23 से 24 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 7 से 8 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने किसी तरह की चेतावनी जारी नहीं की है, लेकिन हवा की रफ्तार कम होने और ठंडे मौसम के कारण प्रदूषक कण वातावरण में ही फंसे हुए हैं।

दिलचस्प बात यह है कि कोहरा अपेक्षाकृत कम है और विजिबिलिटी भी ठीक बताई जा रही है, इसके बावजूद पूरे एनसीआर पर स्मॉग की मोटी चादर छाई हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल, औद्योगिक उत्सर्जन और मौसमीय परिस्थितियां मिलकर इस गंभीर स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बच्चों, बुजुर्गों और सांस के मरीजों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। अनावश्यक बाहर निकलने से बचने, मास्क का उपयोग करने और घर के अंदर रहने की अपील की जा रही है। फिलहाल, जब तक मौसम में बदलाव या तेज हवाएं नहीं चलतीं, तब तक एनसीआर के लोगों को प्रदूषण से राहत मिलती नजर नहीं आ रही है।

कर्नाटक सरकार ने आईपीएस अधिकारी को किया निलंबित, वायरल वीडियो के बाद हुई कार्रवाई

बेल्लारी । कर्नाटक सरकार ने आईपीएस अधिकारी और सिविल राइट्स एनफोर्समेंट निदेशालय के महानिदेशक (डीजीपी) डॉ. के. रामचंद्र राव के खिलाफ सामने आए कथित 'हनीट्रैप' और आपत्तिजनक आचरण के मामले में उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

यह कार्रवाई उस समय की गई जब उनसे जुड़ा एक वीडियो और खबरें विभिन्न समाचार चैनलों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल हुईं। सरकार ने मामले की गंभीरता को समझते हुए सबसे पहले डॉ. रामचंद्र राव को निलंबित करने का फैसला लिया ताकि इस प्रकरण को लेकर विधानसभा में सरकार को किसी तरह की असहज स्थिति या राजनीतिक विवाद का सामना न करना पड़े। राज्य सरकार का कहना है कि यह कदम इसलिए भी उठाया गया ताकि विपक्ष इस मुद्दे को राजनीतिक हथियार न बना सके।इस संबंध में कर्नाटक सरकार ने आधिकारिक आदेश जारी किया है। आदेश की प्रस्तावना में कहा गया है कि टीवी चैनलों और मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित वीडियो और समाचार रिपोर्टों में यह देखा गया है कि डॉ. के. रामचंद्र राव का आचरण एक सरकारी सेवक के अनुरूप नहीं है और इससे सरकार की छवि को ठेस पहुंची है।सरकार ने जांच के बाद यह भी स्पष्ट किया कि प्रथम दृष्टया यह आचरण ऑल इंडिया सर्विसेज (कंडक्ट) रूल्स, 1968 के नियम 3 का उल्लंघन है। इसी आधार पर उन्हें जांच पूरी होने तक निलंबित करने का निर्णय लिया गया।आदेश के अनुसार, निलंबन की अवधि के दौरान डॉ. रामचंद्र राव को ऑल इंडिया सर्विसेज (डिसिप्लिन एंड अपील) रूल्स, 1969 के नियम 4 के तहत भत्ता दिया जाएगा। साथ ही, उन्हें राज्य सरकार की लिखित अनुमति के बिना मुख्यालय छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।

राज्य प्रशासन ऐसे मामलों में सख्त रुख अपना रहा है। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी स्तर पर अनुशासनहीनता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भारत का पहला 'रिस्पॉन्सिबल नेशंस इंडेक्स' लॉन्च, आईआईएम मुंबई और जेएनयू की अहम भूमिका, 154 देशों का करेगा आकलन

नई दिल्ली । भारत में पहली बार एक ऐसा वैश्विक स्तर का इंडेक्स लॉन्च किया गया है, जो किसी देश की प्रगति को केवल जीडीपी या आर्थिक आंकड़ों के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी जवाबदेही, नैतिक शासन, पर्यावरणीय जिम्मेदारी और नागरिकों की भलाई के आधार पर मापेगा। इसका नाम 'जिम्मेदार राष्ट्र सूचकांक (रिस्पॉन्सिबल नेशंस इंडेक्स-आरएनआई)' है, जिसे देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की उपस्थिति में लॉन्च किया गया।

इस इंडेक्स के लिए आईआईएम मुंबई, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) और डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर (डीएआईसी) ने वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल फाउंडेशन (डब्ल्यूआईएफ) के साथ मिलकर काम करने की घोषणा की है। इसका मकसद देशों की जिम्मेदारी, नैतिक शासन और लंबे समय की सोच को सामने लाना है। यह साझेदारी वैश्विक स्तर पर जिम्मेदार राष्ट्रों के मूल्यांकन की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

इस पहल के जरिए यह बताया गया कि आज के जटिल वैश्विक माहौल में किसी देश की मजबूती केवल उसकी आर्थिक ताकत से नहीं, बल्कि उसकी जवाबदेही, दीर्घकालिक सोच, नैतिक मूल्यों और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता से तय होती है। साथ ही, देशों के बीच आपसी सीख और सहयोग की आवश्यकता को भी रेखांकित किया गया।

रिस्पॉन्सिबल नेशंस इंडेक्स में दुनिया के 154 देशों का आकलन किया जाएगा। यह आकलन पारंपरिक आर्थिक आंकड़ों से अलग और 'यादा पारदर्शी तरीके से किया जाएगा, जिससे बेहतर नीतियां बनाने, देशों के बीच सकारात्मक बातचीत और लोगों की जीवन गुणवत्ता सुधारने में मदद मिल सके।

इस मौके पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि यह इंडेक्स केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह समझने का जरिया है कि कोई देश देश अपने नागरिकों और मानवता के साथ कैसा व्यवहार कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि नैतिकता का विचार भारतीय संस्कृति में पहले से ही गहराई से जुड़ा हुआ है।

सभा को संबोधित करते हुए वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल फाउंडेशन के संस्थापक एवं सचिव सुधांशु मित्तल ने कहा कि आरएनआई शक्ति-केंद्रित मापदंडों से हटकर उत्तरदायित्व-केंद्रित मूल्यांकन की दिशा में एक प्रतिमान बदलाव (पैराडाइम शिफ्ट) का प्रतिनिधित्व करता है, जो शासन के परिणामों को नैतिक और मानवीय मूल्यों के साथ जोड़ता है।

सबरीमाला सोना चोरी मामलाः केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में 21 जगहों पर ईडी की छापेमारी

तिरुवनंतपुरम। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को सबरीमाला सोने की चोरी के मामले में कथित मनी लॉन्ड्रिंग एंगल की जांच तेज कर दी है। इसी कड़ी में केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में 21 जगहों पर एक साथ छापेमारी की गई। इस मामले में कुल मिलाकर, एसआईटी ने अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए सभी लोग इस वक्त ज्यूडिशियल कस्टडी में हैं।ईडी की यह तलाशी ऐसे समय में हो रही है जब केरल हाई कोर्ट की देखरेख में काम कर रही एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) मंदिर से सोने की कथित हेराफेरी की समानांतर आपराधिक जांच जारी रखे हुए है। ईडी ने मुख्य आरोपियों के घरों पर तलाशी शुरू की, जिनमें पहले आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी, सीपीआई(एम) नेता मुरारी बाबू, ए पद्मकुमार और एन वासु शामिल हैं। साथ ही, बेल्लारी के सोने के व्यापारी गोवर्धन और चेन्नई स्थित स्मार्ट क्रिएशंस के सीईओ पंकज भंडारी से जुड़े ठिकानों पर भी तलाशी ली गई, जिन पर सोने की प्लेटों को पिघलाने और ठिकाने लगाने में मदद करने का आरोप है। तिरुवनंतपुरम में त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के हेडक्वार्टर में भी तलाशी शुरू की गई। तिरुवनंतपुरम के पास किलिमानूर और बेंगलुरु के श्रीरामपुरा में उन्नीकृष्णन पोट्टी के घरों, कोट्टायम में मुरारी बाबू के घर, पेटा में एन वासु के घर और अरनमुला में ए पद्मकुमार के घर पर भी छापेमारी की जाने की खबर है।

21 जनवरी : पूर्वोत्तर की पहचान का प्रतीक; मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा का स्थापना दिवस

नई दिल्ली । भारत में 21 जनवरी केवल कैलेंडर का एक साधारण दिन नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय इतिहास में दर्ज एक महत्वपूर्ण पड़ाव का प्रतीक है। इसी दिन मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा ने अलग-अलग राज्यों के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान प्राप्त की और भारतीय संघ में औपचारिक रूप से स्थान पाया। इसी दिन इन तीनों राज्यों की स्थापना हुई।पूर्वोत्तर क्षेत्र को अक्सर उसकी भौगोलिक स्थिति के कारण मुख्यधारा से अलग समझ लिया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि यह इलाका विविध संस्कृतियों, परंपराओं, ऐतिहासिक अनुभवों और लंबे राजनीतिक संघर्षों से समृद्ध रहा है। 21 जनवरी उसी संघर्ष, संवाद और संवैधानिक समाधान की प्रक्रिया का स्मरण कराता है, जिसने इन राज्यों को अपनी पहचान और स्वायत्तता दिलाई।

तीनों राज्यों की यात्रा अलग-अलग रही, लेकिन मंजिल एक थी और यह मंजिल स्वायत्तता, पहचान और लोकतांत्रिक अधिकार थी। कहीं, राजशाही से लोकतंत्र तक का संक्रमण था, तो कहीं सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा का आंदोलन। 21 जनवरी, 1972 ने इन सभी यात्राओं को एक साझा मुकाम पर ला खड़ा किया।

1947 से पहले मणिपुर एक स्वतंत्र रियासत था। महाराजा बोधचंद्र सिंह ने भारत सरकार के साथ परिग्रहण के साधन पर हस्ताक्षर किए, जिसमें आंतरिक स्वायत्तता के साथ भारत में विलय की सहमति दी गई। मणिपुर की खासियत यह रही कि यहां वर्ष 1948 में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनाव हुए और यह एक संवैधानिक राजतंत्र बना, जो उस दौर में अपने आप में एक अनूठा उदाहरण था। लेकिन, 1949 में परिस्थितियां बदलीं। भारत सरकार के दबाव में महाराजा ने निर्वाचित विधानसभा से परामर्श किए बिना विलय समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए। इसके बाद मणिपुर की विधानसभा भंग कर दी गई और यह भाग 'सी' राज्य बना। इसके बाद, 1 नवंबर 1956 को मणिपुर केंद्र शासित प्रदेश बना और अंततः 21 जनवरी 1972 को पूर्वोत्तर क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 के तहत इसे पूर्ण राज्य का दर्जा मिला। यह दिन मणिपुर के लिए खोई हुई राजनीतिक आवाज की वापसी का प्रतीक बना। इसी तरह, त्रिपुरा भी एक रियासत थी, जिसका 1949 में भारत में विलय हुआ। राजा बीर बिक्रम की मृत्यु के बाद शासन संभाल रहीं रानी कंचन प्रभा देवी ने भारत में विलय की अनुमति दी। विलय के बाद त्रिपुरा भाग 'सी' राज्य बना और वर्ष 1956 में इसे केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया गया। लंबे समय तक प्रशासनिक सीमाओं में रहने के बाद त्रिपुरा को भी पूर्ण राज्यत्व की प्रतीक्षा थी। यह प्रतीक्षा 21 जनवरी 1972 को समाप्त हुई, जब एनईए-(आर) अधिनियम, 1971 के तहत त्रिपुरा भारत का पूर्ण राज्य बना। यह दिन त्रिपुरा के लिए केवल प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक सहभागिता के विस्तार का संकेत था।

दो राज्यों की कहानी लगभग एक सी है। लेकिन, मेघालय की कहानी बाकी दोनों से अलग है। यहां राज्य बनने की मांग असम के भीतर खासी, जैंतिया और गारो हिल्स के लोगों द्वारा अपनी स्वदेशी संस्कृति और पहचान को संरक्षित करने के लिए उठी। यह आंदोलन सिर्फ प्रशासनिक नहीं था, बल्कि सांस्कृतिक आत्मसम्मान से जुड़ा था।

वर्ष 1969 में असम पुनर्गठन (मेघालय) अधिनियम के तहत मेघालय को असम के भीतर एक स्वायत्त राज्य बनाया गया। यह राज्यत्व की दिशा में पहला ठोस कदम था। इसके बाद 21 जनवरी 1972 को एनईए-(आर) अधिनियम, 1971 के तहत मेघालय को पूर्ण राज्य का दर्जा मिला और यह भारत का 21वां राज्य बना। राजधानी शिलांग बनी, जो आज भी पूर्वोत्तर की सांस्कृतिक और शैक्षणिक पहचान का महत्वपूर्ण केंद्र है।

मणिपुर, त्रिपुरा और मेघालय का स्थापना दिवस सिर्फ तीन राज्यों का जन्मदिन नहीं है, बल्कि यह भारत की संघीय संरचना की जीवंतता का प्रमाण है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि भारत केवल एक भू-राजनीतिक इकाई नहीं, बल्कि इतिहास, पहचान और संवाद से बना एक सतत विकसित होता संघ है।

गुप्त नवरात्रि का तीसरा दिन, नोट कर लें शुभ मुहूर्त, राहुकाल

नई दिल्ली । गुप्त नवरात्रि का तीसरा दिन बुधवार को है। हिंदू पंचांग के अनुसार शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि चल है, जो 22 जनवरी की सुबह 2 बजकर 47 मिनट तक प्रभावी रहेगी। यह मां त्रिपुर सुंदरी के पूजन का भी दिन है। दृक पंचांग के अनुसार किसी भी कार्य को शुरू करने से पहले पंचांग का विचार महत्वपूर्ण है। कोई शुभ कार्य जैसे विवाह, नामकरण, गृह प्रवेश, मुंडन या नया व्यवसाय शुरू करने की योजना बना रहे हैं, उन्हें राहुकाल का विशेष ध्यान रखना चाहिए। 21 जनवरी को राहुकाल दोपहर 12 बजकर 33 मिनट से 1 बजकर 52 मिनट तक रहेगा। इस दौरान कोई भी मंगल कार्य शुरू नहीं करना चाहिए। नक्षत्र की बात करें तो धनिष्ठा नक्षत्र दोपहर 1 बजकर 58 मिनट तक रहेगा, उसके बाद शतभिषा नक्षत्र शुरू हो जाएगा। चंद्रमा कुंभ राशि में संचरण करेगा। सूर्योदय 7 बजकर 14 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 5 बजकर 51 मिनट पर होगा।

21 जनवरी के शुभ मुहूर्त की बात करें तो ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 27 मिनट से 6 बजकर 20 मिनट पर विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 19 मिनट से 3 बजकर 1 मिनट तक गोधूलि मुहूर्त शाम 5 बजकर 49 मिनट से 6 बजकर 15 मिनट तक है। वहीं, रवि योग दोपहर 1 बजकर 58 मिनट से अगले दिन सुबह 7 बजकर 14 मिनट तक रहेगा।

पंचांग के अनुसार, राहुकाल 12 बजकर 33 मिनट से 1 बजकर 52 मिनट तक, यमगंड सुबह 8 बजकर 34 मिनट से 9 बजकर 53 मिनट तक है। वहीं, गुलिक काल सुबह 11 बजकर 13 से दोपहर 12 बजकर 33 मिनट तक और पंचक पूरे दिन रहेगा। गुप्त नवरात्रि में मां दुर्गा के गुप्त स्वरूप की साधना की जाती है। तृतीया तिथि पर देवी के तीसरे रूप मां त्रिपुर सुंदरी की पूजा का विशेष महत्व है। धर्म शास्त्रों के अनुसार, ब्रह्म मुहूर्त में स्नान कर मां दुर्गा की विधिवत पूजा करें, मंत्र जाप करें और श्रद्धा-भक्ति से प्रसाद अर्पित करें। इसके साथ ही जप का विशेष महत्व है।

नितिन नबीन ने झंडेवालान मंदिर में की पूजा, संभालेंगे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन मंगलवार को अपना पद संभालेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई वरिष्ठ पार्टी नेता शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, राष्ट्रीय पदाधिकारियों, राज्य इकाई के अध्यक्षों और पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सदस्यों के शामिल होने की उम्मीद है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर कार्यभार संभालने से पहले नितिन नबीन ने दिल्ली के करोल बाग स्थित झंडेवालान देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने दिल्ली में स्थित गुरुद्वारा श्री बंगला साहिब में भी मत्था टेका।

नवीन नबीन को मंगलवार को औपचारिक रूप से भाजपा का अध्यक्ष घोषित किया जाएगा। इसके बाद वह पदभार ग्रहण करेंगे। वह पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे। पार्टी के इस सबसे बड़े पद पर पहुंचने वाले नितिन नबीन अब तक के सबसे कम उम्र के नेता हैं।

सोमवार को भारतीय जनता पार्टी से एकमात्र उम्मीदवार के रूप में नितिन नबीन ने नामांकन दाखिल किया। सोमवार को कई वरिष्ठ नेताओं, मुख्यमंत्रियों और अलग-अलग राज्यों के प्रतिनिधियों ने नितिन नबीन के समर्थन में नामांकन पत्र दाखिल कर संगठनात्मक एकजुटता का स्पष्ट संकेत दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के अन्य प्रमुख नेताओं ने 45 साल के नवीन के समर्थन में नामांकन पत्र दाखिल किए। एक आधिकारिक घोषणा में राष्ट्रीय रिटर्निंग ऑफिसर के. लक्ष्मण ने कहा कि नामांकन प्रक्रिया पूरी होने और नाम वापस लेने की अवधि समाप्त होने के बाद सिर्फ एक नाम (नितिन नबीन) सामने आया। रिटर्निंग ऑफिसर ने पुष्टि की कि दोपहर 2 से 4 बजे के बीच नबीन के समर्थन में नामांकन पत्रों के 37 सेट प्राप्त हुए थे, जिनमें से सभी जांच के बाद वैध पाए गए। इससे नितिन नबीन के निर्विरोध चुनाव का रास्ता साफ हो गया।इससे पहले, 14 दिसंबर 2025 को 45 वर्षीय नितिन नबीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष चुना गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और निवर्तमान पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें समर्थन दिया।

95 प्रतिशत भारतीय कर्मचारियों को अपनी स्किल्स पर भरोसा, लेकिन सिर्फ 64 प्रतिशत नौकरी से संतुष्ट : रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारत में 95 प्रतिशत कर्मचारी अपनी काम करने की क्षमता और स्किल्स पर भरोसा करते हैं, लेकिन इनमें से केवल 64 प्रतिशत लोग ही अपनी नौकरी से संतुष्ट हैं। मंगलवार को जारी मैनपावरग्रुप इंडिया की रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

देश भर के 1,000 से ज्यादा कर्मचारियों से बातचीत पर आधारित मैनपावरग्रुप इंडिया की इस रिपोर्ट से पता चलता है कि काम की दुनिया तेजी से बदल रही है और इस बदलाव के बीच कर्मचारियों का आत्मविश्वास, संतुष्टि और मानसिक स्थिति अलग-अलग स्तर पर नजर आ रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय कर्मचारी अपनी स्किल्स को लेकर सबसे ज्यादा आत्मविश्वास दिखाते हैं। करीब 95 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे अपने काम को अच्छी तरह कर सकते हैं। इसके साथ ही, लगभग 90 प्रतिशत कर्मचारियों को करियर में आगे बढ़ने के मौके मिल रहे हैं और 84 प्रतिशत को प्रमोशन की संभावना दिखाई देती है। वहीं, 90 प्रतिशत कर्मचारी एआई के इस्तेमाल को लेकर भी आत्मविश्वास महसूस करते हैं।

हालांकि, रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि आज के काम में लोग जितना आत्मविश्वास महसूस कर रहे हैं, उतना ही वे भविष्य को लेकर असमंजस में हैं। यानी आगे चलकर उनकी भूमिका क्या होगी, इसे लेकर चिंता बनी हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आत्मविश्वास का सीधा असर नौकरी से संतुष्टि और कंपनी के प्रति वफादारी पर नहीं दिख रहा है। इसी वजह से सिर्फ 64 प्रतिशत कर्मचारी ही अपनी नौकरी से खुश हैं। इसके अलावा, 53 प्रतिशत कर्मचारी रोजाना मध्यम से ज्यादा तनाव महसूस करते हैं।

मैनपावरग्रुप इंडिया और मिडिल ईस्ट के मैनेजिंग डायरेक्टर संदीप गुलाटी ने कहा कि जब नौकरी से संतुष्टि 64 प्रतिशत है, तब आधे से ज्यादा कर्मचारी रोज तनाव में रहते हैं।

उन्होंने बताया कि 75 प्रतिशत कर्मचारियों में काम का ज्यादा बोझ और लंबे काम के घंटे तनाव की वजह बन रहे हैं। कई कर्मचारी अपनी नौकरी छोड़ना नहीं चाहते और 'जॉब हग' कर रहे हैं, लेकिन साथ ही नए मौके भी तलाश रहे हैं। रिपोर्ट में अलग-अलग वर्गों की स्थिति भी बताई गई है। ब्लू-कॉलर कर्मचारियों में सबसे कम मानसिक और शारीरिक संतुलन देखा गया, जो 68 प्रतिशत रहा। वहीं, जेनजी महिलाओं में रोजाना ज्यादा तनाव की स्थिति सबसे ज्यादा, यानी 64 प्रतिशत पाई गई।दूसरी ओर, मिडिल मैनेजर्स (95 प्रतिशत) और व्हाइट-कॉलर व सीनियर मैनेजर्स (94 प्रतिशत) अपने काम में सबसे ज्यादा मतलब और उद्देश्य महसूस करते हैं, लेकिन यही वर्ग सबसे ज्यादा तनाव में भी रहता है।

सेक्टर की बात करें तो एनर्जी और यूटिलिटी सेक्टर में कर्मचारियों की स्थिति सबसे कमजोर रही, जहां वेल-बीइंग 72 प्रतिशत दर्ज की गई। हेल्थकेयर (52 प्रतिशत) और फाइनेंस व रियल एस्टेट (50 प्रतिशत) सेक्टर में नौकरी को लेकर सुरक्षा की भावना सबसे कम पाई गई। वहीं, नौकरी खोजने का आत्मविश्वास आईटी सेक्टर (86 प्रतिशत) और इंडस्ट्रियल व मटेरियल सेक्टर (85 प्रतिशत) में सबसे ज्यादा देखा गया।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि तकनीक को लेकर आत्मविश्वास में गिरावट सबसे ज्यादा बेबी बूमर्स और जेन एक्स उम्र के कर्मचारियों में देखी गई है। संदीप गुलाटी ने कहा कि इस रिपोर्ट से साफ संदेश मिलता है कि केवल आत्मविश्वास से कर्मचारियों को लंबे समय तक जोड़े नहीं रखा जा सकता। जो कंपनियां करियर के साफ रास्ते, अच्छे मैनेजर, और कर्मचारियों की भलाई पर ध्यान देंगी, वही प्रतिभा को बनाए रख पाएंगी और लंबे समय तक बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगी।

जंगल का रहस्यमयी पौधा, जिसके फूल, तने और बीज, सब में छिपे हैं औषधीय गुण

नई दिल्ली। जंगल में कई ऐसे पौधे होते हैं जो देखने में साधारण लगते हैं, लेकिन उनके अंदर कमाल का औषधीय खजाना छिपा होता है। ऐसा ही एक पौधा है भटकटैया, जिसे लोग कटेरी या कंटकारी के नाम से भी जानते हैं। यह सिर्फ दिखने में ही खतरनाक लगता है, पर असल में यह आपके शरीर और दिमाग दोनों के लिए वरदान है।

भटकटैया का हर हिस्सा फूल, तना, पत्ते और बीज औषधीय गुणों से भरा हुआ है। इसके फूल बैंगनी और सफेद रंग के होते हैं और पत्ते हरे और कांटेदार। इसकी जड़ भी कम काम की नहीं है। आयुर्वेद में इसे पेट की तकलीफ, सूजन और पाचन संबंधी समस्याओं में इस्तेमाल किया जाता है।

इस पौधे की तीन प्रजातियां पाई जाती हैं: छोटी कटेरी, बड़ी कटेरी और श्वेत कंटकारी। माइग्रेन, सिरदर्द, अस्थमा और गठिया जैसी परेशानियों में इसका इस्तेमाल बेहद फायदेमंद माना जाता है। यहां तक कि वैज्ञानिकों के अनुसार इसके बीज में मौजूद सिलिबिनिन नामक तत्व ब्रेन ट्यूमर और पिट्यूटरी ग्रंथि में होने वाली कुशिंग बीमारी में भी लाभ पहुंचा सकता है।

भटकटैया के फल हरे रंग के होते हैं और पकने के बाद पीले हो जाते हैं। बीज छोटे, चिकने और औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं। इसके कड़वे तने और फूल पैरों में जलन और सूजन को कम करने में मदद करते हैं। ठंड में खांसी या गले की खराश में भटकटैया की जड़ और गुडुची का काढ़ा पीना बहुत लाभकारी है। साथ ही यह अर्थराइटिस और जोड़ों के दर्द में भी राहत देता है। हालांकि, प्राकृतिक औषधि होने के बावजूद भी इसके गलत या अधिक मात्रा में सेवन करने से सेहत को नुकसान पहुंच सकता है। इसी कारण जरूरी है कि किसी भी समस्या से छुटकारा पाने के लिए इसका सेवन या उपयोग करने से पहले योग्य आयुर्वेदाचार्य से सलाह लें, खासकर बच्चों, गर्भवती महिलाओं, और स्तनपान कराने वाली माताओं को बिना सलाह के न दें।

डिजिटल डिटॉक्सः तन-मन दोनों के लिए जरूरी स्क्रीन से ब्रेक, महसूस करेंगे फर्क

नई दिल्ली। आज के व्यस्त और डिजिटल युग में जहां हर कोई फोन, लैपटॉप और टीवी से लगातार जुड़ा रहता है, वहीं मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए डिजिटल डिटॉक्स की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है।

नेशनल हेल्थ मिशन के अनुसार, लगातार स्क्रीन टाइम आंखों की थकान, सिरदर्द, तनाव और नींद की कमी जैसी समस्याओं को बढ़ावा देता है। गैजेट्स पर बढ़ती निर्भरता से न केवल मन और शरीर दोनों बीमार पड़ते हैं बल्कि रचनात्मकता भी खत्म हो जाती है। ऐसे में खुद के लिए समय निकालकर डिजिटल ब्रेक लेना न सिर्फ जरूरी, बल्कि स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है।

डिजिटल डिटॉक्स का मतलब है कुछ समय के लिए मोबाइल, कंप्यूटर, सोशल मीडिया और टीवी से पूरी तरह दूरी बनाना। इससे दिमाग को आराम मिलता है, तनाव कम होता है और नींद

की गुणवत्ता में सुधार आता है। कई लोग अब इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना रहे हैं और इसके सकारात्मक नतीजे देख रहे हैं। एक्सपर्ट बताते हैं कि डिजिटल डिटॉक्स कैसे करें, इसके लिए कुछ आसान और कारगर तरीके बताए गए हैं- रोजाना कम से कम 1 घंटा बिना किसी स्क्रीन के बिताएं। इस दौरान फोन को साइलेंट मोड पर या दूर रखें। घर में एक नो-डिजिटल जोन बनाएं, जैसे बेडरूम या डाइनिंग एरिया, जहां कोई भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस न ले जाया जाए। रोज कुछ समय प्रकृति के साथ बिताएं। पार्क में टहलें, पेड़-पौधों के बीच समय गुजारें या घर की बालकनी में बैठकर हवा लें। पुस्तक पढ़ने की पुरानी आदत को फिर से शुरू करें। कागज वाली किताबें पढ़ना दिमाग को सबसे ज्यादा सुकून देता है। खाने के समय मोबाइल और लैपटॉप को पूरी तरह बंद रखें। परिवार के साथ बातचीत करें और भोजन का असली मजा लें।

डिजिटल डिटॉक्स न केवल तनाव कम करता है, बल्कि रिश्तों को मजबूत बनाने, रचनात्मकता बढ़ाने और खुद से बेहतर जुड़ने का भी मौका देता है। ऐसे में ये छोटे-छोटे बदलाव तन-मन को स्वस्थ रखने में बहुत मदद करते हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि शुरुआत धीरे-धीरे करें। पहले सिर्फ शाम के 30-40 मिनट से शुरू करें और धीरे-धीरे समय बढ़ाते जाएं।

सुबह के नाश्ते से बनती है पूरे दिन की एनर्जी, इन चीजों से दें शरीर को भरपूर ताकत

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर सुबह के नाश्ते को छोड़ देते हैं, लेकिन आयुर्वेद और विज्ञान दोनों ही मानते हैं कि सुबह का नाश्ता हमारे पूरे दिन की सेहत तय करता है।

रात की 8 से 10 घंटे की नींद के बाद हमारा शरीर लंबे फास्ट से बाहर आता है। इस दौरान शरीर की ऊर्जा लगभग खत्म हो चुकी होती है और दिमाग को भी सही तरीके से काम करने के लिए पोषण की जरूरत होती है। अगर इस समय सही और पौष्टिक नाश्ता न मिले, तो दिनभर थकान, चिड़चिड़ापन, ध्यान की कमी और बार-बार भूख लगने जैसी समस्याएं शुरू हो जाती हैं।

आयुर्वेद के अनुसार, सुबह का समय शरीर में अग्नि यानी पाचन शक्ति को धीरे-धीरे जगाने का होता है। ऐसे में भारी या बहुत तला-भुना खाना नुकसान पहुंचा सकता है, जबकि पोषक तत्वों से भरपूर और आसानी से पचने वाला नाश्ता शरीर को अंदर से मजबूत बनाता है। विज्ञान कहता है कि सुबह उठने के एक से डेढ़ घंटे के भीतर संतुलित नाश्ता करने से ब्लड शुगर लेवल स्थिर रहता है और मेटाबॉलिज्म एक्टिव होता है। ऐसे में कुछ खास फूड्स हैं, जो कम मात्रा में भी शरीर को भरपूर ताकत दे सकते हैं।

सुबह के नाश्ते में कद्दू के बीज और चिया सीड्स जैसे बीजों का सेवन शरीर के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। कद्दू के बीज में प्रोटीन, जिंक, मैग्नीशियम और आयरन भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, ये बीज शरीर की कमजोरी दूर करने में मदद करते हैं और नसों को मजबूत बनाते हैं। विज्ञान के मुताबिक, कद्दू के बीज दिल की सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं और इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं। वहीं चिया सीड्स फाइबर और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं। ये पेट में जाकर पानी सोख लेते हैं, जिससे पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस करता है और बार-बार भूख नहीं लगती। यही कारण है कि यह वजन कंट्रोल करने में भी मददगार माने जाते हैं। चिया सीड्स आंतों की सफाई करते हैं। अगर आप ठोस नाश्ता पसंद करते हैं, तो बेसन यानी चने के आटे से बना नाश्ता एक बेहतरीन विकल्प है। आयुर्वेद में चना बलवर्धक माना गया है, यानी यह शरीर को ताकत देने वाला होता है। बेसन में मौजूद प्रोटीन मांसपेशियों को ऊर्जा देता है, जबकि फाइबर पाचन को दुरुस्त रखता है। सुबह बेसन से बना चीला खाने से शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा मिलती है और भूख कंट्रोल में रहती है। विज्ञान के अनुसार, बेसन धीरे-धीरे पचता है, जिससे ब्लड शुगर लेवल संतुलित रहता है और डायबिटीज का खतरा भी कम होता है। सब्जियों के साथ बनाया गया बेसन चीला शरीर को विटामिन और मिनरल्स भी देता है। वहीं ग्रीक योगर्ट सुबह के नाश्ते को और भी खास बना देता है। ग्रीक योगर्ट सामान्य दही की तुलना में ज्यादा गाढ़ा और प्रोटीन से भरपूर होता है। आयुर्वेद में दही को पाचन के लिए उपयोगी माना गया है, बशर्ते इसे सही समय और सही तरीके से खाया जाए। ग्रीक योगर्ट में मौजूद प्रोबायोटिक्स पेट के अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं, जिससे पाचन तंत्र मजबूत होता है।

फिटकरी पानी से क्या सच में होती है पौधों की सेहत और फूलों में बढ़ोतरी? जानें फैक्ट

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर अक्सर ऐसे पोस्ट देखने को मिलते हैं, जिनमें पौधों की अच्छी सेहत के लिए तरह-तरह के घरेलू उपाय बताए जाते हैं। ऐसा ही एक उपाय फिटकरी को लेकर भी है, जिसमें बताया जाता है कि फिटकरी का पानी डालने से पौधे तेजी की तरह बढ़ते हैं और गमलों में 100 की जगह 200 फूल आने लगते हैं। लेकिन क्या यह सच में इतना चमत्कारिक है?

असल में फिटकरी कोई सुपर-फूड या खाद नहीं है, बल्कि यह मिट्टी का सही पीएच बनाए रखने वाला और कीटाणु हटाने वाला उपाय है। इसका सही पौधों पर सही मात्रा में इस्तेमाल करने से फायदा होता है, लेकिन ज्यादा या गलत तरीके से डालने से पौधे को नुकसान भी पहुंच सकता है।

फिटकरी मिट्टी को हल्का अम्लीय बनाती है। कुछ पौधों के लिए यह बहुत अच्छी है, जैसे गुलाब, गुड़हल, ब्लू अपराजिता, हाइड्रेंजिया, साइट्रस और बेरीज़। जब मिट्टी का पीएच सही होता है, तो इन पौधों में फूल जल्दी बनते हैं, कलियां ज्यादा आती हैं और पत्तियां चमकदार दिखती हैं। इसके अलावा, फिटकरी में एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण भी होते हैं। इसका मतलब यह है कि जड़ों में सड़न कम होती है, कीटाणु कम होते हैं और मिट्टी हल्की और साफ रहती है।

इसके साथ ही फिटकरी जड़ों की मजबूती बढ़ाने और नमी पकड़ने की क्षमता भी बढ़ाती है। इससे पौधा स्वस्थ रहता है और फूल और फल अपने आप बढ़ जाते हैं। यही कारण है कि लोग कहते हैं कि फिटकरी डालने से फूल दोगुने हो गए। लेकिन ध्यान रखें, फिटकरी कोई एनपीके वाली खाद नहीं है। इसलिए इसे ज्यादा डालने से पौधा जल सकता है और पोषण की कमी भी हो सकती है। हमेशा इसे खाद या वर्मी कम्पोस्ट के साथ डालें।

फिटकरी का पानी बनाने का आसान तरीका यह है कि 1 लीटर पानी में लगभग 2 ग्राम फिटकरी डालकर रातभर भिगो दें और अगले दिन इसे पौधों में डालें। इसे हर 20-25 दिन में एक बार इस्तेमाल करें। अगर स्प्रे करना हो तो 1 लीटर पानी में 1 ग्राम फिटकरी डालकर पत्तियों और मिट्टी पर हल्का छिड़काव करें, महीने में सिर्फ 1 बार। लेकिन मनी प्लांट, स्नेक प्लांट, पोथोस, एलोवेरा और सक्यूलेंट्स में कभी फिटकरी का पानी न डालें क्योंकि यह इन पौधों को नुकसान पहुंचा सकता है।

कैलोरी कम, लेकिन पोषण भरपूर! सर्दियों में अपनी डाइट में जरूर शामिल करें शलगम

नई दिल्ली। सर्दियों के मौसम में बाजार रंग-बिरंगी सब्जियों से भर जाते हैं। इस दौरान सब्जियों की बहुतायत के बावजूद अक्सर एक सब्जी नजरअंदाज रह जाती है, और वह है शलगम। यह गोल-मटोल, सफेद या कभी-कभी बैंगनी रंग की सब्जी दिखने में साधारण लग सकती है, लेकिन इसके फायदे देखकर आप हैरान रह जाएंगे।

आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों इसे सुपरफूड मानते हैं। प्राचीन काल से ही इसे स्वास्थ्यवर्धक माना गया है। आयुर्वेद में शलगम को वात और कफ दोष कम करने वाली सब्जी बताया गया है। इसका हल्का और उष्ण तासीर वाला स्वभाव पाचन को तेज करता है, भोजन को अच्छे से पचाने में मदद करता है और पेट दर्द या हृदय से जुड़ी समस्याओं में भी लाभकारी है। शलगम खाने के कई तरीके हैं। आप इसे हल्का पकाकर सब्जी, सूप, पराठा या भुजिया के रूप में शामिल कर सकते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार घी में पकाकर इसका सेवन करना और भी ज्यादा फायदेमंद होता है। सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें कैलोरी बहुत कम होती है, लगभग 28 कैलोरी प्रति 100 ग्राम, लेकिन पोषक तत्वों का खजाना भरा हुआ है। इसमें विटामिन सी, पोटेशियम, कैल्शियम, मैंगनीज और फाइबर भरपूर मात्रा में मौजूद हैं। यही वजह है कि शलगम हृदय स्वास्थ्य बनाए रखने, ब्लड प्रेशर नियंत्रित रखने, पाचन सुधारने और हड्डियों को मजबूत करने में मदद करता है। अक्सर लोग सिर्फ जड़ खाते हैं और पत्तियों को फेंक देते हैं, लेकिन शलगम की पत्तियों में जड़ की तुलना में दस गुना ज्यादा विटामिन ए और के होता है। ये आंखों की रोशनी बढ़ाने और खून के थक्के जमने में मदद करते हैं। इसके अलावा, शलगम में प्राकृतिक डिटॉक्स गुण भी होते हैं। इसमें मौजूद ग्लूकोराफैनिन तत्व लीवर को हानिकारक पदार्थों से मुक्त रखने में मदद करता है और इम्युनिटी को मजबूत बनाता है। सर्दियों में शलगम को अदरक और काली मिर्च के साथ हल्का पकाकर खाना और भी फायदेमंद होता है। बैंगनी शलगम में मौजूद एंथोसायनिन एंटीऑक्सीडेंट है, जो उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करता है। फाइबर और पानी की मात्रा अधिक होने के कारण यह पेट को लंबे समय तक भरा रखता है और वजन घटाने में भी मदद करता है। इसलिए इस सर्दियों में अपनी डाइट में शलगम को जरूर शामिल करें।

विश्व केसरी

महिला प्रीमियर लीग: मुंबई इंडियंस को लगा झटका, जी कमलिनी सीजन के बाकी मैचों से बाहर

मुंबई। मुंबई इंडियंस को महिला प्रीमियर लीग 2026 के बीच एक बड़ा झटका लगा है। टीम की विकेटकीपर-बल्लेबाज जी कमलिनी चोट के कारण टूर्नामेंट के बाकी मैचों से बाहर हो गई हैं। 2 बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने उनकी जगह युवा बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा को शेष सीजन के लिए टीम में शामिल किया है।

महिला प्रीमियर लीग की तरफ से जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक वैष्णवी शर्मा 30 लाख रुपये में मुंबई इंडियंस से जुड़ी हैं।17 वर्षीय कमलिनी ने मौजूदा सीजन में मुंबई इंडियंस के लिए पांच मैच खेले थे। उन्होंने निचले क्रम में उपयोगी योगदान देने के साथ-साथ विकेट के पीछे भी अहम भूमिका निभाई, लेकिन दुर्भाग्यवश चोट के चलते उनका सीजन समय से पहले ही समाप्त हो गया। एमआई मैनेजमेंट के लिए यह फैसला मजबूरी भरा रहा, क्योंकि टीम पहले से ही उतार-चढ़ाव भरे प्रदर्शन से जूझ रही है।

कमलिनी की जगह शामिल की गई वैष्णवी शर्मा भारतीय महिला क्रिकेट का उभरता हुआ नाम हैं। बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी 2025 में आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रह चुकी हैं। इसके अलावा, वह भारत के लिए पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी हैं, जिनमें उन्होंने कुल पांच विकेट हासिल किए हैं। मध्य ओवरों में वैष्णवी शर्मा की विविधता भरी गेंदबाजी एमआई के गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत कर सकती है।

एमआई के लिए महिला प्रीमियर लीग 2026 में अब तक का सफर उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा है। टीम ने अब तक खेले गए पांच मैचों में सिर्फ दो जीत दर्ज की हैं। हालांकि पिछले दो मुकाबलों में हार के बावजूद बेहतर नेट रन-रेट के कारण मुंबई इंडियंस अंक तालिका में दूसरे स्थान पर बनी हुई है। प्लेऑफ से पहले टीम के तीन लीग मैच बाकी हैं, और इन मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन करना टीम के लिए बेहद जरूरी है। मंगलवार को मुंबई इंडियंस का सामना कोटांबी स्थित बीसीए स्टेडियम में सबसे निचले पायदान पर मौजूद दिल्ली कैपिटल्स से होगा। इस मैच में एमआई की कोशिश होगी कि वे अपनी लय वापस पाएं और प्लेऑफ की दिशा में कदम मजबूत करें।

भारत के टॉप पोल-वॉल्टर को टीटीई ने ट्रेन से उतारा, वायरल वीडियो से विवाद शुरू

भोपाल। नेशनल रिकॉर्ड होल्डर देव मीना और उनके साथी एथलीट कुलदीप यादव को पनवेल स्टेशन पर टीटीई द्वारा ट्रेन से उतरने के लिए कहे जाने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। घटना से जुड़ी वीडियो वायरल होने के बाद विवाद लगातार गहराते जा रहा है और रेलवे प्रशासन पर सवाल उठ रहा है।

नेशनल रिकॉर्ड होल्डर देव मीना एक कॉम्पिटिशन से लौटते समय अपने खेल का जरूरी सामान ट्रेन में अपने साथ ले जा रहे थे। इस दौरान एक ट्रैवलिंग टिकट एग्जामिनर (टीटीई) ने पनवेल स्टेशन पर उन्हें ट्रेन से उतरने के लिए कहा। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें मीना इंडियन रेलवे के अधिकारी द्वारा किए गए उत्पीड़न के बारे में खुलकर बात कर रहे हैं। मीना के साथ यात्रा कर रहे भारत के टॉप पोल वॉल्टर में से एक कुलदीप यादव को भी टीटीई ने परेशान किया, जिसने एथलीटों से कहा कि उन्हें ट्रेन में अपने पोल ले जाने की इजाजत नहीं है।

दोनों ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के बाद अपने बेस पर लौट रहे थे। इस घटना ने भारतीय रेलवे में खेल उपकरण ले जाने वाले खिलाड़ियों के सामने आने वाली चुनौतियों और कर्मचारियों के व्यवहार को लेकर एक बड़ी बहस छेड़ दी है।स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म एनएनआईएस ने इस घटना का पूरा वीडियो शेयर किया, जिसमें मीना ने एथलीटों के साथ किए गए बर्ताव पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर उनके जैसे इंटरनेशनल लेवल के खिलाड़ी को एक टीटीई की मर्जी पर ट्रेन से उतरने के लिए मजबूर किया जा सकता है, तो जूनियर एथलीटों को किस तरह के उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा होगा।

सोशल मीडिया पर लोगों ने भारतीय रेलवे और उसके कर्मचारियों के रवैये की कड़ी आलोचना की है, खासकर एथलीटों के साथ इस तरह के व्यवहार की, जो देश के लिए पदक जीतते हैं।

देव कुमार मीना मध्य प्रदेश के एक युवा और प्रतिभाशाली पोल-वॉल्टर हैं, जिन्होंने 2025 में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था। उन्हें देश के सबसे होनहार ट्रैक एंड फील्ड एथलीटों में से एक माना जाता है।

राहुल गांधी ने किया क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन

रायबरेली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में एक क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन करने पहुंचे। उनके साथ अमेठी के सांसद किशोरी लाल शर्मा भी मौजूद थे।राहुल गांधी मैच की शुरुआत से ठीक पहले पहुंचे। दोनों टीमों के खिलाड़ियों से बात करने के बाद वह टॉस के दौरान पिच पर पहुंचे। राहुल गांधी ने ही टॉस का सिक्का उछाला और दोनों कप्तानों को मैच के लिए अपनी शुभकामना दी। व्हाइट टी-शर्ट और ग्रे पैंट पहने राहुल गांधी ने टॉस के बाद बैलून हवा में उड़ाकर विधिवत रूप से इस टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। राहुल गांधी की मौजूदगी की वजह से फील्ड में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी थी। खिलाड़ियों और आयोजकों को छोड़कर अन्य किसी को भी उनके करीब जाने की अनुमति नहीं थी। हालांकि, राहुल गांधी को देखने और उन्हें सुनने की इच्छा लिए सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता वहां मौजूद थे। आईएएनएस से बात करते हुए विकास सिंह ने कहा कि रायबरेली प्रीमियर लीग का आयोजन 2018 से लगातार हो रहा है। इस संस्करण का उद्घाटन मंगलवार को रायबरेली के सांसद राहुल गांधी ने किया। इस अवसर पर अमेठी के सांसद किशोरी लाल शर्मा भी मौजूद रहे। फाइनल मुकाबला 2 फरवरी को खेला जाएगा। राहुल गांधी 4 महीने के लंबे अंतराल के बाद अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दो दिवसीय दौरे पर सोमवार को पहुंचे थे। यह छठा मौका है जब वह अपने संसदीय क्षेत्र में पहुंचे हैं। नेता विपक्ष ने अपने संसदीय क्षेत्र के किसानों को संबोधित किया और केंद्र सरकार पर गरीबों को सुरक्षा की गारंटी देने वाली योजना मनरेगा को समाप्त करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने कहा, 'केंद्र सरकार ने मनरेगा से गांधी जी का नाम हटाकर उनका अपमान किया है। मगर मुख्य बात नाम बदलने की नहीं है। हमारी गरीब जनता को जो सुरक्षा दी गई थी, उसे मोदी सरकार ने खत्म कर दिया है। कांग्रेस पार्टी पूरे देश में मनरेगा को बचाने का आंदोलन कर रही है।

न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ तीन टी20 मैचों के लिए क्रिस्टियन क्लार्क को शामिल किया

नागपुर। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने भारत के खिलाफ होने वाली आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के पहले तीन मैचों के लिए युवा हरफनमौला खिलाड़ी क्रिस्टियन क्लार्क को टीम में शामिल किया है।

यह सीरीज बुधवार से नागपुर में शुरू होगी। दरअसल, तेज गेंदबाज एडम मिल्ने और अनुभवी स्पिन गेंदबाज माइकल ब्रेसवेल इस समय चोट से जूझ रहे हैं, इसी वजह से टीम प्रबंधन ने यह कदम उठाया है।

क्रिस्टियन क्लार्क ने हाल ही में अपने पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय दौरे में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने तीन मैचों में सात विकेट लिए, जिनमें भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली को दो बार आउट करना भी शामिल है। इसके अलावा उन्होंने निचले क्रम में उपयोगी रन बनाए और क्षेत्ररक्षण में दो कैच भी पकड़े।

न्यूज़ीलैंड के मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने बताया कि क्लार्क को मुख्य रूप से बैकअप विकल्प के तौर पर टीम में रखा गया है, ताकि तेज गेंदबाजों के कार्यभार को सही तरीके से संभाला जा सके। उन्होंने कहा कि इस समय टीम में खिलाड़ियों का आना-जाना चल रहा है। कुछ खिलाड़ी चोट से लौट रहे हैं, कुछ फ्रेंचाइजी क्रिकेट से सीधे जुड़ रहे हैं और बाकी खिलाड़ी भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज और सुपर स्मैश के बाद टीम से मिल रहे हैं।

वाल्टर ने कहा, 'हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे पास इस सीरीज के पहले तीन मैचों के लिए पर्याप्त तेज गेंदबाजी के विकल्प हों और यह क्रिस्टियन के लिए भारत के अपने पहले दौरे पर ग्रुप के साथ थोड़ा और समय बिताने का एक शानदार मौका है। उन्होंने निश्चित रूप से वनडे सीरीज में अपनी प्रतिभा दिखाई, लेकिन जो बात खास तौर पर प्रभावशाली थी, वह थी उनका शांत स्वभाव और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता।

कोच ने यह भी पुष्टि की कि माइकल ब्रेसवेल नागपुर पहुंचे हैं। इंदौर में खेले गए तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच के दौरान क्षेत्ररक्षण करते समय उनके बाएं पिंडली में हल्की चोट लगी थी। आने वाले दिनों में उनका इलाज और निगरानी की जाएगी, इसके बाद दौरे में आगे खेलने को लेकर फैसला लिया जाएगा।

वहीं, तेज गेंदबाज एडम मिल्ने दक्षिण अफ्रीका की एसए20 लीग में सनराइजर्स ईस्टर्न केप के लिए खेलते हुए बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट का शिकार हो गए हैं। उनकी चोट का आकलन किया जा रहा है। रॉब वॉल्टर ने बताया कि इंदौर में एकदिवसीय सीरीज जीतने के बाद टीम अच्छे मनोबल के साथ नागपुर पहुंची है। शानदार टीम वर्क के साथ कई बेहतरीन परफॉर्मेंस देखने को मिले, जिससे हमने कुछ ऐसा हासिल किया जो पहले कभी नहीं हुआ था। न्यूजीलैंड टीम: मिशेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, क्रिस्टियन क्लार्क (पहले तीन मैच), डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, जैक फाउल्क्स, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, बेवन जैकब्स, डेरिल मिशेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम रॉबिन्सन, ईश सोढ़ी।

बीसीसीआई रोहित शर्मा और विराट कोहली की सैलरी घटा सकती है: सूत्र

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की आगामी एपेक्स काउंसिल की बैठक भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट के लिहाज से काफी अहम होने वाली है। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली पांच सदस्यीय चयन समिति ने पुरुष सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में संभावित बदलावों को लेकर कुछ प्रस्ताव तैयार किए हैं। उन प्रस्तावों पर एपेक्स काउंसिल की बैठक में चर्चा की जाएगी।

बीसीसीआई के सूत्रों से आईएएनएस को मिली जानकारी के मुताबिक, चयन समिति प्रस्ताव अभी तक औपचारिक रूप से बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों को नहीं सौंपा गया है, लेकिन अगली एपेक्स काउंसिल मीटिंग में इन्हें एजेंडे में शामिल किया जाना तय माना जा रहा है।बीसीसीआई के सूत्रों के मुताबिक सबसे अहम चर्चा सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की ग्रेडिंग प्रणाली को लेकर हो सकती है। मौजूदा समय में खिलाड़ियों को ए+, ए, बी और सी ग्रेड में बांटा गया है, जिसमें क्रमशः 7 करोड़, 5 करोड़, 3 करोड़ और 1 करोड़ रुपये हैं। जानकारी के मुताबिक ए+ को धीरे-धीरे समाप्त करने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, इस पर अंतिम फैसला एपेक्स काउंसिल ही लेगी। अगर यह बदलाव लागू होता है, तो इसके साथ रिटेनर राशि में भी संशोधन संभव है।

फिलहाल रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा ए+ ग्रेड में शामिल हैं। बदलते क्रिकेट कैलेंडर और खिलाड़ियों की फॉर्मेट प्राथमिकताओं को देखते हुए यह सवाल उठ रहा है कि क्या सिर्फ सीमित प्रारूप खेलने वाले खिलाड़ी टॉप टियर में बने रहेंगे। रोहित और कोहली फिलहाल केवल वनडे क्रिकेट खेल रहे हैं, जबकि जडेजा टेस्ट और वनडे तक सीमित हैं। ऐसे में अगर कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम को प्रदर्शन और फॉर्मेट उपलब्धता से जोड़ा जाता है, तो इन खिलाड़ियों की ग्रेडिंग पर असर पड़ सकता है।

रोहित शर्मा और विराट कोहली सिर्फ एक ही फॉर्मेट खेलते हैं। ऐसे में उनके ग्रेड को नीचे किया जा सकता है जिससे उन्हें सालाना मिलने वाली सैलरी में कमी का सामना करना पड़ेगा।21 अप्रैल 2025 को घोषित 2024-25 सत्र की कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट के अनुसार, मोहम्मद सिराज, केएल राहुल, शुभमन गिल, हार्दिक पांड्या, मोहम्मद शमी और ऋषभ पंत ग्रेड ए में थे। वहीं टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी ग्रेड बी में शामिल थे। ग्रेड सी में कई युवा और उभरते खिलाड़ियों को जगह दी गई थी।

अब सभी की नजरें बीसीसीआई की एपेक्स काउंसिल मीटिंग पर टिकी हैं, जहां यह तय होगा कि भारतीय क्रिकेट का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम आने वाले वर्षों में किस दिशा में आगे बढ़ेगा।

महिला प्रीमियर लीग: मुंबई इंडियंस को लगा झटका, जी कमलिनी सीजन के बाकी मैचों से बाहर

मुंबई। मुंबई इंडियंस को महिला प्रीमियर लीग 2026 के बीच एक बड़ा झटका लगा है। टीम की विकेटकीपर-बल्लेबाज जी कमलिनी चोट के कारण टूर्नामेंट के बाकी मैचों से बाहर हो गई हैं। 2 बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने उनकी जगह युवा बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा को शेष सीजन के लिए टीम में शामिल किया है। महिला प्रीमियर लीग की तरफ से जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक वैष्णवी शर्मा 30 लाख रुपये में मुंबई इंडियंस से जुड़ी हैं। 17 वर्षीय कमलिनी ने मौजूदा सीजन में मुंबई इंडियंस के लिए पांच मैच खेले थे। उन्होंने निचले क्रम में उपयोगी योगदान देने के साथ-साथ विकेट के पीछे भी अहम भूमिका निभाई, लेकिन दुर्भाग्यवश चोट के चलते उनका सीजन समय से पहले ही समाप्त हो गया। एमआई मैनेजमेंट के लिए यह फैसला मजबूरी भरा रहा, क्योंकि टीम पहले से ही उतार-चढ़ाव भरे प्रदर्शन से जूझ रही है।कमलिनी की जगह शामिल की गई वैष्णवी शर्मा भारतीय महिला क्रिकेट का उभरता हुआ नाम हैं। बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी 2025 में आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रह चुकी हैं। इसके अलावा, वह भारत के लिए पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी हैं, जिनमें उन्होंने कुल पांच विकेट हासिल किए हैं। मध्य ओवरों में वैष्णवी शर्मा की विविधता भरी गेंदबाजी एमआई के गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत कर सकती है। एमआई के लिए महिला प्रीमियर लीग 2026 में अब तक का सफर उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा है। टीम ने अब तक खेले गए पांच मैचों में सिर्फ दो जीत दर्ज की हैं। हालांकि पिछले दो मुकाबलों में हार के बावजूद बेहतर नेट रन-रेट के कारण मुंबई इंडियंस अंक तालिका में दूसरे स्थान पर बनी हुई है। प्लेऑफ से पहले टीम के तीन लीग मैच बाकी हैं, और इन मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन करना टीम के लिए बेहद जरूरी है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: डिफेंडिंग चैंपियन कीज ने ओलिन्यकोवा को हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई

मेलबर्न। मंगलवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले दौर में अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी मैडिसन कीज़ को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में उनका मुकाबला यूक्रेन की युवा खिलाड़ी ओलेक्ज़ान्द्रा ओलिन्यकोवा से था। मुकाबले की शुरुआत में कीज थोड़ी दबाव में दिखीं, लेकिन अनुभव के दम पर उन्होंने मैच अपने नाम कर लिया।

पहले सेट में कीज 0-4 से पीछे चल रही थीं। इतना ही नहीं, टाईब्रेक में भी वह पिछड़ गईं। इसके बावजूद उन्होंने दो सेट प्वाइंट बचाए और पहला सेट 7-6 से जीत लिया। इसके बाद दूसरे सेट में उन्होंने शानदार खेल दिखाया और 6-1 से जीत हासिल कर मैच समाप्त किया। कीज वर्ल्ड नंबर 9 खिलाड़ी हैं।

यह मुकाबला ओलिन्यकोवा का पहला ग्रैंड स्लैम मैच था और यह उनका पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय स्तर का मुकाबला भी था। पिछले कुछ समय से उन्होंने ज्यादा मैच नहीं खेले थे और यह उनका किसी शीर्ष 50 खिलाड़ी के खिलाफ पहला मैच था। बावजूद इसके, उन्होंने शुरुआत में आत्मविश्वास से भरा खेल दिखाया और कीज़ को परेशान कर दिया।

मैच के बाद कीज ने कहा कि उनकी प्रतिद्वंद्वी ने बेहद अच्छा खेल दिखाया। उन्होंने ओलिनिकोवा के बारे में कहा, 'आज मेरी प्रतिद्वंद्वी शानदार थी। उसने बहुत अच्छी शुरुआत की, और वह एक बेहतरीन प्रतिस्पर्धी है और उसने निश्चित रूप से मेरे लिए इसे मुश्किल बना दिया। यह निश्चित रूप से वह सामान्य स्टाइल नहीं है जो आप हर दिन देखते हैं। उनका खेलने का अंदाज अलग था, जिसमें गेंद की गति बदलना, ऊंची गेंदें और स्लाइस शॉट शामिल थे। इससे मुकाबला और कठिन हो गया। उन्होंने आगे कहा, 'मेरी प्रतिद्वंदी ने आज मुझे नेट के दूसरी तरफ काफी मेहनत करवाई। लेकिन आखिर में मैं सच में खुद पर भरोसा कर पाई और एक कदम पीछे हटी, लेकिन फिर अपने शॉट्स खेले। पहला सेट लगभग 72 मिनट चला, जिसमें काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। इसके बाद दूसरे सेट में कीज पूरी तरह हावी रहीं। उन्होंने अपनी पहली सर्विस पर ज्यादातर अंक जीते और मैच पर पूरा नियंत्रण बना लिया। डिफेंडिंग चैंपियन ने दूसरे सेट में सिर्फ एक गेम गंवाया और सेट में अपनी पहली सर्व पर 90 प्रतिशत पॉइंट जीते। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, कीज़ का आखिरी सेट में मैच पर पूरा कंट्रोल था।

बांग्लादेश पर भारत में खेलने का दबाव कोई नहीं बना सकता: आसिफ नजरुल

चटगांव । आईसीसी और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के बीच टी20 विश्व कप 2026 को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। आईसीसी की तरफ से दिए गए 21 जनवरी तक की डेडलाइन के ठीक एक दिन पहले बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने कहा है कि कोई भी बांग्लादेश पर भारत में खेलने का दबाव नहीं डाल सकता। चटगांव में मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए नजरुल ने कहा कि बांग्लादेश अपने रुख पर कायम है और सुरक्षा कारणों से भारत में अपने टी20 विश्व कप मैच खेलने के पक्ष में नहीं है।उन्होंने कहा, 'अगर आईसीसी भारतीय क्रिकेट बोर्ड के दबाव में आकर हम पर कोई गलत या बेमतलब की शर्त थोपने की कोशिश करती है, तो बांग्लादेश उसे स्वीकार नहीं करेगा। पाकिस्तान ने भी भारत जाकर खेलने से इनकार किया था और तब आईसीसी ने वेन्यू बदलने का फैसला लिया था। बांग्लादेश ने भी पूरी तरह तार्किक और सुरक्षा से जुड़े आधार पर वेन्यू बदलने की मांग की है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से आग्रह किया है कि उनके मैचों को टी20 विश्व कप 2026 के सह-मेजबान श्रीलंका में आयोजित किया जाए। इसके पीछे दोनों देशों के बीच मौजूदा राजनीतिक तनाव और खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता को मुख्य वजह बताया गया है।

आईसीसी ने बांग्लादेश द्वारा अपने मैच श्रीलंका में आयोजित करने के बांग्लादेश के अनुरोध को खारिज कर दिया है और बीसीबी को 21 जनवरी तक का समय दिया है। अगर निर्धारित समय तक बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड भारत आकर टी20 विश्व कप खेलने का फैसला नहीं करता है तो उसे टूर्नामेंट से बाहर किया जा सकता है और उनकी जगह स्कॉटलैंड को मौका दिया जा सकता है। आईसीसी ने बीसीबी द्वारा बांग्लादेश को ग्रुप बी में आयरलैंड की जगह रखने के अनुरोध को भी अस्वीकार कर दिया है।बांग्लादेश की सत्ता से शेख हसीना के हटने और मोहम्मद युनूस के काबिज होने के बाद अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा बढ़ी है।

टीजीएफ में शामिल हुए आमिर खान, बोले-खेल व्यक्तित्व और जीवन को बदलने की रखता है ताकत

मुंबई। बॉलीवुड के सुपरस्टार आमिर खान ने 'द गोल्फ फाउंडेशन' (टीजीएफ) के 18वें सालाना गोल्फ टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। यह इवेंट ऐतिहासिक बंबई प्रेसिडेंसी गोल्फ क्लब में आयोजित किया गया। इस दौरान आमिर खान ने बच्चों के जीवन में खेल के महत्व पर जोर दिया। अभिनेता का मानना है कि सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर हर बच्चा अपनी प्रतिभा को दुनिया के सामने ला सकता है और अपने जीवन में स्थायी बदलाव कर सकता है। कार्यक्रम में खेल, बॉलीवुड, व्यापार और समाजसेवा के क्षेत्र से कई प्रमुख अतिथियों ने हिस्सा लिया। आमिर खान ने कहा, 'खेल केवल मनोरंजन या प्रतियोगिता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बच्चों के व्यक्तित्व और जीवन को बदलने की ताकत रखता है। खेल हमें धैर्य, विनम्रता और मुश्किलों का सामना करने की ताकत सिखाता है और ये गुण जीवन के हर क्षेत्र में काम आते हैं। टीजीएफ के 26 साल के काम को सराहते हुए आमिर खान ने कहा, ''यह संस्था बच्चों को केवल खेल तक पहुंच ही नहीं देती, बल्कि उन्हें खुद पर विश्वास और जीवन में सफल होने का अवसर भी देती है।''

यह टूर्नामेंट ऐतिहासिक बंबई प्रेसिडेंसी गोल्फ क्लब में आयोजित किया गया। इसमें संगीतकार राघव सच्चर, नगर निगम के आयुक्त कैलाश शिंदे, वार्नर ब्रिस के प्रबंध निदेशक अर्जुन नोहवार और साशी रेड्डी, आयकर विभाग के दिलीप शर्मा और बीएमडब्ल्यू नवनीत मोटर्स के जॉन विलकॉक्स सहित कई अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य बच्चों को खेल के अवसर प्रदान करना और उनके विकास के लिए फंड जुटाना था।

आमिर खान ने इस अवसर पर कहा कि खेल का सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर बच्चे जीवन में न केवल बेहतर खिलाड़ी बन सकते हैं, बल्कि आत्मविश्वासी और जिम्मेदार व्यक्ति भी बन सकते हैं।

द गोल्फ फाउंडेशन की स्थापना 2000 में अमित लूथरा ने की थी। वे खुद राष्ट्रीय गोल्फ चैंपियन रह चुके हैं और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित हैं। उन्होंने गोल्फ को केवल विशेष वर्ग तक सीमित समझने की सोच को बदलने का लक्ष्य रखा। अमित लूथरा ने कहा, 'जब हमने शुरुआत की थी, तो लक्ष्य सीधा और आसान था कि किसी भी बच्चे की प्रतिभा उसकी परिस्थितियों से सीमित न हो। आज 26 साल बाद भी यही उद्देश्य है, लेकिन जिम्मेदारी और बढ़ गई है। हम सिर्फ गोल्फ खिलाड़ी नहीं बना रहे हैं, बल्कि ऐसे व्यक्ति तैयार कर रहे हैं जिनमें अनुशासन, चरित्र और जीवन के हर क्षेत्र में सफल होने की क्षमता हो।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा राधिका प्रिंटर्स, बी-60, कृष्ण कुन्ज गली, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली-53 से मुद्रित और मकान संख्या सी-438/बी, गली नं. 20, भजनपुरा, दिल्ली-110053 से प्रकाशित
संपादक : सुजीत कुमार, मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesaridelhi@gmail.com, पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र वयन एवं सपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा